प्रयागराज, रविवार 12 अप्रैल 2026 से 18 अप्रैल 2026 तक
वर्ष-14, अंक-14
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण 13

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

अमेरिका/ईरान में 2 हफ्ते का सीजफायर,40 दिन बाद रुकी जंग, ट्रम्प बोले- पाक पीएम और आर्मी चीफ की अपील के बाद फैसला

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका और ईरान के बीच 40 दिन से जारी जंग के बाद आखिरकार 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया। सीजफायर से पहले ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों को सुरक्षित रास्ता नहीं मिला तो वह उसकी पूरी सभ्यता खत्म कर देंगे। उन्होंने अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले की भी धमकी दी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह डील

पाकिस्तान की मध्यस्थता और आखिरी समय में चीन के दखल के बाद संभव हो पाई। पाकिस्तान ने 2 हफ्ते के सीजफायर का प्रस्ताव रखा था, जिसे ईरान ने स्वीकार कर लिया। समझौते के तहत अमेरिका और इजराइल अपने हमले रोकेंगे। ईरान भी हमले बंद करेगा। इस दौरान होर्मुज स्ट्रेट से तेल, गैस और अन्य जहाजों की सुरक्षित आवाजाही ईरानी सेना की मदद से सुनिश्चित की जाएगी। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच 10 अप्रैल को औपचारिक बातचीत पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुरू होगी। ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान भेजा है। उन्होंने कहा कि इस पर आगे बातचीत की जा सकती है। वहीं ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने दावा किया है कि अमेरिका ने उसका 10 पॉइंट प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। काउंसिल के मुताबिक यह समझौता ईरान की शर्तों पर हुआ है और इसे देश की जीत बताया है। **अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान-** 1 हमले पूरी तरह बंद हों- अमेरिका और इजराइल से सभी सैन्य हमले खत्म करने की मांग की। 2 सभी सैंक्शन हटाए जाएं- सभी आर्थिक प्रतिबंध हटाने की शर्त रखी। 3 फ्रीज किए गए एसेट्स वापस मिलें अपने सभी फ्रीज फंड और संपत्तियां वापस देने की मांग की। 4 जंग का स्थायी अंत-सिर्फ सीजफायर नहीं, बल्कि युद्ध पूरी तरह खत्म करने की शर्त रखी गई। 5 अमेरिकी सेना की वापसी-ईरान ने मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों से सेना हटाने की मांग की। 6 नुकसान की भरपाई-जंग में हुए नुकसान के लिए आर्थिक मुआवजा या पुनर्निर्माण की व्यवस्था मांगी। 7 होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल-ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की शर्त रखी। 8 सुरक्षित आवाजाही, लेकिन शर्तों के साथ जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति होगी, लेकिन यह ईरानी सेना के समन्वय में होगी।

ममता बनर्जी ने भवानीपुर से नामांकन भरा

भाजपा के सुवेंदु अधिकारी यहां से उम्मीदवार,असम-केरल और पुडुचेरी में आचार संहिता लागु चुनाव प्रचार थमा

गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता

बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट से नामांकन भरा। भाजपा ने इसी सीट से सुवेंदु अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है। वे नेता विपक्ष भी हैं। सुवेंदु 2 अप्रैल को नामांकन कर चुके हैं। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह उनके साथ मौजूद थे। भवानीपुर के अलावा ममता और सुवेंदु नंदीग्राम से भी आमने-सामने हैं। 2021 में उन्होंने ममता को यहां से हराया था। वहीं, तमिलनाडु के सीएम स्टालिन करूर और इरोड में आज चुनावी सभा करेंगे। असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को सिंगल फेज में वोटिंग है। इसलिए मंगलवार शाम 5 बजे तीन राज्यों में चुनाव प्रचार थमा। भाजपा पर बंगालियों के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा- सभी को 'दो मुंह वाले कोबरा और विषैले सांपों' से सावधान रहना चाहिए। पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होगा, जबकि परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे। टीवीके प्रमुख और तिरुचिरापल्ली पूर्व और पेरम्बूर विधानसभा सीटों से उम्मीदवार विजय ने तिरुनेलवेली में रोड शो किया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाबानीपुर और नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्रों से भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी ने कहा- ममतादा सूची से न तो मेरा नाम हटाया गया है और न ही ममता बनर्जी का, तो किसका नाम हटाया गया है। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 7 सीटों पर उम्मीदवार बदलेचुनाव प्रचार के दौरान डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने कहा- अगर 'संघी समूह' और एआईएडीएमके चुनाव जीतते हैं तो तमिलनाडु पिछड़ा राज्य बन जाएगा।

चुनाव बाद 22 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर होगा,39 करोड़ वोटर परिधि में आएंगे

बंगाल में करीब 91 लाख नाम कटे

नयी दिल्ली। पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग देशभर में स्पेशल इंटेंसिव

रिवीजन (एसआईआर) के तीसरे और अंतिम फेज को लागू करने की तैयारी में है। इसमें दिल्ली सहित 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया जाएगा। चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, 29 अप्रैल को मतदान खत्म होने के बाद या नतीजों की घोषणा के बाद एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। इधर, पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान करीब 91 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। हालांकि कुल वोटर्स की फाइल संख्या का ऐलान अभी नहीं हुआ है। इस महीने केरल, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। इन राज्यों में मतदान 29 अप्रैल तक पूरा होगा, जबकि रिजल्ट 4 मई को आएंगे।चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को पूरे देश में एसआईआर कराने का आदेश दिया था। अब तक 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। एसआईआर के पहले फेज में बिहार में एसआईआर कराया गया था। दूसरे चरण में 28 अक्टूबर 2025 से 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया शुरू हुई। इनमें उत्तर प्रदेश को छोड़कर बाकी 12 राज्यों में फाइल वोटर लिस्ट जारी हो चुकी है, जबकि यूपी में प्रक्रिया जारी है। देश के करीब 99 करोड़ मतदाताओं में से 60 करोड़ को इस अभियान में शामिल किया जा चुका है। अब बाकी 39 करोड़ मतदाताओं को 17 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में कवर किया जाएगा। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान करीब 91 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, यह कार्रवाई नवंबर से चल रही प्रक्रिया के तहत की गई है, आयोग के 28 फरवरी तक के आंकड़ों के मुताबिक, एसआईआर शुरू होने के बाद 63.66 लाख नाम हटाए गए थे, जिससे मतदाताओं की संख्या करीब 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ रह गई। बाद में जांच और प्रक्रिया पूरी होने के साथ कुल हटाए गए नामों की संख्या बढ़कर करीब 90.83 लाख हो गई है।

टीएमसी का आरोप- चुनाव आयोग ने भगाया,एसआईआर पर आपत्ति जताने गए थे- चुनाव आयोग- इस बार बंगाल में चुनाव भयमुक्त होंगे

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर तृणमूल कांग्रेस और

चुनाव आयोग आमने-सामने आ गए हैं। सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के नेतृत्व में टीएमसी का प्रतिनिधि मंडल बुधवार सुबह दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा। डेरेक ने कहा कि हमने SIR के मुद्दे पर समय मांगा था, लेकिन मीटिंग के दौरान हमारे साथ खराब व्यवहार किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ने हमें सिर्फ 5 मिनट में भगा दिया गया। डेरेक ओ'ब्रायन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बैठक सुबह 10:02 बजे शुरू हुई और 10:07 बजे खत्म हो गई। चुनाव आयोग के सूत्रों का कहना है कि डेरेक ओ'ब्रायन ने सीईसी को बोलने से रोका और धमकी दी। वह कोई बात सुन ही नहीं रहे थे। उधर, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ब्लाक ने आज शाम 4.45 बजे इस मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस ऐलान किया है। टीएमसी के साथ बैठक खत्म होने के बाद चुनाव आयोग ने सुबह 10:20 बजे सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट किया। उसने लिखा- चुनाव आयोग की टीएमसी को दो टूक। बंगाल में इस बार चुनाव भय रहित और हिंसा रहित होंगे। डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा कि जब उन्होंने अधिकारियों के ट्रांसफर और निष्पक्ष चुनाव पर सवाल उठाया, तो मुख्य चुनाव आयुक्त ने उन्हें वहां से जाने के लिए कह दिया। जो आज हुआ, वह शर्मनाक है। मैं चुनाव आयोग को चुनौती देता हूं कि बैठक का वीडियो या ऑडियो जारी करे। चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने डेरेक ओ ब्रायन से बैठक में शालीनता बनाए रखने को कहा था। लेकिन डेरेक आयोग के परिसर में चिल्लाने लगे और अनुचित व्यवहार करने लगे। प्रतिनिधिमंडल में डेरेक ओ ब्रायन के अलावा साकेत गोखले, मेनका गुरुस्वामी और सागरिका घोष शामिल थीं।

आगामी मानसून में 6फीसदी कम बारिश का अनुमान,स्काईमेट ने कहा- एमपी/राजस्थान/पंजाब और हरियाणा में सामान्य से कम बारिश हो सकती है

नयी दिल्ली। इस साल मानसून की बारिश सामान्य से कम रह सकती है। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट वेदर ने इस साल के मानसून का पूर्वानुमान जारी किया

है। इसके अनुसार, बारिश सामान्य से 6फीसदी कम रह सकती है। जून से सितंबर तक मानसून के 4 महीनों में देश में बारिश का सामान्य औसत 868.6 मिलीमीटर है। सामान्य से कम मानसून का मतलब है कि बारिश 90फीसदी से 95फीसदी के बीच रहेगी। एजेंसी ने 94फीसदी बारिश का अनुमान दिया है। जून में सामान्य बारिश होगी, लेकिन जुलाई से गिरावट शुरू होकर अगस्त और सितंबर में मानसून कमजोर पड़ेगा। खासकर अगस्त-सितंबर में बारिश की कमी ज्यादा रहने के संकेत हैं। मध्य और पश्चिम भारत के मुख्य क्षेत्रों में बारिश कम रहने के आसार हैं। अगस्त-सितंबर में मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में सामान्य से कम बारिश की आशंका है। जुलाई से बारिश में कमी होने का अनुमान-एलपीए के मुकाबले जून में 101फीसदी बारिश संभव। इस माह का एलपीए 165.3 एमएम है। सितंबर में एलपीए के मुकाबले 89फीसदी बारिश का पूर्वानुमान। एलपीए 167.9 एमएम है। एलपीए के मुकाबले 95फीसदी बारिश जुलाई में होगी। इस माह एलपीए 280.5 एमएम है। एलपीए के मुकाबले अगस्त में 92फीसदी बारिश संभव। इस माह का एलपीए 254.9 एमएम है। क्या होता है लॉन्ग पीरियड एवरेज यानी एलपीए इसका मतलब है कि मौसम विभाग ने 1971-2020 की अवधि के आधार पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) को 87 सेमी (870 मिमी) निर्धारित किया है। अगर किसी साल की बारिश 87 सेमी से ज्यादा होती है, तो उसे सामान्य से अधिक माना जाता है। अगर कम हो तो कमजोर मानसून माना जाता है।स्काईमेट वेदर से जुड़े जतिन सिंह ने कहा कि मानसून की शुरुआत के समय अल-नीनो बनने की संभावना है। इससे मानसून कमजोर पड़ सकता है। हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) मजबूत हो तो अल-नीनो का असर कुछ कम होता है। अभी आईओडी सामान्य या थोड़ा अधिक रहने की उम्मीद है। इससे मानसून की शुरुआत ठीक होगी, लेकिन सीजन के दूसरे हिस्से में बारिश कमजोर पड़ने का खतरा रहेगा।

कांग्रेस बंगाल में रु10 लाख तक मुफ्त इलाज देगी,घोषणापत्र में महिलाओं को हर माह रु2000 देने का वादा

कोलकाता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। पार्टी ने खुद को राज्य में जनता के लिए तीसरे विकल्प के रूप में पेश करते किया। कांग्रेस के घोषणापत्र में महिलाओं को हर महीने रु2,000 की आर्थिक सहायता, पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर तक फ्री शिक्षा और राज्य में मुफ्त सरकारी परिवहन सुविधा देने की घोषणा की गई है। किसानों के लिए घोषणापत्र में छोटे और भूमिहीन किसानों को हर साल रु15 हजार की सहायता राशि और 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की बात भी कही गई है। हर परिवार को रु10 लाख तक का हेल्थ इंश्योरेंस कवर देने का वादा किया है। कांग्रेस ने बंगाल के युवाओं के लिए युवा सम्मान योजना और बंगाल एम्प्लॉयमेंट गारंटी मिशन शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत एक साल में राज्य में सभी खाली सरकारी पदों को भरा जाएगा। साथ ही स्टार्टअप्स को फंडिंग और स्किल डेवलपमेंट के साथ एआई एजुकेशन पर खास ध्यान दिया जाएगा। विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस का मैनिफेस्टो जारी करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि बंगाल में भ्रष्टाचार और बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्याएं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ाया है और इसका असर बंगाल की छवि पर पड़ रहा है। युवाओं को नौकरी के लिए राज्य छोड़ना पड़ रहा है। कांग्रेस ने रोजगार गारंटी मिशन, प्रदूषण उन्मूलन, कौशल विकास और एआई शिक्षा पर जोर देने का वादा किया है। महिलाओं को अर्थव्यवस्था की ताकत बनाने की बात भी कही गई है।

आईआईटीअन बाबा ने मुलाकात के दूसरे दिन ही प्रपोज किया,तमिलनाडु के आश्रम से लव स्टोरी शुरू हुई

झज्जर। प्रयागराज महाकुंभ-2025 से चर्चा में आए आईआईटीअन बाबा अभय सिंह ने खुद अपनी लव स्टोरी के बारे में बताया। उन्होंने कहा- प्रीतिका से मेरी मुलाकात 2025 में महाशिवरात्रि पर तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक आश्रम में हुई थी। प्रीतिका मोक्ष की तलाश में साधना करने आई थीं। वे भी आध्यात्मिक मार्ग पर थीं। यहीं से दोनों के बीच जुड़ाव हुआ। आईआईटीअन बाबा ने कहा- मुलाकात के दूसरे ही दिन मैंने प्रीतिका से शादी के लिए पूछ लिया। पहले तो प्रीतिका को लगा कि मैं मजाक कर रहा हूं। बाद में मैंने उनसे कहा कि मैं सीरियस हूं।

एक साल तक हम दोनों दोस्त रहे। फिर शादी करने का फैसला किया। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर उत्तराखंड में ऋषिकेश के पास मनसा देवी मंदिर में प्रीतिका की मांग में सिंदूर भरा। आईआईटीअन बाबा सोमवार को शादी के बाद पहली बार नई दुल्हन के साथ हरियाणा के झज्जर अपने घर पहुंचे। यहां उनकी मां शीला देवी ने बहू का गृह प्रवेश कराया।

आईआईटीअन बाबा ने कहा- 'मैंने पहले ही कहा था कि अगर मुझे मेरी 'पार्वती' मिली तो जरूर शादी करूंगा। अब प्रीतिका के रूप में उन्हें उनकी जीवनसंगिनी मिल गई है।' आईआईटीअन बाबा अभय सिंह और प्रीतिका हिमाचल के धर्मशाला में रह रहे हैं। परिवार से मुलाकात के बाद सोमवार रात को दोनों धर्मशाला रवाना हो गए। इन्होंने दिल्ली से धर्मशाला की फ्लाइट पकड़ी। कोर्ट मैरिज के सवाल पर आईआईटीअन बाबा ने कहा- ऑफिशियल तौर पर भी ये जरूरी थी।

हम जहां भी जाते थे तो डॉक्यूमेंट की जरूरत पड़ती थी। दूसरा, हम जो ऑर्गनाइजेशन बना रहे हैं, उसमें भी बैंक अकाउंट के लिए डॉक्यूमेंट जरूरी थे, इसलिए शादी के डॉक्यूमेंट जरूरी थे। प्रीतिका ने एस्ट्रोनॉमी एंड स्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर्स किया-प्रीतिका मूलरूप से कर्नाटक की हैं। मंगलौर के सेंट जोसेफ इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन में बीटेक किया, फिर एमआईटी मणिपाल से एस्ट्रोनॉमी एंड स्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर्स किया। बेंगलुरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (आईआईए) में रिसर्च इंटर्नशिप की। जहां ब्रह्मांड के रहस्य खोजते-खोजते खुद अध्यात्म की ओर मुड़ गईं।

ससुराल में स्वागत पर प्रीतिका ने कहा- यहां पर मुझे बहुत प्यार मिला। कर्नाटक और हरियाणा की चीजें काफी अलग हैं। यहां आकर काफी कुछ सीखने को मिल रहा है।

काफी लोगों के घर पर गए, वहां भी बहुत प्यार मिला। इससे पहले कभी इतना प्यार नहीं मिला।

प्रयागराज में UPSIA एवं विद्युत विभाग की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
प्रयागराज। संगम नगरी में उद्योगों से जुड़ी समस्याओं और विद्युत

आपूर्ति को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यूपीएसआईए (UPSIA) एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उद्योगपतियों, विभागीय अधिकारियों तथा संबंधित पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान उद्योगों को मिल रही बिजली आपूर्ति, लोड, बिलिंग संबंधी समस्याएं तथा भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उद्यमियों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं, जिनमें मुख्य रूप से अनियमित विद्युत आपूर्ति, अधिक बिलिंग और तकनीकी बाधाओं का मुद्दा प्रमुख रहा। विद्युत विभाग की ओर से के. के. सरस्वत (Superintending Engineer), आशीष सिन्हा, (superintending Engineer), अधिशासी अभियंता रचित खन्ना, नैनी की एसडीओ मदन जी , मुनेश कुमार (जेई) उपस्थित रहे। वहीं UPSIA की ओर से अरविंद राय (अध्यक्ष), राजीव नैय्यर, डॉ. पुनीत अरोरा, नीरज श्रीवास्तव, मनीष शुक्ला, के. खान एवं सुशील दुबे मौजूद रहे। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

साथ ही उद्योगों को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर UPSIA के पदाधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की बैठकें उद्योगों के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, जिससे संवाद स्थापित होता है और समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो पाता है।

बैठक के अंत में सभी ने समन्वय और सहयोग के साथ कार्य करने का संकल्प लिया, जिससे प्रयागराज में औद्योगिक विकास को नई गति मिल सके।

'पहले यूएई का लोन उतारो, फिर भारत से मुकाबले का सपना देखना'- न्यूक्लियर एनर्जी पर जल-भुन रहे पाकिस्तान को सुनाई खरी-खोटी

नयी दिल्ली। भारत ने सुरक्षित और स्वदेशी परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी कामयाबी हासिल की है। भारत ने एडवांस परमाणु रिएक्टर 'प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' के दूसरे चरण की क्रिटिकैलिटी को सफलतापूर्वक छू लिया है। इसका मतलब यह है कि यह जितना ईंधन खपत करेगा, उससे ज्यादा यह पैदा करेगा और बिजली भी बनाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारतीय वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि को लेकर बधाई देते कहा है कि यह भारत के लिए निर्णायक मोड़ है। मगर, भारत की इस कामयाबी से पूरे पाकिस्तान के पेट में दर्द उठ गया है।

सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी यूजर्स और एक्सपर्ट्स चिढ़े हुए हैं। वह खिसियाकर बयान दे रहे हैं। ईंधन खत्म नहीं होगा, उल्टे और बढ़ेगा- तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित पीएफबीआर रिएक्टर ने पहली बार क्रिटिकैलिटी के स्टेज को हासिल कर लिया है। इस क्रिटिकैलिटी का मतलब यह है कि यह रिएक्टर जितना

परमाणु रिएक्टर 'प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' के दूसरे चरण की क्रिटिकैलिटी को सफलतापूर्वक छू लिया है। इसका मतलब यह है कि यह जितना ईंधन खपत करेगा, उससे ज्यादा यह पैदा करेगा और बिजली भी बनाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारतीय वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि को लेकर बधाई देते कहा है कि यह भारत के लिए निर्णायक मोड़ है। मगर, भारत की इस कामयाबी से पूरे पाकिस्तान के पेट में दर्द उठ गया है।

सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी यूजर्स और एक्सपर्ट्स चिढ़े हुए हैं। वह खिसियाकर बयान दे रहे हैं। ईंधन खत्म नहीं होगा, उल्टे और बढ़ेगा- तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित पीएफबीआर रिएक्टर ने प्लूटोनियम-233 ईंधन खर्च करेगा, उससे ज्यादा यह नया ईंधन प्लूटोनियम-239 पैदा करेगा। इसी से बिजली भी बनेगी।

यानी भारत के पास भविष्य के लिए एक बड़ा एनर्जी भंडार तैयार हो सकेगा। 500 एमडब्लू क्षमता वाला यह सोडियम कूल्ड रिएक्टर भारत के 'नेट जीरो 2070' लक्ष्य को पूरा करने में मददगार साबित होगा। भारत के ये रिएक्टर पूरी तरह स्वदेशी हैं, जिसे भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड ने डिजाइन किया और बनाया है।

एक पाकिस्तानी यूजर ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- पाकिस्तान को इसी तरह का स्वदेशी प्रोग्राम बिना किसी देरी के चलाना चाहिए। वजह यह है कि प्रतिरोध संतुलन बनाए रखा जा सके और दीर्घकालिक रणनीतिक समानता तय की जा सके। एक और पाकिस्तानी यूजर ने लिखा-एक यूजर ने कहा-चिंता की कोई बात नहीं। हमारे अज्ञात बंदूकधारी आपके लैब को स्टार्ट होने से पहले ही उड़ा देंगे।

फौजिया नाम की एक यूजर ने कहा है कि भारत को न्यूक्लियर प्रोग्राम बढ़ाने की मंजूरी क्यों दी गई, जबकि ईरान या दूसरों को ऐसा नहीं करने दिया जा रहा है। यह वैश्विक पाखंड और कट्टरता है। भारत एक जिम्मेदार देश नहीं हैं।

एक भारतीय यूजर ने पाकिस्तानियों पर बरसते हुए कहा-तुम्हारी औकात नहीं है भिखारियों। पहले यूएई का लोन तो उतार लो। महज 16 बिलियन डॉलर के फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व के साथ न्यूक्लियर एनर्जी में भारत से मुकाबले का सपना देख रहे हो।

मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत बच्चियों को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत मंगलवार को महिला सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, पिंक बूथ, पिंक स्कूटी, साइबर मैसेज से सावधानी पूर्वक खोले अथवा ना ही छुए, उसको सीधे डिलीट कर दें या घर के बड़े सदस्यों

ए. श्यर्म्पते स्कूल कपूरथला थाना अलीगंज जनपद लखनऊ में बच्चियों को मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। इस दौरान महिलाओं व बच्चों से सम्बंधित पुलिस हेल्पलाइन नंबर जैसे 112, 1090, 181, 1076 एवं अन्य महत्वपूर्ण नंबरो के साथ ही क्राइम, यूपी कॉप एप, आदि के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। साइबर क्राइम से बचाव के सम्बन्ध में जागरूक करते हुए उपनिरीक्षक शिवानी मिश्रा ने बताया कि आज कल साइबर अपराध के तरह-तरह के प्रलोभन, निमंत्रण काई पीडीएफ फाइल, बैंक केवाइसी जैसे को दिखा कर समझें, जिससे आप साइबर अपराध के झांसे से बच सकते हैं। इस मौके पर थाना अलीगंज जनपद लखनऊ उपनिरीक्षक रवींद्रनाथ प्रजापति, उपनिरीक्षक शिवानी मिश्रा, उपनिरीक्षक प्रगति सिंह थाना अलीगंज जनपद लखनऊ मौजूद रहे।

गैंगस्टर एक्ट के तहत थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई, अवैध मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित संपत्ति कुर्क

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र माध्यम से अवैध हेरोइन का व्यापार करते हुए तथा अन्य आपराधिक मजिस्ट्रेट सोनभद्र महोदय द्वारा उ0प्र0 गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी

श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद सोनभद्र में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी श्री हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष शक्तिनगर श्री कमल नयन दूबे की रिपोर्ट के आधार पर गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत प्रभावी कार्यवाही की गई है। अभियुक्त सुनील भारती पुत्र शिवमंगल, निवासी निमियाटाड़ बस्ती थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 32 वर्ष द्वारा स्वयं एवं अपने सहयोगियों के गतिविधियों में संलिप्त रहकर अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की गई। जिसके विरुद्ध थाना शक्तिनगर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त द्वारा बिना किसी वैध आय के स्रोत के आपराधिक कृत्यों से अर्जित धन से अपने एवं अपनी पत्नी के नाम से चार पहिया वाहन (स्विफ्ट डिजायर) संख्या UP64BA-9536 (मूल्यांकन लगभग रु6,90,000/-) तथा स्कूटी संख्या UP64BE-0459 (मूल्यांकन लगभग रु90,000/-) क्रय की गई है। उक्त तथ्यों के आधार पर जिला क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 की धारा 14(1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त दोनों वाहनों को कुर्क/जब्त किया गया है।अभियुक्त का विवरण- सुनील भारती पुत्र शिवमंगल, निवासी निमियाटाड़ बस्ती, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 32 वर्ष। अभियुक्त की जब्त की गयी सम्पत्ति का विवरण- (1) चार पहिया वाहन (स्विफ्ट डिजायर) संख्या UP64BA-9536 (मूल्यांकन रु6,90,000/-) (2) मो0सा0 स्कूटी संख्या UP64BE-0459 (मूल्यांकन रु90,000/-)

आवासित किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार, शिक्षा एवं करियर के प्रति जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को राजकीय सम्प्रेक्षण गृह आयोजन राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, रायबरेली में सोमवार को किया गया। कार्यक्रम में डॉ0 की गयी। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, प्रभारी अधीक्षक राजकीय

(किशोर) रायबरेली में आवासित किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार, शिक्षा एवं करियर के प्रति जागरूकता, जीवन कौशल को बढ़ाये जाने के साथ ही सकारात्मक व्यवहार के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आलोक प्रताप सिंह एवं डॉ0 शुभम खरवार सहा0 प्राध्यापक, फिरोज गांधी महाविद्यालय रायबरेली द्वारा आवासित किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, जीवन कौशल, विकास एवं परामर्श के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा संप्रेक्षण गृह रन बहादुर वर्मा, संरक्षण अधिकारी वीरेंद्र पाल, मनुपेन्द्र श्रीवास्तव, परामर्शदाता सौरभ चौधरी, अमित विक्रम, पैरामेडिकल स्टाफ मधुबाला, एजूक्रेटर प्रिया सिंह सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत ताला पुलिस की कार्रवाई, 10 शीशी नशीली कफ सिरप सहित आरोपी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। रीवा जोन में चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन प्रहार 2.0' के तहत थाना ताला पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अवैध नशीली कफ सिरप के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन श्री गौरव राजपूत के निर्देशन में तथा पुलिस अधीक्षक मैहर श्री अवधेश प्रताप सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. चंचल नागर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी अमरपाटन ख्याति मिश्रा व थाना प्रभारी ताला निरीक्षक महेन्द्र कुमार मिश्रा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। घटना का विवरण- दिनांक 06 अप्रैल 2026 को पुलिस चौकी मुकुन्दपुर प्रभारी उप निरीक्षक नागेश्वर प्रसाद मिश्रा अपनी टीम के साथ गोविन्दगढ़-बेला मार्ग पर यातायात व्यवस्था संभाल रहे थे। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति सफेद बोरी लेकर जाता दिखा, जो पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 10 शीशी कोडीन फास्फेट

युक्त अवैध नशीली ऑनरेक्स कफ सिरप बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विवेक उर्फ बलदाउ गुप्ता (27 वर्ष), निवासी ग्राम मुकुन्दपुर थाना ताला जिला मैहर बताया। पंजीबद्ध अपराध-आरोपी के विरुद्ध धारा 8, 21, 22 एनडीपीएस एक्ट एवं 6/13 म.प्र. ड्रग कंट्रोल अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। साथ ही उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है।

जप्त सामग्री-10 शीशी नशीली कफ सिरप (कीमत लगभग 1800 रुपये) वीवो कंपनी का मोबाइल (कीमत लगभग 15,000 रुपये) इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक महेन्द्र मिश्रा, उप निरीक्षक नागेश्वर प्रसाद मिश्रा, प्रधान आरक्षक राजभान सिंह, प्रधान आरक्षक इच्छालाल तिवारी, आरक्षक आशीष मिश्रा, आरक्षक विवेक मिश्रा एवं सैनिक सुंदरलाल शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला कारागार में बन्दियों के विधिक अधिकार विषय पर आयोजित हुआ जागरुकता शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/

अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में अमोद कंठ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा जिला कारागार, रायबरेली का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सचिव द्वारा जिला कारागार में स्थित पाकशाला के अतिरिक्त चिकित्सालय का निरीक्षण करते हुए बन्दियों से मिलकर उनका हालचाल जाना गया। दौरान निरीक्षण सचिव द्वारा बन्दियों से उनके मुकदमें में पैरवी के सम्बन्ध में अधिवक्ता की उपलब्धता के बाबत जानकारी ली गयी। निरीक्षण के पश्चात बन्दियों को विधिक रुप से जागरुक करने हेतु विधिक जागरुकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में उपस्थित बन्दियों को उनके विधिक अधिकार बताये गये तथा यह भी बताया गया कि जिन बन्दियों को निःशुल्क अधिवक्ता की आवश्यकता हो वह जेल में स्थित लीगल ऐड क्लीनिक के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते है। इस मौके पर जेल अधीक्षक प्रभात सिंह, जेलर हिमाशुँ रौतेला, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल राजकुमार सिंह, जेल चिकित्साधिकारी डा0 सुनील अग्रवाल व असिस्टेन्ट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल योगेश चन्द्र, उपकारापाल सुमैया परवीन व जनमेजय सिंह उपस्थित रहे।

प्रियदर्शनी गैस एजेंसी नैनी में एलपीजी गैस की मारामारी, विभागीय अधिकारी बेखबर

7घंटे लगातार लाइन में खड़े होने के बावजूद भी सिलेंडर मिलना मुश्किल,गैस एजेंसी के कर्मचारियों पर सिलेंडर की कालाबाजारी करने का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज। इन दिनों नैनी क्षेत्र में एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत

थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रियदर्शनी गैस एजेंसी में एलपीजी गैस सिलेंडर की मारामारी मची हुई है। तकरीबन 7 घंटे लगातार लाइन में खड़े होने के बावजूद लोडिंग ना आने से उपभोक्ताओं को मायूस होकर खाली सिलेंडर लेकर घर वापस लौटना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं ने एजेंसी कर्मचारियों पर निर्धारित दर से अधिक पैसे लेकर गैस सिलेंडर कालाबाजारी करने का आरोप लगाया है। जैसा कि मालूम हो, नैनी क्षेत्र के इंडस्ट्रियल कॉलोनी स्थित प्रियदर्शनी गैस सर्विस जो, कि भारत गैस एजेंसी के रूप में कार्यरत है, यहां पर प्रतिदिन सुबह तकरीबन 5:00 से ही लाइन लगना शुरू हो जाता है। लाइन में लगने के बाद कुछ लोगों को सिलेंडर मिलना मुश्किल हो जाता है। इसी क्रम में 6 अप्रैल यानी मंगलवार की सुबह तकरीबन 5:00 बजे से लोग लाइन में खड़े हो गए। दोपहर 12:00 बजे तक सिलेंडर की लोडिंग नहीं आई। लोडिंग ना आने पर वहां पर अफरा- तफरी का माहौल बन गया। लोग हल्ला मचाना शुरू कर दिए। इधर एजेंसी के कर्मचारी हल्ला होने पर कार्यालय बंद कर भाग खड़े हुए। उपभोक्ताओं का कहना है, कि एजेंसी कर्मचारियों के द्वारा मनमानी तौर पर काम किया जाता है। इनके द्वारा केवाईसी करने के नाम पर उपभोक्ताओं से पैसा मांगा जाता है। पैसा ना देने पर बेइज्जत करके उनको भगा दिया जाता है। इतना ही नहीं इनके द्वारा निर्धारित दर से अधिक पैसा लेकर गैस सिलेंडर की धड़ल्ले से कालाबाजारी की जाती है। गैस एजेंसी के कर्मचारियों की मनमानी के आगे सभी बेबस, लाचार एवं मजबूर हैं। इस बाबत क्षेत्रीय उपभोक्ताओं ने विभागीय उच्च अधिकारियों का ध्यान इस तरफ आकर्षित कराते हुए उक्त गैस एजेंसी की कार्य प्रणाली की जांच कराकर इनके विरुद्ध कर कार्यवाही करने की मांग की है।

सेक्टर-73 स्थित महादेव आरडब्ल्यूए का चुनाव कार्यक्रम घोषित,निवासियों का मतदाता सूची में नाम शामिल किए बिना चुनाव करने पर विरोध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-73 स्थित महादेव रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के निर्वाचन की तिथि आनन फानन में घोषित कर दी गई है। जिसका निवासियों में भारी विरोध है। जिला पूर्ति अधिकारी, गौतमबुद्धनगर स्मृति गौतम को निर्वाचन अधिकारी नामित किए जाने के बाद विस्तृत चुनाव कार्यक्रम जारी किया गया। जारी कार्यक्रम के अनुसार 8 अप्रैल 2026 को सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे तक अनंतिम मतदाता सूची का प्रदर्शन किया जाएगा तथा आपत्तियां व नई सदस्यता आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। 9 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आपत्तियों का निस्तारण होगा और उसी दिन नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच 9 अप्रैल को सायं 4 बजे से की जाएगी। 10 अप्रैल को वैध प्रत्याशियों की सूची प्रदर्शित होगी तथा नाम वापसी की प्रक्रिया भी संपन्न कराई जाएगी। अंतिम उम्मीदवारों की सूची 13 अप्रैल को जारी की जाएगी। यदि आवश्यक हुआ तो मतदान 18 अप्रैल को सायं 5 बजे तक कराया जाएगा। मतगणना 18 अप्रैल को होगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे। इसको लेकर निवासियों में विरोध शुरू हो गया है। निवासियों का कहना है कि बिना मतदाता पुनरीक्षण के चुनाव करना कानून का उल्लंघन है। चुनाव अधिकारी को इस पर विचार करना चाहिए नहीं तो सोसायटी के लोग विरोध प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। इसको लेकर ने वर्तमान अध्यक्ष सतवीर यादव डिप्टी रजिस्ट्रार के यहां अपील करने का मन बना रहे हैं।

दबिश के दौरान 55 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद, 03 अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के आदेशानुसार अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र- 01 की टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। टीम द्वारा तहसील सदर के थाना गुरुबख्शगंज अंतर्गत ग्राम सोमवंसी का पूर्वा एवं बरऊआ में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/ संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान 55 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 150 किलोग्राम लहन बरामद कर मौके पर नष्ट करते हुए 03 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए ।जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

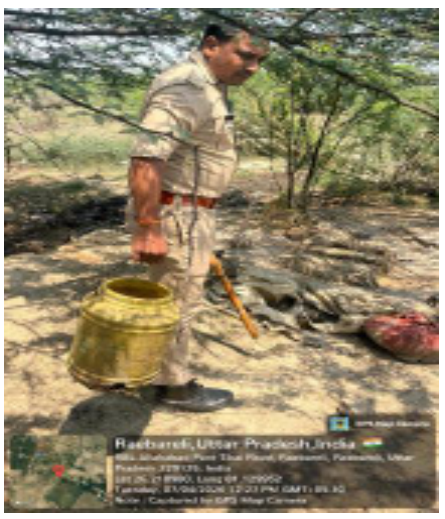

समाज सेवा करना,ईश्वर की सेवा करने के समान होती है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अग्रवाल सुहृद समाज,रायबरेली द्वारा समय-समय पर विभिन्न समाज सेवा के कार्य किये जाते हैं,इसी कड़ी में समाज द्वारा आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए एक शीतल जल मशीन का लोकार्पण देवानन्द पुर स्थित के बी सिन्हा राजकीय इंटर कालेज परिसर में किया गया।इस कार्यक्रम को सम्पन्न करने में पूर्व संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष ई सूरज अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष गौरव जैन,हरीश मुरारका, अभिषेक गोयल,भवेश अग्रवाल,पल्लव अग्रवाल,ऋषभ बिंदल,पुनीत बंसल, उज्ज्वल गोयल आदि का विशेष सहयोग रहा, इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ बरखा भारती जी ने अग्रवाल समाज का धन्यवाद दिया उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज द्वारा इस प्याऊ के लगवाने से विद्यालय के समस्त बच्चों को भीषण गर्मी में शीतल जल की उपलब्धता हो सकेगी। समाज के सचिव पवन अग्रवाल ने कहा कि समाज हमेशा ऐसे समाजिक कार्य करता रहता है जिससे आम जन को लाभ मिल सके। विद्यालय द्वारा समाज के सचिव को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इतिहास से प्रेरणा लेकर आगे बढे समाज- डॉ प्रमोद शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। महापद्म नंद जन्मोत्सव आयोजन समिति मीरजापुर द्वारा आयोजित महापद्म नंद महराज जी का जन्मदिन बड़े धूम धाम से संपन्न । इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में अंकित प्रथम चक्रवर्ती सम्राट महापद्म नंद महाराज जी की जयंती मिर्जापुर नगरी में अद्वितीय गरिमा, भव्यता एवं उल्लास के साथ मनाई गई। महापद्म नंद जन्मोत्सव आयोजन समिति, मिर्जापुर के तत्वावधान में आयोजित यह समारोह स्थानीय वातानुकूलित सभागार में संपन्न हुआ, जहाँ समाज के गणमान्य व्यक्तियों, बुद्धिजीवियों एवं श्रद्धालुओं की प्रभावशाली उपस्थिति ने आयोजन को एक ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. प्रमोद शर्मा (राष्ट्रीय अध्यक्ष, जननायक कर्पूरी ठाकुर विचार मंच एवं सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, सीपीएमपी डिग्री कॉलेज प्रयागराज) ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में सम्राट महापद्म नंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का भावपूर्ण चित्रण किया। उन्होंने कहा कि महापद्म नंद केवल एक विजेता सम्राट ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, संगठन शक्ति और जनकल्याण के प्रतीक थे। उनके आदर्श आज भी समाज को एकजुटता, आत्मगौरव और प्रगतिशील सोच की प्रेरणा देते हैं। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध साहित्यकार रमेश कुमार शर्मा, राष्ट्रीय संरक्षक एमसीईए रघुनाथ शर्मा, मोहन लाल आर्य, शिव मोहन शर्मा, विजय बहादुर शर्मा, केदार नाथ सविता, सुप्रसिद्ध गायक संजय शर्मा, मोनू शर्मा सहित अनेक सम्मानित अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक चेतना एवं सांस्कृतिक जागरण का सशक्त माध्यम बताया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर समाज की प्रतिभाशाली बेटियों को सम्मानित कर आयोजन को विशेष ऊँचाई प्रदान की गई। अभिलाषा शर्मा को पीसीएस परीक्षा में सफलता अर्जित कर खंड विकास

अधिकारी पद पर चयनित होने के लिए सम्मानित किया गया, वहीं संजीवनी शर्मा को वर्ल्ड एजुकेशनल स्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर अभिनंदित किया गया। यह सम्मान समारोह न केवल उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि नारी सशक्तिकरण की सशक्त अभिव्यक्ति भी बना। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन में जीवंतता और सौंदर्य का संचार किया।राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिलब्ध कलाकार मनीष शर्मा ने अपने भावपूर्ण कथक नृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं रोली शर्मा द्वारा प्रस्तुत सोहर संस्कार गीत ने पारंपरिक लोकभावना को सजीव कर दिया। कजली के चौलर विधा के प्रख्यात कलाकार जटाशंकर शर्मा की प्रस्तुति ने भी उपस्थित जनसमूह की भरपूर सराहना अर्जित की और सांस्कृतिक विरासत की समृद्धता को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के संयोजक घनश्याम शर्मा, सचिव शिवराम शर्मा एवं कोषाध्यक्ष कृष्ण मुरारी शर्मा ने सभी आगंतुक अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्य डॉ. सतीश शर्मा, अवधेश शर्मा, शुभम शर्मा, पुनीत शर्मा सहित समस्त सदस्यों का समर्पण एवं सहयोग उल्लेखनीय रहा। समारोह का समापन हर्ष, उत्साह एवं सम्राट महापद्म नंद के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने के दृढ़ संकल्प के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल अतीत की गौरवगाथा का स्मरण था, बल्कि वर्तमान को दिशा देने और भविष्य को संवारने का एक प्रेरणादायी प्रयास भी सिद्ध हुआ।

प्रदेश सरकार विभिन्न समस्याओं से पीड़ित महिलाओं को दे रही है निःशुल्क आवासीय सुविधा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। हमारे संविधान और उसकी प्रस्तावना में, मूल अधिकार, मूल कर्तव्य और नीति निर्देशक तत्वों में भी नागरिकों की समानता निहित हैं, जिसके फलस्वरूप इस देश में लैंगिक भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है। संविधान न केवल महिलाओं को समानता का अधिकार देता है, बल्कि राज्यों को यह अधिकार देता है कि समानता लाने के लिए वह महिलाओं के प्रति सकारात्मक विभेदीकरण की योजनायें बना सकते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में महिलाओं को विभिन्न विकास सम्बन्धी कार्यक्रमों से सम्बद्ध करके उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति सुधारने में मदद करने के उद्देश्य से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने महिला सशक्तीकरण मिशन के अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए कई योजनायें संचालित कर उनका उत्थान किया है। हब फार इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन-इस योजना का उद्देश्य महिलाओं ने सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों जैसे-घरेलू हिंसा, दहेज, शिक्षा, स्वास्थ्य, अधिकार, जेंडर, यौन हिंसा आदि के संबंध में जागरूकता लाना है। ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के प्रभावी क्रियान्वयन मे सहयोग करना, योजना के संचालन के लिए प्रदेश स्तर पर 8 एवं प्रत्येक जनपद में 07 कार्मिकों का करना प्रमुख हैं। इस योजना की प्रमुख गतिविधियों में महिलाओं की लिए उपलब्ध योजनाओं और सुविधाओं के संबंध में महिलाओं को जानकारी प्रदान करना तथा उनका लाभ प्राप्त करने में सहायता करना है। इस योजना के अन्तर्गत जिला/ब्लॉक स्तर पर सरकारी पदाधिकारियों को संवेदनशील बनाना और उन्हें ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए बनाई गई विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों के बारे में उन्मुख करना, लैंगिक समानता के लिए जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियान आयोजित किया जाता है। बीपीएल सर्वेक्षण, आधार (यूआईडी), मनरेगा, नामांकन जैसे मौजूदा सरकारी तंत्रों के माध्यम से सरकारी कार्यक्रमों में नामांकन हेतु महिलाओं को सहायता प्रदान किया जाता है। शौर्य दल जैसे समूहों में शामिल होने के लिए महिलाओं को एकजुट करना और ग्रामीण स्तर पर मौजूदा समूहों को मजबूत करने में मदद करना आदि प्रमुख कार्य हैं। प्रदेश में यह योजना वित्तीय वर्ष 2022-23 से संचालित है, इस योजना में 2022-23 से 2025-26 तक कुल 51 हजार से अधिक गतिविधियों के माध्यम से 56 लाख से अधिक महिलाओं तथा बालिकाओं को सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया है। सखी निवास-उत्तर प्रदेश में कामकाजी महिलाओं को शहरी-नगरीय क्षेत्रों में सस्ती दरों पर सुरक्षित आश्रय प्रदान किये जाने के उद्देश्य से मिशन शक्ति योजनान्तर्गत राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के जनपद गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, लखनऊ, आगरा, बरेली, मेरठ, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, मऊ, मथुरा एवं बुलन्दशहर में 50-50 की क्षमता के कुल 13 सखी निवास का संचालन किये जाने का प्रावधान किया गया है, जिसमें से जनपद लखनऊ एवं वाराणसी में संचालन प्रारम्भ हो गया है तथा शेष में संचालित किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। कृष्ण-कुटीर-जनपद मथुरा में निराश्रित महिलाओं को आश्रय प्रदान करने के उद्देश्य से 1000 की क्षमता के कृष्ण कुटीर आश्रय सदन, वृन्दावन का संचालन वर्ष 2018-19 से महिला कल्याण निगम के माध्यम से किया जा रहा है। इस आश्रय सदन में निराश्रित महिलाओं को निःशुल्क भरण-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्त्र, बिस्तर आदि की व्यवस्था है। साथ ही आवासित महिलाओं की काउन्सिलिंग कर उनके परिवार/रिश्तेदार के साथ पुनर्वासित कराया जाता है। जनपद मथुरा में निराश्रित महिलाओं हेतु वृन्दावन, जनपद मथुरा में संचालित कृष्ण कुटीर आश्रय सदन में वर्तमान में 386 से अधिक महिलाएं निवासरत हैं। राजकीय महिला शरणालय-महिला कल्याण विभाग के अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु प्रदेश में राजकीय महिला शरणालय-संरक्षण गृह का संचालन किया जा रहा है, जिसमें भारतीय दण्ड संहिता में वांछित साक्ष्य हेतु प्रस्तुत की जाने वाली पीड़ित महिलाओं, घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत पीड़ित महिलाओं, भटकी हुई नैतिक संकट से ग्रसित संरक्षण की आवश्यकता वाली एवं जरूरतमंद महिलाओं को रखे जाने का प्राविधान है।

इन गृहों में महिलाओं को निःशुल्क भरण-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्त्र, बिस्तर, कौशल विकास प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था है। इस योजना के अन्तर्गत वर्तमान में प्रदेश के 08 जनपदों में राजकीय महिला शरणालय, 01 जनपद-यथा आगरा में राजकीय संरक्षण गृह (महिला) तथा 01 जनपद- यथा बरेली में मानसिक रूप से अविकसित महिलाओं के प्रकोष्ठ का संचालन किया जा रहा है। इन शरणालयों में वर्तमान में भिन्न-भिन्न समस्याओं से पीड़ित 248 संवासिनी एवं उनके 24 बच्चे आवासित है।

अप्रैलः ऑटिज़्म जागरूकता माह – डिजिटल युग में बचपन, न्यूरोप्लास्टिसिटी और वर्चुअल ऑटिज़्म की चुनौती

डॉ. इशान्या राज, नैदानिक मनोवैज्ञानिक, प्रयागराज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। अप्रैल माह को विश्वभर में ऑटिज़्म जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। यह केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि

एक गहरी समझ विकसित करने का समय है–खासकर उस दौर में, जहाँ बचपन स्क्रीन की रोशनी में पल रहा है। आज मोबाइल, टैब और तेज़ रील्स ने बच्चों के अनुभव की दुनिया बदल दी है। लेकिन यह बदलाव केवल बाहरी नहीं है–यह उनके मस्तिष्क के भीतर भी गहरे स्तर पर असर डाल रहा है।न्यूरोप्लास्टिसिटीः अनुभव से बनता है मस्तिष्क-न्यूरोप्लास्टिसिटी मस्तिष्क की वह क्षमता है, जिससे वह अनुभवों के अनुसार खुद को बदलता और विकसित करता है। बचपन के शुरुआती वर्ष इस प्रक्रिया के लिए सबसे संवेदनशील होते हैं। जब बच्चा माता-पिता के साथ बातचीत करता है, खेलता है, चेहरे के भाव पढ़ता है–तब उसका मस्तिष्क सामाजिक और भावनात्मक रूप से विकसित होता है। लेकिन जब वही बच्चा अधिक समय स्क्रीन के साथ बिताता है, तो उसका मस्तिष्क तेज़, त्वरित और लगातार उत्तेजना का आदी बन जाता है। वर्चुअल ऑटिज़्मः एक उभरती हुई चिंता-'वर्चुअल ऑटिज़्म' कोई आधिकारिक निदान नहीं है, बल्कि एक क्लिनिकल प्रवृत्ति है, जिसमें अत्यधिक स्क्रीन उपयोग के कारण बच्चे में ऑटिज़्म जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैंः नाम पुकारने पर प्रतिक्रिया कम होना, आँखों से संपर्क में कमी,भाषा विकास में देरी, सामाजिक रुचि में कमी, एक ही व्यवहार को बार-बार दोहराना, महत्वपूर्ण बात यह है कि समय पर हस्तक्षेप से इन लक्षणों में सुधार संभव है। डिजिटल एक्सपोज़र और विकास में देरी-हालिया अध्ययनों में पाया गया है कि: 2 वर्ष से कम आयु में अधिक स्क्रीन उपयोग भाषा विकास को प्रभावित करता है। तेज़ी से बदलते दृश्य और ध्वनि ध्यान अवधि को कम करते हैं।स्क्रीन के माध्यम से सीखना सीमित होता है, क्योंकि वास्तविक सीखना इंटरैक्शन से होता है।

बच्चा स्क्रीन को देखता है, लेकिन दुनिया को महसूस नहीं कर पाता। हालिया शोध क्या कहते हैं-प्रारंभिक हस्तक्षेप (Early Intervention) से बच्चों के सामाजिक और भाषाई कौशल में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। इंटरैक्टिव खेल (Interactive Play) और उत्तरदायी पालन-पोषण (Responsive Parenting) सबसे प्रभावी उपाय हैं। न्यूरोप्लास्टिसिटी के कारण, मस्तिष्क सही अनुभव मिलने पर नए कनेक्शन बना सकता है। एक केस उदाहरण-प्रयागराज में 2.5 वर्ष के एक बच्चे को परामर्श के लिए लाया गया।मुख्य शिकायतें थींः बोलने में देरी,नाम पुकारने पर प्रतिक्रिया न देना,दिन में 4-5 घंटे मोबाइल देखना,सामाजिक संपर्क में कमी, मूल्यांकन में पाया गया कि बच्चे का अधिकांश समय स्क्रीन के साथ बीतता था। हस्तक्षेप योजना-स्क्रीन टाइम पूर्णतः बंद करना,माता-पिता के साथ आमने-सामने संवाद बढ़ाना

खेल आधारित गतिविधियाँ शुरू करना, नियमित दिनचर्या बनाना, लगभग 3 महीनों में बच्चे में स्पष्ट सुधार देखा गया-उसने आँखों से संपर्क बढ़ाया, सरल शब्द बोलना शुरू किया और सामाजिक जुड़ाव में वृद्धि हुई। घर पर अभिभावकों के लिए प्रबंधन तकनीकें,2 वर्ष से कम आयु में स्क्रीन से पूरी तरह बचाव करें

बच्चे से आमने-सामने बात करें और प्रतिक्रिया का इंतज़ार करें, रोज़ाना साथ बैठकर खेलें–सिर्फ खिलौना देना पर्याप्त नहीं हैंदिनचर्या को नियमित और पूर्वानुमेय बनाएं, हर गतिविधि को शब्दों में समझाएँ-छोटे प्रयासों की भी सराहना करें,याद रखें–सबसे प्रभावी थेरेपी घर के वातावरण में ही होती है।

समाज और अभिभावकों के लिए संदेश-हर देर से बोलने वाला बच्चा ऑटिज़्म से प्रभावित नहीं होता, लेकिन हर देरी को नज़रअंदाज़ करना भी उचित नहीं है। डिजिटल दुनिया आसान है,,पर बच्चे का वास्तविक विकास मानवीय जुड़ाव से होता है। निष्कर्ष-अप्रैल का यह महीना हमें याद दिलाता है-कि जागरूकता ही बदलाव की पहली सीढ़ी है। न्यूरोप्लास्टिसिटी हमें उम्मीद देती है कि-सही समय पर सही हस्तक्षेप से बच्चे के विकास की दिशा बदली जा सकती है। हमें स्क्रीन से नहीं, संवाद और संवेदनशीलता से बचपन को संवारना है। (डॉ. इशान्या राज नैदानिक मनोवैज्ञानिक प्रयागराज)

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल-मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (Mukhyamantri YUVA) का शुभारंभ किया गया है। इस योजना का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देना तथा युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। योजना के तहत राज्य में आगामी 10 वर्षों में लगभग 10 लाख सूक्ष्म इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही पहले चरण में 50 हजार नई इकाइयों की स्थापना की योजना बनाई गई है, जिससे बड़े स्तर पर रोजगार सृजन होगा। पात्रता की मुख्य शर्तें- आवेदक उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए, आयु सीमा 21 से 40 वर्ष निर्धारित, न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा 8 उत्तीर्ण, किसी सरकारी प्रशिक्षण योजना या मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों को प्राथमिकता-वित्तीय प्रावधान-अधिकतम रु5 लाख तक की परियोजनाओं पर ऋण उपलब्ध रु5 लाख तक की परियोजनाओं पर 10फीसदी मार्जिन मनी सब्सिडी, 4 वर्षों तक ब्याज सब्सिडी की सुविधा, परियोजना सफल संचालन हेतु बैंक/वित्तीय संस्थाओं से सहयोग, इसके अलावा, सामान्य वर्ग के आवेदकों को 15फीसदी तथा अन्य पिछड़ा वर्ग को 12.5फीसदी और अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 10फीसदी अंशदान अनिवार्य किया गया है। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र, प्रयागराज द्वारा जारी इस प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह योजना युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और राज्य की औद्योगिक प्रगति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अन्तर्गत संस्कृत एवं प्राचीन भाषाओं के साथ अन्य ऐसे विद्वान महानुभाव जिनके पास पाण्डुलिपियों का निजी संग्रह हो कराये उपलब्ध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने मंगलवार को अवगत कराया है कि ज्ञान भारतम् मिशन के अन्तर्गत राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अन्तर्गत जनपद सोनभद्र के गौरवशाली विरासत व इतिहास से सम्बन्धित पाण्डुलिपि का संग्रह किया जाना है। जिसके लिए जनपद सोनभद्र में सर्वेक्षण अभियान चलाया जा रहा है, इस कार्य हेतु जनपद में स्थित निजी संस्थान, संस्कृत पाठशालाएं, मन्दिर, मठ, आश्रम, गुरूकुल, ट्रस्ट आदि के साथ ऐसे निजी संग्रहकर्ता जिसमें पुरोहित धार्माचार्य, ज्योतिषाचार्य, आर्युवेदाचार्य संस्कृत एवं प्राचीन

भाषाओं के साथ अन्य ऐसे विद्वान महानुभाव जिनके पास पाण्डुलिपियों का निजी संग्रह हो से अपेक्षा की जाती है कि 15 अप्रैल, 2026 के सायं 05:00 बजे तक जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, सोनभद्र विकास भवन कक्ष संख्या-57 या जिला सूचना कार्यालय के कक्ष संख्या 32 कलेक्ट्रेट भवन में उपलब्ध कराये।

बी डी बी आर ए सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थान मौजपुर खुर्जा में हुआ बौद्ध धम्म का महाधिवेशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मौजपुर/खुर्जा/बुलंदशहर। बी डी बी आर ए सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्थान मौजपुर - खुर्जा बुलंदशहर

के कृषि इंटर कॉलेज में बौद्ध धम्म महाधिवेशन विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भंते चंदिमा जी महाथेरो विहाराध्यक्ष धम्मा लर्निंग सेंटर सारनाथ, अध्यक्षता मानसिंह गौतम एडवोकेट प्रांतीय अध्यक्ष भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 (पंजीकृत) और संचालन महासभा के प्रांतीय महामंत्री द्वय डॉ अरविन्द कुमार गौतम व साहब सिंह बौद्ध ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में म्यांमार के बौद्ध भिक्षु भदंत नंदा जी, इंग्लैंड के भंते फोंगसांग,व थाईलैंड के भंते पोंगपत कामजा, के अलावा अन्य प्रमुख बौद्ध धर्म गुरुओं में भंते प्रज्ञा रश्मि महाथेरो, अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध विहार नरौरा भंते राहुल बोधि, भंते चंद्र कीर्ति,एच ओ डी सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ, भंते दीपरतन कानपुर, भंते श्रद्धा नंद, भंते सोमानंद संघप्रिय गौतम, इं नाहर सिंह,प्रांतीय संयुक्त मंत्री महेंद्र सिंह दिनकर, जगरोशनी बौद्ध, राधेलाल बौद्ध, अरुणेंदु कुमार गौतम, अतरसिंह सुशील कुमार, सत्य प्रकाश भास्कर अध्यक्ष प्रताप गढ़, के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक एवं रचयिता बुद्ध चरित मानस प्रबंध काव्य और महामंत्री भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 शाखा जनपद अमेठी रामखेलावन वर्मा, उन्नाव, आदि सैकड़ों की संख्या में बौद्ध धर्म के अनुयायी पुरुष महिलाओं की उपस्थिति रही।

देशराज बौद्ध सामाजिक व सांस्कृतिक मंच के तमाम कलाकारों की प्रस्तुतियां बहुत ही सराहनीय रहीं।

डॉक्टर से 12 करोड़ साइबर ठगी, ठगों ने खुद को निवेश विशेषज्ञ बताया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) पुणे। शेयर बाजार में निवेश के नाम पर डॉक्टर से 12 करोड़ 31 लाख रुपये की बड़ी साइबर ठगी कर ली गई। जनवरी महीने में डॉक्टर के मोबाइल पर एक संदेश आया, जिसमें शेयर बाजार में निवेश कर भारी मुनाफा कमाने का दावा किया गया था। ठगों ने खुद को निवेश विशेषज्ञ बताया और धीरे-धीरे डॉक्टर से संपर्क बढ़ाकर उन्हें अलग-अलग निवेश योजनाओं के बारे में समझाना शुरू किया। शुरुआत में भरोसा जीतने के लिए ठगों ने एक फर्जी प्लेटफॉर्म पर मुनाफा दिखाया। डॉक्टर को लगने लगा कि उनका पैसा तेजी से बढ़ रहा है। इसी विश्वास में आकर उन्होंने पिछले तीन महीनों के दौरान अलग-अलग समय पर कुल 12.31 करोड़ रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। जब डॉक्टर ने अपनी रकम निकालने की कोशिश की, तो ठगों ने संपर्क पूरी तरह बंद कर दिया। कोई पैसा वापस नहीं मिला। तब जाकर उन्हें एहसास हुआ कि वे एक बड़े साइबर फ्रॉड का शिकार हो चुके हैं। इसके बाद उन्होंने तुरंत साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। साइबर एक्सपर्ट जय प्रकाश सिंह का विश्लेषण और बचाव-साइबर एक्सपर्ट जय प्रकाश सिंह के अनुसार आजकल सबसे ज्यादा ठगी 'जल्दी पैसा कमाने' और 'गैरंटी मुनाफे' के नाम पर हो रही है।

साइबर अपराधी पहले सोशल मीडिया पर अपनी फर्जी पहचान बनाते हैं, लग्जरी लाइफ दिखाते हैं और लोगों का भरोसा जीतते हैं। इसके बाद वे नकली स्क्रीनशॉट, फर्जी अकाउंट स्टेटमेंट, फोटो और वीडियो दिखाकर यह विश्वास दिलाते हैं कि वे सच में बड़ा पैसा कमा रहे हैं। कई बार फर्जी ऐप या वेबसाइट बनाई जाती है, जिसमें आपका पैसा बढ़ता हुआ दिखाई देता है, लेकिन असल में वह सिर्फ दिखावा होता है। शुरुआत में थोड़ा पैसा वापस करके भरोसा मजबूत किया जाता है। लेकिन जैसे ही आप बड़ी रकम निवेश करते हैं, 'रिस्क मार्जिन', 'टैक्स', 'चार्ज' जैसे बहाने बनाकर बार-बार पैसे मांगे जाते हैं और अंत में संपर्क खत्म कर दिया जाता है। बचाव के लिए जरूरी है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर निवेश न करें। अगर कोई 'गैरंटी रिटर्न' या बहुत ज्यादा मुनाफा देने की बात कर रहा है, तो समझ लें कि यह ठगी है। हमेशा केवल भरोसेमंद और आधिकारिक प्लेटफॉर्म पर ही निवेश करें और निवेश से पहले पूरी जांच जरूर करें। कोई भी सवाल हो तो आप साइबर एक्सपर्ट जब प्रकाश सिंह के मोबाइल नंबर 7007436833 पर संपर्क कर जानकारी ले सकते हैं,आपका एक सवाल आपके लाखों करोड़ों रुपए बचा सकता है लेकिन अगर ठगी हो जाए तो क्या करें-तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें व cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। नजदीकी थाने में लिखित शिकायत दें।सावधान रहें – क्योंकि साइबर ठग सिर्फ आम लोगों को नहीं, बल्कि समझदार और प्रोफेशनल लोगों को भी अपना शिकार बना रहे हैं। इस जानकारी को जरूर शेयर करें ताकि कोई और इस जाल में न फंसे।

भारत ने मुश्किल समय में ट्रक भर-भरकर भेजी थी मदद, अब श्रीलंका ने 30 को रिहा करके यूं चुकाया अहसान!

कोलंबो। मार्च की शुरुआत में श्रीलंका की एक अदालत ने रामेश्वरम के आठ मछुआरों को रिहा करने का आदेश दिया था, जिन्हें 13 जनवरी को आईएमबीएल के कथित उल्लंघन

के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, इसी मामले में दो अन्य को कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई, जबकि सात मछुआरों को स्वदेश वापसी तक एक विशेष शिविर में रखा गया। फरवरी में भी यह मुद्दा चर्चा में आया था, जब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने केंद्र सरकार से श्रीलंकाई अदालतों द्वारा रिहा किए गए भारतीय मछुआरों की वापसी में तेजी लाने का आग्रह किया था। सीएम ने मंडपम और मयिलादुथुराई के 12 मछुआरों को रिहा कराने की मांग की गई थी, जिन्हें 2025 के अंत और 2026 के प्रारंभ के बीच गिरफ्तार किया गया था। इनमें से कुछ को बाद में अदालती आदेशों के बाद नजरबंदी केंद्रों में भेज दिया गया था। समुद्री सीमा पार करने वाले मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय चर्चाओं में अक्सर उठाया जाता है, जिसमें दोनों पक्ष 'मानवीय दृष्टिकोण' की आवश्यकता पर जोर देते हैं और साथ ही वैकल्पिक आजीविका विकल्पों और बेहतर सीमा प्रबंधन तंत्र जैसे दीर्घकालिक समाधानों पर भी विचार करते हैं। भारत ने श्रीलंका की मदद के लिए खोल दिया खजाना-श्रीलंका भेजा पेट्रोल-डीजलः भारत ने ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध के बीच श्रीलंका को 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम उत्पादों की आपातकालीन खेप भेजी थी। जिसमें 20,000 मीट्रिक टन डीजल और 18,000 मीट्रिक टन पेट्रोल शामिल था। इसके लिए उसने शुक्रिया भी कहा था। आर्थिक पैकेज (दिसंबर 2025): भारत ने श्रीलंका के लिए 450 मिलियन डॉलर के एक नए आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी। इसमें 350 मिलियन डॉलर का रियायती ऋण और 100 मिलियन डॉलर की सीधी मदद शामिल है। बजट 2026-27: भारत सरकार ने अपने ताजा बजट में श्रीलंका के लिए वित्तीय सहायता को बढ़ाकर 400 करोड़ रुपये कर दिया, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 33फीसदी ज्यादा है।ऑपरेशन सागर बंधु (2025): दिसंबर 2025 में आए दित्वाह चक्रवात के बाद भारत ने 1100 टन राहत सामग्री भेजी। इसमें दवाएं और चिकित्सा उपकरण शामिल थे। 2022 में श्रीलंका के लिए खड़ा होने वाला पहला देश बना भारत-इससे पहले जब 2022 में श्रीलंका अपने इतिहास के सबसे बुरे आर्थिक संकट से गुजर रहा था तब भारत ने लगभग 4 बिलियन डॉलर (करीब 33,000 करोड़ रुपये) की कुल मदद दी थी। इसमें पेट्रोल, डीजल और खाने-पीने की जरूरी चीजों के लिए क्रेडिट लाइन। श्रीलंका के विदेशी मुद्रा भंडार को सहारा देने के लिए 400 मिलियन डॉलर का सपोर्ट दिया। भारत पहला ऐसा देश था, जिसने श्रीलंका के कर्ज को पुनर्गठित करने के लिए आधिकारिक तौर पर आईएमएफ को आश्वासन दिया, जिससे श्रीलंका को अंतरराष्ट्रीय मदद मिलने का रास्ता साफ हुआ।श्रीलंका भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है? हिंद महासागर में श्रीलंका की रणनीतिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। भारत चाहता है कि श्रीलंका कर्ज के जाल में फंसकर जैसे चीन पर पूरी तरह निर्भर न हो जाए। यही वजह है कि भारत वहां आवास निर्माण (50,000 घर), सौर ऊर्जा परियोजनाएं और बंदरगाहों (जैसे त्रिनकोमाली और कोलंबो पोर्ट) के विकास में निवेश कर रहा है ताकि दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़े। दूसरी ओर, भारत ने श्रीलंका को न केवल नकदी और सामान दिया है, बल्कि उसे दुनिया के सामने एक विश्वसनीय कर्जदार के रूप में फिर से खड़ा करने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सहित पूरे देश के उपभोक्ताओं की बड़ी जीत अंततः उपभोक्ता परिषद की लड़ाई रंग लाई केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने अपनी गलती मानी और अपने आदेश में किया संशोधन 1 अप्रैल 2026 को अधिसूचना जारी अब उपभोक्ताओं के घर पर लगेगा स्मार्ट मीटर प्रीपेड की अनिवार्यता किया समाप्त।

नोएडा के गार्डेनिया ग्लोरी में उमड़ा जनसैलाब, ब्रह्माकुमारीज़ ने दिया 'शांति-मेरा मूल स्वभाव' का संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, सेक्टर-46 सेवा केंद्र द्वारा आज गार्डेनिया ग्लोरी सोसाइटी के क्लब हॉल में एक भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'शांति-मेरा मूल स्वभाव' (Peace - My Nature) विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में स्थानीय निवासियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लिया। वैश्विक अशांति के बीच शांति की खोज - कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए उद्घोषक ने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'आज दुनिया ईरान युद्ध की विभीषिका और तेल की घटती आपूर्ति और बढ़ती कीमतों के आर्थिक तनाव से जूझ रही है। स्वार्थ और नफरत के इस दौर में, जिसमें हर व्यक्ति अनजाने डर और तनाव में जी रहा है, शांति ही एकमात्र समाधान है। ऐसे समय में ब्रह्माकुमारीज़ का यह संदेश कि 'शांति हमारा मूल स्वभाव है', अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है।।' कबीर दास जी के दोहे का संदर्भ देते हुए उन्होंने समझायाः'कस्तूरी कुंडल बसै, मृग ढूँढै बन माहि। ऐसे घट-घट राम है, दुनिया देखै नाहिं।' अर्थात् जिस प्रकार मृग कस्तूरी को बाहर ढूंढता है जबकि वह उसकी नाभि में ही होती है, वैसे ही शांति हमारे भीतर है, बस उसे पहचानने की आवश्यकता है। राजयोग और मानसिक सशक्तिकरण - कार्यक्रम के अगले चरण में बीके राजयोगिनी लीना दीदी ने उपस्थित जनसमूह को 'राजयोग' के अभ्यास द्वारा गहन शांति का अनुभव कराया। इस गाइडेड

मेडिटेशन सत्र के दौरान पूरा हॉल पिन-ड्रॉप साइलेंस में डूब गया और प्रतिभागियों ने स्वयं को मानसिक रूप से तरोताजा और ऊर्जामय महसूस किया।व्यावहारिक कार्यशाला और मार्गदर्शन - मानेसर से पधारीं मुख्य वक्ता बीके येशु बहन ने एक संवादात्मक कार्यशाला (Workshop) का संचालन किया। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को आंतरिक खुशी का अनुभव कराया। उन्होंने कहा, 'जब मन शांत होता है, तो हर समस्या का समाधान स्वतः मिल जाता है।'विशिष्ट अतिथियों का उद्बोधन- मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. अनिता मिश्रा ने संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि व्यक्तिगत परिवर्तन से ही विश्व परिवर्तन संभव है।

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की निदेशक नीतू जैन और रिटायर्ड एयर कमोडोर हरजिंदर सिंह ने भी अपने विचार साझा करते हुए आध्यात्मिक मूल्यों को प्रशासन और जीवन में उतारने की आवश्यकता पर बल दिया, ए के लाल (वरिष्ट पत्रकार) को सम्मानित किया कार्यक्रम का समापन सात्विक भोजन के साथ हुआ। सभी प्रतिभागी एक नए संकल्प के साथ विदा हुएः 'चलो फिर से मुस्कुराना सीखें, अपने दिल को घर बनाना सीखें।शांति की राह पर चलकर, जीवन को सजाना सीखें।'

आप किसी आइडिया को अच्छा या बुरा नहीं बता सकते

पिछले सप्ताहांत, प्योर लीफ नामक एक चाय कंपनी ने न्यूयॉर्क के एक व्यस्त चौराहे पर न्यूयॉर्कवासियों को मुफ्त आइस्ड टी दी। इसे एक व्यस्त चौराहे के बीच रखा गया, जहां लोग वॉक करते हैं और आसपास की नर्म हरी घास में आराम करते हैं।उन्होंने वहां कुछ बड़े छाते लगाए और उनके नीचे सोफा लगा दिए। इस प्रकार गर्मी में कुछ मिनट बैठने के लिए छायादार जगह बन गई। वहीं उन्होंने अपनी वेंडिंग मशीन लगा दी, जो मुफ्त आइस्ड टी पेश कर रही थी। उस क्षेत्र में टहल रहे लोग पहले मुफ्त चाय लेने के लिए बटन दबाने की कोशिश करते। लेकिन इंटरेक्टिव मशीन मना कर देती। मशीन बार-बार कहती कि 'अपना फोन मशीन के बाईं ओर लगे चार्जिंग पैड पर रखें।' लोग बेमन से फोन चार्ज होने के लिए उस पैड पर रख देते। फिर मशीन कहती, 'टी ब्रेक शुरू करने के लिए यहां दबाएं।' विस्मयकारी तरीके से जैसे ही लोग उन शब्दों को दबाते, चार्जिंग पैड का लोहे का दरवाजा तुरंत लॉक हो जाता। फोन भी इसमें अंदर बंद हो जाता। लोग जोर लगा कर दरवाजा खोलने की कोशिश करते, लेकिन असफल रहते। वो चारों ओर देखते कि कुछ लोग चाय की बोतल से चुस्कियां लगाते हुए उनकी ओर मुस्करा रहे हैं। और उसी वक्त मशीन आइस्ड टी की एक बोतल बाहर निकाल देती। लोग बिना इच्छा के बोतल लेते और इस चिंता के साथ सोफे पर बैठ जाते कि उनका फोन कब वापस मिलेगा? जैसे ही एक मिनट बीतता, नौ मिनट पहले अपना फोन चा?र्जिंग पैड पर रखने वाला कोई दूसरा व्यक्ति मशीन के सामने खड़ा होता और दसवें मिनट

पर मशीन खुल जाती। उसका फोन वापस दे देती। व्यक्ति कहता 'वाह, क्या टी ब्रेक था'। आइस्ड टी पीने वाले 78फीसदी लोगों ने सप्ताह के अंतिम दिन फोन से दस मिनट का ब्रेक लेने के बाद बेहतर महसूस किया। और ब्रांड ने इस बात को समझाया कि गैजेट्स से दस मिनट का ब्रेक भी आपको तरोताजा कर सकता है। यह न्यूयॉर्क में हाल ही किया गया एक मार्केटिंग कैम्पेन था, जिसमें वेंडिंग मशीनों का उपयोग करके लोगों को 'वायर्ड' (तकनीकी की) दुनिया से छोटा-सा ब्रेक लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कैम्पेन के संदेश से मेल खाता है कि आराम करने और रिफ्रेश होने के लिए समय निकालना फायदेमंद है। अंततः इस ब्रांड प्रमोशन में इस बात पर जोर दिया गया कि छोटे-से ब्रेक का भी तंदुरुस्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मुझे यह उपाय बेहद कारगर लगा। इसे मैंने अपने कुछ दोस्तों से साझा किया, जो हैदराबाद में ऑफलाइन रीडिंग क्लब चला रहे हैं, ताकि डिजिटल एडिक्ट बच्चों को 'डूम स्क्रॉलिंग' से बचाया जा सके। इसे 'डूम सर्फिंग' भी कहते हैं और यह ऑनलाइन बहुत अधिक समय बिताने से संबंधित है। इस प्रक्रिया में न्यूज फीड और सोशल मीडिया पर लगातार स्क्रॉल किया जाता है। मेरे दोस्त पहले पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना चाहते थे। और वे कुछ लोगों को ऑनलाइन पुस्तकें पढ़ाने में सफल भी रहे। लेकिन पढ़ने के बजाय वो बातचीत करने लग जाते थे। इसलिए फिर वे ऑफलाइन मोड पर आ गए। पिछले सितंबर से वे सभी सदस्य हर रविवार की सुबह एक पार्क में एकत्रित होते हैं। चिड़ियों की चहचहाहट के बीच व्यक्तिगत अध्ययन सत्र उन्हें नई जानकारियों और विचार-प्रक्रिया के साथ अगले सप्ताह के लिए तरोताजा कर देता है। ऐसे क्लब लोगों को कम से कम पढ़ने की आदत तो बनाए हुए हैं और उनकी स्क्रीन देखने की आदत कम कर रहे हैं। ध्यान रखें कि हममें से अधिकतर किसी पुस्तक को केवल सरसरी नजर से देखकर दराज में रख देते हैं। हम उसकी विषयवस्तु को भी भूल जाते हैं। ऐसे में सभी सदस्यों द्वारा एक पुस्तक पढ़ने और हर रविवार उसके विचारों को साझा करने से क्लब सदस्यों को कम से कम 52 पुस्तकों के शीर्षक और उनकी विषयवस्तु तो याद रहेगी। फंडा यह है कि किसी समस्या के समाधान के लिए आए उपाय को कभी भी अच्छे या बुरे में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। इसे सिर्फ ऐसे बांटा सकता है कि यह लागू करने योग्य है अथवा नहीं है। इसलिए हर साधारण से आइडिया पर भी प्रसन्न हों, उसका स्वागत करें।

आशाओं का अम्बर और मोह के धागे

कहीं एक सोनम ने पति की हत्या करवा दी। कहीं इस भर गर्मी में लोग नहाते हुए डूब गए- सेल्फी लेते हुए, कोई मस्ती करते

हुए या एक-दूसरे को बचाते हुए।पीछे छोड़ गए परिजन के लिए दु:खों का पहाड़ या त्रास। यह दु:ख देखकर कभी मन पूछता है कि- ये धरती अति सुंदर किताब है। चांद-सूरज की जिल्द वाली।पर हे! ईश्वर, ये दु:ख, भूख, सहम और गुलामी, ये सब तेरी इबारत हैं या प्रूफ की गलतियां? दूसरी तरफ मई और जून की गर्मी में जब कहीं-कहीं भारी बारिश हुई तो सड़कों, गलियों की हकीकत सामने आ गई।और ये हर बार होता है। हर बारिश में। वर्षों से। कोई सुध नहीं लेता। कोई कुछ करता-धरता नहीं। लोग कह-कहकर थक गए। उनकी अर्जियों को कीड़े चट कर गए, पर वे कभी किसी मंत्री या अफसर या बाबू के टेबल तक नहीं पहुंच सकीं। अमृता प्रीतम ने ठीक ही कहा है कि हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हैं।सड़कें बेतुकी दलीलों की तरह। ष्ठऔर गलियां इस तरह, जैसे कोई एक बात को इधर घसीटे। कोई उधर। इस सब के बीच हर मकान किसी मुट्ठी की तरह भिंचा हुआ लगता है। दीवारें किचकिचाती-सी।और नालियां जैसे मुंह से झाग बहता है! साइकलों, स्कूटरों और कारों के पहिए गालियों की तरह गुजरते हैं और घंटियां, हार्न एक-दूसरे पर झपटते हुए भां-भां करते रहते हैं।रात सिर पटकती हुई आती है और चली जाती है। पर नींद में भी ये बहस खत्म नहीं होती। इसीलिए, हां इसीलिए हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हो चले हैं।पचास-पचास, सौ-सौ साल हो गए, लेकिन शहरों के हालात जस के तस हैं। कहने को बड़े-बड़े ओवर ब्रिज, पुल-पुलिया बना दिए गए हैं, लेकिन इनके नीचे सब कुछ वैसा ही कचरा फैला पड़ा है, जैसे सुंदर कालीन के नीचे गंदगी होती है।कभी किसी उद्योगपति के कहने पर पुल की दिशा मोड़ दी गई तो कभी किसी नेता की कृपा से बेतुका ढांचा बना दिया गया। किसी पुल पर चढ़ सकते हैं तो उतर नहीं सकते।किसी से उतरना इतना दूभर है कि उस पर कोई चढ़ना ही नहीं चाहता। विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं।सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।कह सकते हैं कि राजनीति घुप अंधेरे की तरह है।उसका हाल वैसा ही है, जैसे कोई रात काली चील की तरह उड़ते हुए सूरज को ढूंढने निकली हो! जिस तरह रात को कभी सूरज नहीं मिल पाता, उसी तरह राजनीति का लोगों की भलाई से कोई संगम नहीं हो पाता।एक मशहूर लेखक ने लिखा है कि राजनीति दरअसल, एक क्लासिक फिल्म की तरह होती है। इस फिल्म का हीरो बहुमुखी प्रतिभा का धनी होता है और समय-समय पर बदलता रहता है।हीरोइन सत्ता की कुर्सी है, जो हमेशा एक जैसी रहती है। बदलती नहीं। विभिन्न क्षेत्रों, इलाकों और मंडलों के सदस्य इसके एक्स्ट्रा कलाकार होते हैं।इस फिल्म के फाइनेंसर, गरीब, मजदूर और खेतिहर लोग होते हैं। ये फाइनेंस करते नहीं, इनसे करवाया जाता है।या कह सकते हैं कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता है। विभिन्न विधान मंडल इस फिल्म की इनडोर शूटिंग के स्थान हैं.और मीडिया आउटडोर शूटिंग का साधन। यह फिल्म किसी ने देखी नहीं है क्योंकि इस पर जगह-जगह सेंसर बोर्ड के एम्बार्गो लगे होते हैं।जहां तक आम आदमी का सवाल है, उसे तो सहसा पता ही नहीं है कि उसकी जिंदगी जाने किसके लिए मोह की पूनी कातती फिर रही है? जबकि मोह के तार में न तो आशाओं के अम्बर को लपेटा जा सकता है. और न ही उम्मीदों के सूरज को बांधा जा सकता है।चुनाव और उसकी कवायद के सिवा कोई फिक्र नहीं.विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं। सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

परीक्षा में फेल हुआ है, हार्ट नहीं... जब तक है जान, होंगे इम्तेहान

मेरी डॉगी माया कुछ दिनों से बीमार थी। खाने से मुंह फेर रही थी। कभी खा भी लेती तो एक घंटे बाद उल्टी। जब दो-तीन दिन वो एक कोने में बेजान-सी पड़ी रही तो मैंने सोचा, डॉक्टर को दिखाना चाहिए। गाड़ी में बिठाकर मैं उसे अपने घर के पास वाले जानवरों के अस्पताल

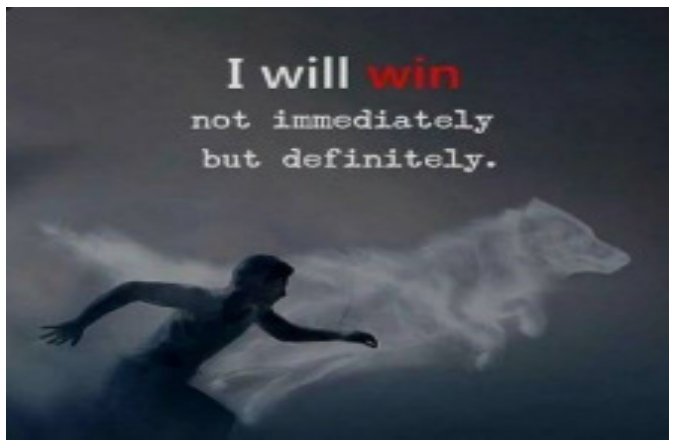

में ले गई। आपको जानकर हैरानी होगी, मुम्बई के महालक्ष्मी में स्थित स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल कोई मनुष्यों के 5 स्टार हॉस्पिटल से कम नहीं। वैसे ये नगर पालिका की जमीन है मगर भव्य बिल्डिंग बनाई है टाटा ट्रस्ट ने। मैनेजमेंट भी उन्हीं का है। हर चीज का स्टैंडर्ड ऊंचा। खैर हमारी माया देवी को इस बात से कोई लेना-देना नहीं। जैसे ही हम कंपाउंड में घुसे, वो भांप गई, ये 'वो' जगह है। अब तो भाई, वो गाड़ी से उतरने को तैयार ही नहीं। तीन स्टाफ आए, मगर बहला-फुसलाकर भी हम उसे बाहर नहीं निकाल पाए। आखिर हार कर मैं वापस घर आ गई। माया के इस व्यवहार के पीछे वजह क्या थी? दस दिन पहले हम उसे इसी अस्पताल में लाए थे, सालाना वैक्सीनेशन के लिए। अब उसके अंदर डर बैठ गया था कि यहां पर इंजेक्शन लगता है। ना बाबा ना, मैं अंदर जाने वाली नहीं। कोई जबर्दस्ती करेगा तो मैं उसे काट लूंगी। भगवान ने हर प्राणी की प्रोग्रामिंग जब की, उसमें एक फीचर डाल दिया। अगर दिमाग मान ले कि फलाना डेंजर जोन है, तो अंदर से आवाज उठती है- भागो! जंगल में इस आवाज का फायदा है, क्योंकि शायद आपकी अंतर्प्रेरणा सही कह रही है। सौ मीटर दूर शेर खड़ा है, आपकी जान खतरे में है। अब हम जंगल में नहीं रहते, हर पेड़ के पीछे खतरा नहीं। लेकिन प्रोग्रामिंग वही है। माया को इंजेक्शन का डर है, यानी कि दर्द से। वैसे जब भी ब्लड टेस्ट होता है, मैं भी आंखें मूंद लेती हूं। सुई का डर मेरे अंदर कब, कैसे और कहां पैदा हुआ, उसके पीछे एक कहानी है। बचपन में हम एक सरकारी डिस्पेंसरी में जाते थे। वहां एक नर्स थीं, सिस्टर जॉर्ज। ब्लड टेस्ट लेने का काम सिस्टर जॉर्ज का था। उन दिनों सुई मोटी होती थी, और उनकी अंगुलियां भी। बंबइया हिन्दी में सिस्टर जॉर्ज का फेवरेट डायलॉग था- 'ऐ, इरने का नहीं...' फिर मेरी पतली-सी बांह उनके ताकतवर हाथों की पकड़ में, और सुई निशाने की ओर। ब्रह्मोस मिसाइल जितनी एक्यूरेसी नहीं थी सिस्टर जॉर्ज की सुई में। एक बार में सही नस नहीं मिलती थी, तो दोबारा सुई चुभातीं। सिस्टर के सांवले चेहरे पर सफेद दांतों वाली मुस्कान और ट्यूब में भरता हुआ लाल खून... यह सीन कुछ ऐसा था कि मुझे वहीं चक्कर आने लगता, एक बार तो मैं बेहोश तक हो गई। तो बस, सिस्टर जॉर्ज की बदौलत मेरे अंदर एक डर-सा बैठ गया। साल बीत गए। एक दिन मजबूरी में जब ब्लड टेस्ट किया तो मुट्ठी-आंखें बंद। मैंने टेक्नीशियन को पूछा, कितना टाइम लगेगा? वो हंस के बोला, मैडम हो गया। सुई कब अंदर गई, कब निकली, पता ही नहीं चला। दर्द का पहाड़ सिर्फ मेरे मन में था, और ऐसे कितने ही काल्पनिक पहाड़ हम अपने अंदर बसा लेते हैं।किसी को मैथ्स से डर लगता है, किसी को ऊंचाई से। वो कब, कहां, कैसे आपके अंदर आया, थोड़ा चिंतन कीजिए। हो सकता है किसी टीचर ने डांटा हो, गलत जवाब देने पर। आपके नन्हे-से दिल पर चोट ऐसी पहुंची कि फिर हाथ उठाने की हिम्मत नहीं हुई। बीस साल बीत गए लेकिन आज भी मीटिंग में आप अपनी राय देने से कतराते हैं। क्योंकि मन में आशंका है- मैंने कुछ गलत कह दिया तो? डर को जड़ से निकाल फेंकना मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं। सबसे पहले आप एक कागज पर लिख डालिए- ऐसी कौन सी चीज है, जिससे मुझे डर लगता है। 99 प्रतिशत चांस हैं कि आप लिखेंगे- फियर ऑफ फेल्योर। चलो, एक क्षण के लिए हम मान लें, आपने कोई एग्जाम दिया और फेल हो गए। घर पर लोग नाराज होंगे, दोस्त चर्चा करेंगे। लेकिन एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट फेल नहीं। जब तक हैं जान, होंगे इम्तेहान। डर के आगे जीत है, यही दुनिया की रीत है। ललकारो उसे, सामने लाओ। हिम्मत करो, डर भगाओ। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

हमारे शहर की 'एनटीई' जल्द ही हमारे जीने का तरीका बदल देगी

पूरी दुनिया में आमतौर पर सिर्फ दिन के वक्त को ध्यान में रखकर शहरों को डिजायन किया गया है। लेकिन जब इन शहरों को बेहतर कुशलता से चलाने के लिए अधिक पैसे की जरूरत पड़ी तो उन्होंने पाया कि शाम 6 बजे से लेकर सुबह के 6 बजे तक

के समय में बड़ी मात्रा में धन छिपा है। इसे लोकप्रिय रूप में 'नाइट टाइम इकोनॉमी' (एनटीई) के नाम से जाना जाता है।हालांकि, कई जगहों पर 24 घंटे का शहर थोड़ा बदनाम है, लेकिन कई शहरों ने समझा है कि एनटीई विकास के क्षेत्रों का वास्तविक चालक हो सकता है। कम से कम उन चुनिंदा स्थानों के लिए, जहां स्थानीय लोग और आगंतुक बार-बार आते जाते हैं। न्यूयॉर्क, लंदन और बर्लिन जैसे कई वैश्विक महानगरों ने इस विचार का अनुसरण किया, लेकिन एम्स्टर्डम इस क्षेत्र का अग्रणी है। मैं अचानक इस बारे में बात क्यों कर रहा हूं? दरअसल हैदराबाद जल्द ही 24 घंटे की अर्थव्यवस्था को अपनाने वाला भारत का पहला शहर बनने जा रहा है। राज्य सरकार समग्र एनटीई नीति को अंतिम रूप दे रही है, जिसका उद्देश्य सूर्यास्त के बाद शहर की पूर्ण आर्थिक क्षमता का उपयोग करना है। इसे लोकप्रिय रूप में 'नाइट टाइम इकोनॉमी' (एनटीई) के नाम से जाना जाता है।हालांकि, कई जगहों पर 24 घंटे का शहर थोड़ा बदनाम है, लेकिन कई शहरों ने समझा है कि एनटीई विकास के क्षेत्रों का वास्तविक चालक हो सकता है। कम से कम उन चुनिंदा स्थानों के लिए, जहां स्थानीय लोग और आगंतुक बार-बार आते जाते हैं। न्यूयॉर्क, लंदन और बर्लिन जैसे कई वैश्विक महानगरों ने इस विचार का अनुसरण किया, लेकिन एम्स्टर्डम इस क्षेत्र का अग्रणी है। मैं अचानक इस विचार करना होता है। एनटीई को गलत ना समझें: एम्स्टर्डम की इनटीई सिर्फ क्लबर्स के लिए ही नहीं है। साधारण क्लब्स तो इसमें तब तक प्रवेश नहीं कर सकते, जब? तक कि वे अन्तरराष्ट्रीय आगंतुकों को किसी सभ्य स्थान पर आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखा प्रदान ना करें। ऐसे कड़े कायदों और नियंत्रण के कारण ही एम्स्टर्डम ने एम्स्टेल नदी के किनारे सांस्कृतिक रूपरेखा तैयार की है और एनटीई को सफल बनाया है। हालांकि रात्रिकालीन गतिविधियां मनोरंजन संबंधी तस्वीर पेश करती हैं, यहां तक कि भारतीयों में भी, लेकिन हैदाराबाद की यह पहल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, आईटी सर्विस, खुदरा और पर्यटन जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। नीति तैयार कर रहे जानकार मानते हैं कि यह शहरी अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव की तस्वीर दिखाती है।एनटीई के आर्थिक प्रभावः वर्ल्ड सिटीज कल्चर फोरम के अनुसार एम्स्टर्डम में 500 रात्रिकालीन प्रतिष्ठानों ने 5 हजार रोजगार दिए। 15 लाख विजिटर आए, जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था में सालाना 1.25 अरब यूरो का योगदान दिया। लंदन ने 13 लाख रात्रिकालीन रोजगार पैदा किए। वर्तमान में हैदराबाद एनटीई का कारोबार 8500 करोड़ रु. है, जो 2032 तक तीन गुना होकर अनुमानतः 26,011 करोड़ पहुंच सकता है। इससे रोजगार भी बढ़ेंगे। हैदराबाद ने ये शुरू किया है तो इसे मुम्बई, दिल्ली पहुंचने में वक्त नहीं लगेगा। इंदौर, अहमदाबाद जैसे टियर-2 शहर भी हाथ पर हाथ रखकर बैठने वाले नहीं है। फंडा यह है कि हम सभी को इस उभरते हुए विचार में सहभागिता निभानी चाहिए, क्योंकि यह भविष्य में हमारे जीने के तरीके को बदलने जा रहा है।

जहां नैतिक कहानियां होगीं, वहां 'इंटेग्रिटी फी?' की जरूरत नहीं

कई दशक पहले, मैं और मेरा कजिन किसी के पेड़ से ढेर सारे जामुन लेकर घर पहुंचे। हमारे नाना (जो कि तहसीलदार

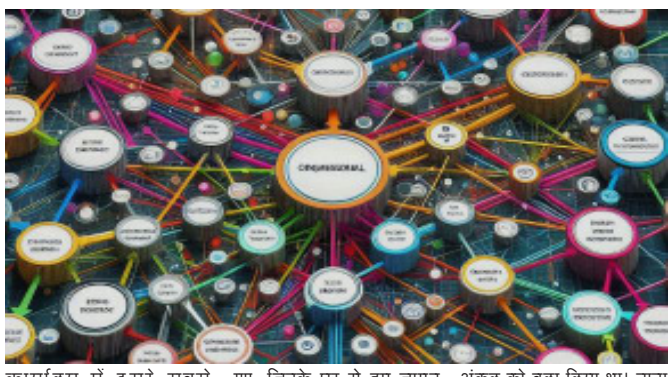

कार्यालय में दूसरे सबसे ताकतवर व्यक्ति थे) दरवाजे पर बैठे थे और उन्होंने पूछा, तुम्हारे हाथों में क्या है? फिर उन्होंने हमसे वो जामुन अपने पास रखवा दिए और अंदर जाकर पहले खाना खाने को कहा। अगले 15 मिनट में हम नहाए क्योंकि पेड़ पर चढ़ने के कारण हमारे कपड़े गंदे हो गए थे, खाना खाया और लौट आए। हम उन अंकल को देखकर चौंक गए, जिनके घर से हम जामुन लाए थे। वे हमारे नाना के साथ बैठकर बातें कर रहे थे। हमें लगा वो हमारे बारे में शिकायत कर रहे हैं, इसलिए हम दोनों में से किसी ने बाहर जाने की हिम्मत नहीं की। यह भांपकर कि हम छिपे हुए हैं, नाना ने हमें बुलाया और हम सिर झुकाए बाहर चले आए। वहां से गुजर रहे एक डाकिए को कहकर नाना ने उन अंकल को बुला लिया था। नाना जानते थे कि जामुन का पेड़ उनके घर में है। हमने नमस्ते किया। अंकल ने भी हमारा अभिवादन स्वीकार किया। वे उठे, हमारे सिर को सहलाया और बिना कुछ कहे बाहर चले गए। हमने राहत की सांस ली। तब नाना ने हमें एक मेहनती, लेकिन गरीब लकड़हारे की कहानी सुनाई। लकड़हारा एक नदी किनारे पेड़ काट रहा था। उसकी कुल्हाड़ी उसके हाथ से छूटकर पानी में गिर गई। वह बहुत परेशान था, क्योंकि वही उसकी आजीविका का एकमात्र साधन था। उसकी निराशा भरी पुकार सुनकर एक देवी प्रकट हुईं और पूछा कि उसे क्या चाहिए। उसने कोई दौलत मांगने के बजाय बताया कि उसने अपनी कुल्हाड़ी खो दी है। उसकी ईमानदारी देखकर देवी ने मदद की पेशकश की। सबसे पहले उसे एक चमचमाती सोने की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने पूछा, क्या यह तुम्हारी है? लकड़हारे ने कुल्हाड़ी की सुंदरता और कीमत के बावजूद जवाब दिया, नहीं। दूसरी बार उसे चांदी की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने वही सवाल पूछा। लकड़हारे ने अपनी ईमानदारी पर अडिग रहते हुए फिर से मना कर दिया। देवी बेहद प्रभावित हुईं और आखिरकार लकड़हारे को उसकी असली लोहे की कुल्हाड़ी वापस लौटा दी, जिसे लकड़हारे ने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया। लेकिन देवी ने उसे सोने और चांदी की दोनों कुल्हाड़ियां देकर भी पुरस्कृत किया। लकड़हारा न केवल धन-संपत्ति, बल्कि ईमानदारी के गुण से भी समृद्ध होकर घर लौटा। नाना ने उन जामुनों के बारे में हमसे कभी बात नहीं की। लेकिन वो कहानी आज भी हमारे जेहन में ताजा है। आज आप किसी भी बच्चे के पास जाकर कहें, 'मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं' और शुरू करें- 'एक था राजा और एक थी रानी' तो वो तुरंत कहेगा, 'दोनों मर गए, खतम कहानी', और भाग जाएगा। लेकिन हमारे जमाने में रोज ही कोई न कोई कहानी सुनाई जाती थी और उसकी शुरुआत हमेशा उसी पहले वाक्य से होती थी। लेकिन दूसरा वाक्य हमेशा ही 'पीछे की बदल गई पूरी

कहानी' हुआ करता था। हमने किस दिन कैसा व्यवहार किया है, इसी के आधार पर हमारे बड़े हमें कोई न कोई कहानी सुनाते थे। शनिवार को हम दोनों कजिन्स को यह कहानी याद आई और हम हंस पड़े क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी प्रशासन ने शुक्रवार को जनवरी 2026 से प्रभावी होने जा रहा 250 डॉलर (21,450 रुपए) का वीज़ा इंटेग्रिटी शुल्क लगा दिया है। कुछ लोगों का कहना है कि यह शुल्क केवल कुछ शर्तों पर ही वापस किया जा सकता है, जिसमें वीज़ा की शर्तों का पूरा पालन और वीज़ा की समाप्ति के पांच दिनों के भीतर प्रस्थान शामिल है। याद रखें, यह हर आवेदक से उसके अच्छे व्यवहार के लिए सुरक्षा जमा राशि जमा करने के लिए कहने जैसा है। मुझे यह सोचकर डर लग रहा है कि क्या रेलवे और अस्पताल भी कल से रिफंडेबल इंटेग्रिटी शुल्क तो नहीं मांगने लगेंगे? फंडा यह है कि हम अपनी महान नैतिक कहानियों को खत्म न होने दें। दूसरा वाक्य बदलें और अपने बच्चों को उनके जीवन के पहले 13 वर्षों तक हर रोज सोने से पहले नई, कल्पनाशील कहानियां सुनाएं, ताकि एक हाई इंटेग्रिटी वाली नई दुनिया उभरे और सरकारें इंटेग्रिटी फीस लगाने की हिम्मत न करें।

सील टीम-6 ने पहाड़ों से अमेरिकी पायलट को ढूंढ कर बचाया,लादेन को मारने वाली यही यूनिट थी

वॉशिंगटन डीसी। ऊपर अमेरिकी फाइटर जेट्स निगरानी कर रहे थे, जबकि जमीन पर कमांडो आगे बढ़ रहे थे।अमेरिकी नेवी की स्पेशल यूनिट 'सील' टीम-6 ने ऑपरेशन शुरू किया। जब कमांडो अफसर तक पहुंचे, तब ईरानी सेना बेहद करीब थी। ऐसे में भारी गोलीबारी कर दुश्मन को पीछे धकेला गया। इसके बाद ट्रांसपोर्ट विमान फायरिंग के बीच उतरे और घायल अफसर को बाहर निकाला गया। ऑपरेशन के बीच इस्फाहन के पास तकनीकी खराबी के कारण दो अमेरिकी ट्रांसपोर्ट विमान काम नहीं कर पाए। इन विमानों को मौके पर ही विस्फोट से नष्ट कर दिया गया, ताकि कोई संवेदनशील तकनीक दुश्मन के हाथ न लगे। इस मिशन की तुलना 2011 में पाकिस्तान के एबटाबाद में हुए ऑपरेशन से की जा रही है, जब ओसामा बिन लादेन को मार गिराया गया था। तब भी अमेरिकी कमांडो ने खराब हेलीकॉप्टर को नष्ट कर दिया था। ईरान में रेस्क्यू का यह मिशन एबटाबाद ऑपरेशन से ज्यादा बड़ा था। उसमें 24 सील कमांडो दो स्टेल्थ ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टरों में पाकिस्तान के अंदर घुसे थे। लेकिन इसमें सैकड़ों स्पेशल फोर्स सैनिक, दर्जनों लड़ाकू विमान और हेलिकॉप्टर, साइबर और स्पेस टेक्नोलॉजी। सब एक ही मिशन के लिए जुटे थे। ईरान के अंदर, इस्फहान के पास एक छोड़े गए एयरस्ट्रिप पर फॉरवर्ड रिफ्यूलिंग पॉइंट बनाया गया। दो एमसी-130c कमांडो विमान और एमएच-6 हेलिकॉप्टर वहां उतरे। लेकिन दोनों ट्रांसपोर्ट विमान वहीं फंस गए और उड़ नहीं पाए। नए विमान बुलाए गए। वे गोलाबारी के बीच पहुंचे। आखिरकार, सील टीम 6 ने एयरमैन को ढूंढ लिया। मिशन कामयाब- एक भी अमेरिकी सैनिक नहीं मरा-अब जरा सी भी गलती की गुंजाइश नहीं थी। ईरानी फोर्स पास पहुंच रही थी। कमांडो ने फायरिंग कर उन्हें रोका। ऊपर से हवाई हमले कर दुश्मन के काफिलों को निशाना बनाया गया। घायल एयरमैन को पहाड़ों से निकालकर विमान में बैठाया गया, साथ ही फंसी हुई रेस्क्यू टीम को भी। तीन नए ट्रांसपोर्ट विमान उन्हें लेकर ईरान से बाहर निकले। इस मिशन में अमेरिका का कोई सैनिक नहीं मरा। ईरान में ऑपरेशन नाकाम, फिर बनी सीगल टीम-6-1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद तेहरान में अमेरिकी दूतावास पर कब्जा हो गया। इस दौरान 52 अमेरिकी बंधक बना लिए गए। इन्हें छुड़ाने के लिए अमेरिका ने अप्रैल 1980 में एक मिशन ऑपरेशन ईगल क्लॉ लॉन्च किया। ईरान के रेगिस्तान में तकनीकी खराबी, मौसम और कोऑर्डिनेशन फेल होने से यह मिशन असफल हो गया। इसमें 8 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। तब अमेरिका को एहसास हुआ कि उसके पास ऐसा यूनिट नहीं है जो हाई-रिस्क काउंटर-टेरर ऑपरेशन में हॉस्टेज रेस्क्यू और दुश्मन के इलाके में सीक्रेट मिशन को पूरी क्षमता से कर सके। इस नाकामी के तुरंत बाद अमेरिकी नेवी ने सील टीम-6 बनाया। इसका असली नाम नेवेल स्पेशल वारफेयर डेवलपमेंट ग्रुप है। इसका कोड नेम ऊ्न्डेिळ है। यह डेवलपमेंट और ग्रुप से मिलकर बनाया गया है। इससे पहले रेगुलर स्पेशल ऑपरेशन के लिए सील टीम-1 और सील टीम- 2 थी। लेकिन सबसे सीक्रेट मिशन को पूरा करने के लिए सील टीम-6 बनाई गई। तब टीम-6 नाम जानबूझकर रखा गया था ताकि सोवियत यूनियन को लगे कि अमेरिका के पास कई सील टीमें हैं। सील टीम 6 को इस तरह तैयार किया जाता है कि वे जमीन, समुद्र और हवा तीनों जगह ऑपरेशन कर सकें। रात, खराब मौसम, दुश्मन के इलाके हर हालत में काम करें और बिना पहचान के सीक्रेट मिशन पूरा करें। जैसे अमेरिकी सेना की डेल्टा फोर्स है, वैसे ही नेवी की सील टीम-6 है। दोनों टायर-1 यूनिट हैं। फर्क ऑपरेटिंग डोमेन का है–डेल्टा फोर्स जमीन आधारित और सील टीम-6 समुद्र व मल्टी डोमेन ऑपरेशन के लिए है। दुनिया में सबसे कठिन एंट्री टेस्ट-सील टीम 6 में शामिल होना दुनिया की सबसे कठिन चयन प्रक्रियाओं में है। इसमें सीधे भर्ती नहीं होती। पहले नेवी सील बनना पड़ता है, फिर कई साल के अनुभव के बाद चुनिंदा कमांडोज को आगे बुलाया जाता है। इसके बाद ग्रीन टीम नाम की एक कड़ी चयन और ट्रेनिंग प्रक्रिया होती है। यही वह आखिरी चरण होता है, जहां से फाइनल चयन किया जाता है। इस दौरान सैनिकों को बेहद कठिन शारीरिक और मानसिक परीक्षणों से गुजरना पड़ता है। इसमें लंबी दूरी की दौड़, भारी वजन के साथ मार्च, खुले पानी में तैराकी और नींद की कमी के बीच लगातार काम करना शामिल होता है। अकेले मैप और कंपास के सहारे कठिन इलाकों में रास्ता खोजने जैसे टास्क भी दिए जाते हैं। सबसे अहम हिस्सा मानसिक परीक्षण होता है, जिसमें दबाव में सही फैसला लेना, टीम के साथ तालमेल बैठाना और लंबे समय तक तनाव में काम करने की क्षमता को परखा जाता है। इस चरण में बड़ी संख्या में उम्मीदवार बाहर हो जाते हैं। जो चयन पार कर लेते हैं, उनके लिए असली ट्रेनिंग शुरू होती है। यह पूरी तरह हाई-रिस्क मिशन पर केंद्रित होती है। उन्हें सिखाया जाता है कि किसी बिल्डिंग में घुसकर सेकंडों में दुश्मन और बंधक में फर्क कैसे करना है। शूटिंग इतनी सटीक होती है कि गलती की गुंजाइश नहीं रहती। बंधक छुड़ाने के सीनारियो बार-बार अभ्यास कराए जाते हैं, ताकि असली ऑपरेशन में कोई हिचकिचाहट न हो। इसके अलावा, चुपचाप घुसपैठ, रात में ऑपरेशन, हवा से पैराशूट जंप और पानी के रास्ते एंट्री जैसी तकनीकों पर भी महारत दी जाती है। सब कुछ असली मिशन जैसा बनाकर बार-बार कराया जाता है।

दावा- एपस्टीन और अनिल अंबानी के बीच सैकड़ों मैसेज-ईमेल हुए,नियुक्ति-विदेश नीति से जुड़ी जानकारियां दीं

न्यूयॉर्क। अमेरिका के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने 2017 में उद्योगपति अनिल अंबानी के सामने खुद को डोनाल्ड ट्रम्प के पहले कार्यकाल के व्हाइट हाउस के 'इनसाइडर' की तरह पेश किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों के बीच दो साल तक सैकड़ों मैसेज और ईमेल हुए। इनमें एपस्टीन ने ट्रम्प प्रशासन की नियुक्ति व विदेश नीति से जुड़ी जानकारियां साझा कीं, जो बाद में सही भी निकलीं। हालांकि, इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि एपस्टीन की व्हाइट हाउस तक सीधी पहुंच थी। मैसेज में अनिल अंबानी ने एपस्टीन को लिखा था- 'भारत के रिश्ते और रक्षा सहयोग के लिए व्हाइट हाउस से डील करने में आपकी गाइडेंस चाहिए।' जवाब में एपस्टीन ने 'इनसाइड' जानकारी देने का वादा किया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से जारी मैसेज के रीव्यू के आधार पर बताया कि अनिल अंबानी और एपस्टीन के बीच बातचीत सिग्नल और टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर होती थी, जहां अंबानी 'अरमानी ए' नाम से सक्रिय थे। यह संपर्क उस दौर का है, जब एपस्टीन नाबालिगों से जुड़े अपराधों में जेल की सजा काट चुका था। इनका परिचय दुबई की कंपनी डीपी वर्ल्ड के चेयरमैन सुल्तान अहमद बिन सुलायेम ने कराया था। एपस्टीन ने जब दीपक चोपड़ा से अंबानी के बारे में राय मांगी, तो चोपड़ा ने उन्हें 'बेहद अमीर, चर्चा में रहने का शौकीन और सेलेब्स के प्रति सजग' व्यक्ति बताया था। मैसेज में एपस्टीन खुद को असरदार पावर ब्रोकर के रूप में पेश करता दिखा। मार्च 2017 में अनिल अंबानी ने एपस्टीन से पूर्व सीआईए डायरेक्टर डेविड पेट्रेयस के भारत में अमेरिकी राजदूत बनने की संभावना पूछी थी।एपस्टीन ने जवाब दिया था- वे प्राथमिकता में नहीं हैं। बाद में केनेथ जस्टर राजदूत बने। जुलाई 2017 में एपस्टीन ने यह 'इनसाइड' जानकारी भी दी कि जॉन बोल्टन नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) होंगे। हालांकि, तब ट्रम्प ने मौजूदा एनएसए मैकमास्टर का बचाव किया था। हालांकि, 8 महीने बाद एपस्टीन की बात सच साबित हुई और बोल्टन ने ही पद संभाला। एपस्टीन ने अनिल अंबानी को ट्रम्प के बेहद करीबी लोगों, जैसे स्टीफन बैनन और थॉमस बैरक जूनियर से मिलवाने का प्रस्ताव दिया था। बैरक उस वक्त ट्रम्प की इनॉगरेशन कमेटी के अध्यक्ष थे। एपस्टीन ने दिग्गजों को यह भरोसा दिलाया कि अंबानी से जुड़ना उनके लिए फायदेमंद होगा। वहीं, अनिल अंबानी ने खुद को भारत में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली बताते हुए मैसेज लिखा कि 'लीडरशिप' चाहती है कि एपस्टीन उनकी मुलाकात जेरेड कुश्नर और बैनन से कराने में मदद करे। अनिल अंबानी की अमेरिकी डिफेंस पॉलिसी में दिलचस्पी की वजह यह भी बताई गई है कि 2016 में उन्हें राफेल के पार्ट्स से जुड़ी डील मिली थी। उस वक्त आलोचकों ने भारत सरकार पर अंबानी को फायदा पहुंचाने के आरोप लगाए थे, जिन्हें सरकार ने खारिज किया था। अंबानी ने लिखा था कि भारत के लिए अमेरिकी राजदूत का चयन उनके लिए बेहद 'अहम' है। वे चाहते थे कि पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों से निपटने के लिए इस पद पर कोई 'मजबूत' व्यक्ति आए। रिपोर्ट के मुताबिक संदेशों से स्पष्ट है कि अनिल अंबानी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पैठ मजबूत करना चाहते थे। उन्होंने खुद को अटलांटिक काउंसिल के एडवाइजरी बोर्ड में 'इकलौते भारतीय' के रूप में पेश किया। वहीं, एपस्टीन ने उन्हें कार्नेगी एंडोमेंट के विलियम जे. बर्न्स और थॉमस जे. प्रिट्जकर जैसे प्रभावशाली वैश्विक दिग्गजों से मिलवाने का वादा किया। एपस्टीन ने अंबानी को अपने घर डिनर पर बुलाकर बड़े राजनेताओं से नेटवर्किंग का मौका भी दिया। अनिल अंबानी-एपस्टीन के बीच से पैसों के लेनदेन का भी जिक्र-2019 में जब अनिल अंबानी की कंपनियों पर आर्थिक संकट गहराया और उन्हें कर्ज चुकाने के लिए भाई मुकेश अंबानी की मदद लेनी पड़ी, तब एपस्टीन उन्हें मानसिक रूप से मजबूत रहने की सलाह दे रहा था। हालांकि, एपस्टीन ने संदेशों में लिखा कि उसे पैसे की जरूरत नहीं है, लेकिन एक ईमेल में 'ट्रांजैक्शन डन' का जिक्र मिला। रिपोर्ट के अनुसार, 23 मई 2019 को भारत में चुनावी नतीजों के दिन अनिल अंबानी न्यूयॉर्क में एपस्टीन के घर गए थे। इसके कुछ ही हफ्तों बाद एपस्टीन को नाबालिगों की यौन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

ट्रम्प फिर बोले-मेरा बस चले तो ईरानी तेल कब्जा लूं और खूब पैसा कमाऊ

वॉशिंगटनडीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि अगर उनके पास मौका होता तो वे ईरान के तेल पर कब्जा कर लेते और खूब पैसा कमाते। ट्रम्प कुछ दिन पहले भी ईरानी तेल पर कब्जा करने की बात कह चुके हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के लोग आजादी चाहते हैं और वहां के हालात ऐसे हैं कि लोग बदलाव देखना चाहते हैं। हालांकि ट्रम्प ने यह भी माना कि अमेरिका के लोग अब युद्ध से थक चुके हैं और चाहते हैं कि सैनिकों को वापस घर बुलाया जाए। वहीं ईरान ने अमेरिका की तरफ से आए नए सीजफायर प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ईरान की सरकारी एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, तेहरान ने कहा है कि वह अस्थायी युद्धविराम नहीं, बल्कि युद्ध का पूरी तरह और हमेशा के लिए खात्मा चाहता है। ट्रम्प ने ईरान जंग पर सोमवार रात 10.30 बजे (भारतीय समय के मुताबिक) प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका की जंग अच्छी चल रही है। अमेरिका चाहे तो पूरे ईरान को एक रात में खत्म कर सकता है। जरूरत पड़ी तो वह रात कल भी हो सकती है। ट्रम्प ने ईरान में फंसे अमेरिकी पायलट को बचाने वाले ऑपरेशन को 'ऐतिहासिक' बताया। उन्होंने कहा, 'मैंने अमेरिकी सेना को आदेश दिया था कि हमारे बहादुर सैनिकों को सुरक्षित घर लाने के लिए जो भी जरूरी हो, वह किया जाए।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत जोखिम भरा फैसला था, क्योंकि हमने 1-2 पायलट को निकालने के लिए 100 जान को दांव पर लगा दिया था। ट्रम्प ने इसे हाल के दशकों में सबसे खतरनाक ऑपरेशनों में से एक बताया।

केरलम में टफ फाइट,कांग्रेस + को 70-80 सीटों के आसार

लेफ्ट को मिल सकती हैं 60 से 70 सीटें, बीजेपी 3 से 5 सीटों पर आगे

तिरुवनंतपुरम। केरलम में 9 अप्रैल को 140 सीटों पर वोटिंग है। यहां एलडीएफ और यूडीएफ के बीच नेक टू नेक फाइट है। यूडीएफ को

70 से 80 और एलडीएफ को 60 से 70 सीटें मिल सकती हैं। बीजेपी को 3 से 5 सीटें मिलने के आसार हैं। केरलम में वोटिंग से पहले दैनिक भास्कर ने लोगों, एक्सपर्ट और पॉलिटिकल पार्टियों से बात कर हवा का रूख जाना। ये 4 बातें समझ आईं-1. पिनराई विजयन 10 साल से सीएम हैं। उनके खिलाफ एंटी-इनकम्बेंसी है।2. सीपीएम में सीएम विजयन के बाद सेकेंड लाइन लीडरशिप की कमी है। कई लीडर बीजेपी -कांग्रेस में शामिल हो गए। कैडर नाराज है। पार्टी लीडर्स का मानना है कि अगर मंत्री रहीं केके शैलजा को कमान मिलती, तो सत्ता में वापसी मुमकिन थी। 3. कांग्रेस सीएम फेस पर खींचतान में फंसी रही। पार्टी राहुल गांधी के नाम पर चुनाव लड़ रही है और क्रिश्चियन-मुस्लिम के सहारे है। सबरीमाला मुद्दे पर भी सरकार को घेरकर हिंदू वोट बैंक में सेंध लगा रही है।4. बीजेपी लोकल बॉडी इलेक्शन में जीत के बाद भी 20 से 25 सीटों पर ही फाइट दे रही है। वोट शेयर बढ़ने और सिंगल डिजिट में सीट आने से ज्यादा की उम्मीद नहीं है। तिरुवनंतपुरम, पलक्कड़, कासरगोड और त्रिशूर में पार्टी जीत सकती है। लोग बोले- सीएम से खुश नहीं, उन्होंने सिर्फ केंद्र सरकार की स्कीम के नाम बदले-कोच्चि में एक चर्च के बाहर मिले जैकब कहते हैं, 'लोग विजयन सरकार से खुश नहीं हैं, लेकिन कांग्रेस इसका ज्यादा फायदा नहीं उठा पाई। वे आपस में लड़ते रहे।' एर्नाकुलम के श्रीजेत कहते हैं 'विजयन ने सिर्फ मोदी की स्कीम्स के नाम बदले हैं और कुछ नहीं किया। यहां हाईवे भी केंद्र सरकार ने बनवाए हैं।' 46 लाख कुडुंबश्री एलडीएफ की सबसे बड़ी ताकत-50 साल की सुनिता तिरुवनंतपुरम में कैंटीन चलाती हैं। वे सरकार की योजना कुडुंबश्री से जुड़ी हैं। इस योजना में राज्य की 46 लाख महिलाएं शामिल हैं और विजयन सरकार की सबसे बड़ी ताकत हैं। सुनिता कहती हैं, 'इस बार बीजेपी अच्छी फाइट में है। तिरुवनंतपुरम में तीन सीटों पर मजबूत है। हालांकि, कुडुंबश्री की महिलाएं एलडीएफ को ही वोट देंगी।' तिरुवनंतपुरम के सीनियर जर्नलिस्ट अजय कुमार बताते हैं कि कुडुंबश्री की शुरुआत के बाद ज्यादातर एलडीएफ की सरकार रही है। उसने समय-समय पर फंड भी बढ़ाया है। ऐसे में कुडुंबश्री का बड़ा तबका एलडीएफ और विजयन सरकार को ही वोट करेगा। ये उनके लिए फायदे का मिशन है। सीनियर जर्नलिस्ट बृजेश कुमार कहते हैं, 'केरलम में किसे-कितनी सीटें मिलेगी, अभी कहना मुश्किल है। यहां वोटर्स आखिरी वक्त में तय करते हैं। यूडीएफ और एलडीएफ के बीच टफ फाइट है। एलडीएफ तीसरी बार सत्ता में लौट सकती है। वायनाड की सीनियर जर्नलिस्ट नीनू मोहन का कहना है, 'केरल में पॉलिटिक्स बहुत अलग है। आखिरी 24 घंटे में पिक्चर बदल जाती है। 2021 में यही हुआ था। तब भी यूडीएफ की सरकार बन रही थी, इस बार भी हालात कुछ वैसे ही हैं।' तिरुवंतपुरम में केरल यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर प्रो. जय प्रसाद कहते हैं, 'बीजेपी के लिए ये चुनाव टेस्ट केस होगा। हर सीट पर 25 से 35फीसदी मुस्लिम वोट उसके लिए चैलेंज हैं। इस बार बीजेपी को 22 से 25फीसदी वोट शेयर मिलने की उम्मीद है। सीपीएम के 90 से 95फीसदी कार्यकर्ता हिंदू हैं। उसे लगता है कि आरएसएस और बीजेपी उसके वोट छीन रही है। क्रिश्चियन कम्युनिटी करीब 18 से 20फीसदी है। इनमें बीजेपी का सपोर्ट बढ़ा है।' सीनियर जर्नलिस्ट कैलाश बताते हैं, 'बीजेपी का वोट शेयर नेचुरली बढ़ रहा है। अभी 20फीसदी है। पार्टी को सरकार बनाने में कम से कम 10 साल और लगेंगे, लेकिन ये क्रिश्चियन वोट के बिना संभव नहीं है।'

12 कारणों से घर में लगते दीमक,बचाव के लिए जरूरी 18 सावधानियां

बंगलुरु। गर्मियों में कई घरों में दीमक (टर्माइट) की समस्या बढ़ जाती है। दरअसल गर्मी और नमी का मेल दीमकों के लिए दावत जैसा है। ये दीवार की दरारों और लकड़ी के फर्नीचर में छिपकर इन्हें अंदर-ही-अंदर खोखला कर देते हैं। अक्सर जब तक इनका पता चलता है, तब तक काफी देर हो चुकी होती है। दीमक सिर्फ लकड़ी ही नहीं, लंबे समय में घर की दीवारों और नींव को भी कमजोर कर सकते हैं। हालांकि अगर समय रहते कुछ सेफ्टी टिप्स अपनाए जाएं तो इनसे अपने घर को बचाया जा सकता है। आज 'जरूरत की खबर' में बात घर से दीमक भगाने की। साथ ही जानेंगे कि- घरों में दीमक क्यों लगते हैं? घर को दीमक से बचाने के क्या करना चाहिए? विषय को और समझेंगे एक्सपर्टः तौफीक मजूमदार, मैनेजिंग डायरेक्टर, पेस्ट कंट्रोल, बेंगलुरु जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- घरों में दीमक क्यों आते हैं? जवाब- दीमक आमतौर पर नम और अंधेरी जगहों में पनपते हैं। इसके बाद ये धीरे-धीरे लकड़ी, कागज और दीवारों तक फैल जाते हैं। इसके अलावा सीलन, वाटर लीकेज, खराब वेंटिलेशन में भी ये पनप सकते हैं। साफ-सफाई की कमी से ये धीरे-धीरे पूरे घर में फैल सकते हैं। सवाल- घर में किन जगहों पर दीमक लगने का खतरा ज्यादा होता है? जवाब- घरों में दीमक मुख्य रूप से नमी वाली जगहों पर लगते हैं। फर्नीचर, गत्ते, पुरानी किताबें और अखबार दीमकों की पसंदीदा जगहें हैं। सवाल- दीमक लगने के शुरुआती संकेत क्या होते हैं? जवाब- इसके शुरुआती संकेत हैं- फर्नीचर से बुरादा (पाउडर) गिरना। दीवार या फर्नीचर पर मिट्टी की पतली लाइन दिखना। लकड़ी के सामान खोखले या कमजोर लगना। दरवाजा ठीक से बंद न होना। फर्नीचर का फूलना। पेंट या प्लास्टर का उखड़ना। आसपास पंख वाले छोटे कीड़े (टर्माइट) दिखना। ये संकेत दिखते ही तुरंत एक्शन लेना जरूरी होता है। सवाल- घर को दीमक से बचाने के क्या करना चाहिए? जवाब- नमी दीमकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। इसलिए पानी का लीकेज तुरंत ठीक कराएं और घर में पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखें।सवाल- अगर घर के किसी सामान में दीमक लग गए हैं तो क्या करें? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए-लकड़ी के फर्नीचर में लगे तो क्या करें? फर्नीचर को धूप में रखें। प्रभावित हिस्से को साफ करके पॉलिश/वार्निश करें।

असम पुलिस की कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर की छापेमारी,खेड़ा ने आरोप लगाया था- सीएम हिमंता की पत्नी के पास 3 पासपोर्ट

गुवाहाटी। असम पुलिस की टीम कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली आवास पर पहुंची है। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की

पत्नी की एफआईआर के बाद यह कार्रवाई की गई है। पवन घर पर नहीं है। असम पुलिस उनसे पूछताछ के लिए इंतजार कर रही है। दिल्ली पुलिस भी साथ में मौजूद है। दरअसल दो दिन पहले पवन ने असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर तीन पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था। कहा था कि उनके पास तीन देशों मिस्र, एंटीगा-बरबूडा और यूएई के पासपोर्ट हैं। इस पर हिमंता ने कहा था कि पवन खेड़ा आधारहीन बातें कर रहे हैं। मैं उनके हर आरोप को खारिज करता हूं। हम 48 घंटे में खेड़ा पर मानहानि का केस करेंगे। हिमंता की पत्नी ने सोमवार को एफआईआर भी कराई थी। असम में 9 अप्रैल को वोटिंग होगी। आज शाम प्रचार थम जाएगा। चुनाव प्रचार करने असम के श्रीभूमि पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- जब से राहुल गांधी कांग्रेस के नेता बने हैं, तब से सभी कांग्रेस सदस्यों का स्तर, सार्वजनिक जीवन का स्तर, एकदम गिर गया है। कांग्रेस ने एक नई नीति बना ली है कि जो उनका समर्थन करता है, वही पढ़ा-लिखा है, बाकी सब अनपढ़ हैं। कांग्रेस सदस्यों, पूरे देश की जनता आपको देखने का इंतजार कर रही है। एक बार जब आप चुनाव मैदान में उतरेंगे, तो आपकी जमानत जब्त हो जाएगी। केरल के सीईओ रतन यू. केलकर का एक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों में युवा वोटरों को वोट डालने के लिए प्रेरित करने के एक अनोखे प्रयास के तहत, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इससे पहले कोच्चि में इस वीडियो गाने को लॉन्च किया था। 1 मिनट 33 सेकंड के इस वीडियो में मुख्य चुनाव अधिकारी केलकर को समुद्र के किनारे, चुनाव कराने में शामिल अधिकारियों के साथ डांस करते हुए दिखाया गया है। इन अधिकारियों में तिरुवनंतपुरम की जिला कलेक्टर अनु कुमारी और सहायक कलेक्टर डॉ. शिवशक्तिवेल शामिल हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन सिरकाजी में डीएमके के सहयोगी दल एमडीएमके के उम्मीदवार सेंथिल सेल्वन के समर्थन में जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं। आज शाम 4 बजे सिरकाजी के पास सूरक्काडु में डीएमके की एक जनसभा निर्धारित है, जिसमें 6 विधानसभा क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा। 'साइलेंस पीरियड' के दौरान टेलीविजन और इसी तरह के अन्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्लेटफॉर्म पर चुनाव से जुड़े कंटेंट जिसमें ओपिनियन पोल या सर्वे भी शामिल हैं, दिखाने पर पूरी तरह से रोक है। असम केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को सिंगल फेज में वोटिंग होगी। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को कोलकाता पर धमकी को लेकर पाकिस्तान का जवाब दिया। उन्होंने एक चुनावी रैली में कहा- मैंने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का नाम एक कागज पर लिख लिया है। जिस दिन ममता बनर्जी और इंडिया ब्लॉक की सरकार बनेगी, हम उन्हें उनके घर में घुसकर मारेंगे।दरअसल पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने 3 अप्रैल को कहा था कि अगर भारत की ओर से कोई कदम उठाया गया, तो पाकिस्तान कोलकाता पर हमला कर जवाब देगा। इस पर अभिषेक ने कहा- पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने खुलेआम कोलकाता पर हमले की धमकी दी, फिर भी न तो नरेंद्र मोदी और न ही अमित शाह इसकी निंदा करने की हिम्मत जुटा पाए। पूर्व टेनिस स्टार लिएंडर पेस को केंद्र सरकार ने 'एक्स' कैटेगरी सुरक्षा दी है। उनकी सुरक्षा में सीआईएसएफ के दो सशस्त्र जवान तैनात रहेंगे। गृह मंत्रालय ने पेस की लोकप्रियता और पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान पूरे राज्य में संभावित दौरों को देखते हुए यह फैसला लिया। पेस 31 मार्च को भाजपा में शामिल हुए थे।

सीजफायर के लिए कैसे राजी हुए ट्रम्प, भारत के लिए कितना प्रभाव रखता हैं ये समीकरण

वॉशिंगटन डीसी। 7 अप्रैल की रात। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ऐलान किया- आज रात ईरान की पूरी सभ्यता तबाह हो जाएगी, जो फिर कभी वापस नहीं आ सकेगी। दुनिया सांस रोककर बैठी थी। इस दौरान इस्लामाबाद के डिप्लोमैटिक गलियारों में हलचल थी। दो शख्स लगातार फोन पर लगे थे- पीएम शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर। कुछ घंटे बाद 8 अप्रैल की सुबह 4 बजे ट्रम्प ने लिखा- सीजफायर। ईरान भी इसके लिए राजी हो गया। विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से-सवाल-1ः अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर कब हुआ, इसकी शर्तें क्या हैं? जवाबः 40 दिन से जारी अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग में 14 दिन की रोक लग गई है. भारतीय समय के मुताबिक, 8 अप्रैल की सुबह 4 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया कि पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के बाद अमेरिका सीजफायर के लिए राजी हो गया है। ट्रम्प ने लिखा- मैं होर्मुज स्ट्रेट को फौरन खोलने की शर्त पर ईरान की रजामंदी के बाद अगले 14 दिन तक बमबारी रोकने के लिए तैयार हूं। इसके 40 मिनट बाद ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने भी कन्फर्म किया कि दोनों देशों के बीच सीजफायर हो गया है और बातचीत जारी है। ईरान के सरकारी न्यूज चैनल आईआरआईबी के मुताबिक, ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने सभी मिलिट्री यूनिट्स को फायरिंग रोकने का आदेश दिया है। ये आदेश सीजफायर के ऐलान के करीब 2 घंटे बाद आया है। सीजफायर के बाद ट्रम्प ने बयान दिया, 'ईरान ने अमेरिका को 10 पाइंट का प्रस्ताव भेजा। यह काफी नहीं है, लेकिन उन्होंने बहुत अहम कदम उठाया है। देखते हैं, आगे क्या होता है।' वहीं ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल का दावा है कि अमेरिका ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। काउंसिल इसे जीत बता रही है। अमेरिका को भेजे गए ईरान के प्रस्ताव में 10 शर्तें हैं-दुश्मनी खत्म और हमले बंद होः अमेरिका और इजराइल न केवल मौजूदा बमबारी रोकें, बल्कि भविष्य में कोई 'प्रिवेंटिव स्ट्राइक' करने की लिखित गारंटी दें। आर्थिक नाकेबंदी खत्म होः सभी परमाणु और आर्थिक प्रतिबंधों को हटाया जाए, ताकि ईरान फिर वैश्विक तेल बाजार में लौट सके। जब्त संपत्ति की तत्काल वापसीः अमेरिका और उसके सहयोगी देशों द्वारा फ्रीज किए गए करीब 100 बिलियन डॉलर के फंड ईरान को मिले। इसमें तेल का बकाया पैसा भी है। स्थायी शांति की व्यवस्थाः यह 14 दिन का सीजफायर एक ऑफिशियल समझौता में बदलना चाहिए, जो मिडिल-ईस्ट में युद्ध को हमेशा के लिए खत्म कर दे। अमेरिका सेना की वापसीः खाड़ी देशों और इराक से अमेरिकी सैन्य ठिकानों को समेटा जाए और क्षेत्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारी स्थानीय देशों को दी जाए। युद्ध का हर्जाना मिलेः हमलों से हुए नुकसान की भरपाई के लिए अमेरिका हर्जाना दे या इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक करने की व्यवस्था करे। हॉर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रणः ईरान हॉर्मुज स्ट्रेट पर अपना कानूनी और सुरक्षा कंट्रोल बनाए रखना चाहता है। वह इसे अपनी 'समुद्री सीमा' का हिस्सा मानता है। शर्त के साथ समुद्री आवाजाहीः ईरान जहाजों को रास्ता देने को तैयार है, लेकिन इसके लिए एक ईरानी सेना से कोऑर्डिनेशन करना होगा। हर जहाज को डेटा साझा करना होगा। ईरान-ओमान को टोल मिलेः हॉर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले हर शिप को ईरान और ओमान को समुद्री टोल देना होगा। हर शिप से 20 लाख डॉलर, यानी 19 करोड़ रुपए वसूल सकते हैं। इलाके में तनाव कम करेंः इजराइल को लेबनान में हिजबुल्लाह, यमन में हुती और सीरिया के खिलाफ ऑपरेशन बंद करने होंगे, ताकि इलाके में तनाव कम हो। सवाल-2ः क्या इजराइल भी सीजफायर के लिए राजी है? जवाबः ट्रम्प ने सीजफायर की घोषणा से ठीक पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की थी। घोषणा के बाद इजराइल ने भी इस सीजफायर का समर्थन किया है, लेकिन कुछ शर्तों के साथ।

स्मार्ट मीटर लगाकर जनता के जेब काट रही भाजपा सरकारः संदीप मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संदीप मिश्र ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाकर सरकार जनता के जेब काट रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय बिजली मन्त्री ने कहा था कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ता के सहमति से लगाना चाहिए, लेकिन बिजली विभाग के लोग मनमानी कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि जनपद के प्रतिनिधि कुम्भकरणी निद्रा में सोये हुए हैं और उन्हें जनता से कोई वास्ता नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्दी ही इस पर रोक नहीं लगी तो किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा बड़ा आन्दोलन करेगा। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते जनचौपाल में चतरा ब्लाक के डुबटिया में जो लोग रासन लेते हैं, उनके घरों में मात्र चार या पांच सिएफेल जल रहे हैं, लेकिन उनका बिल दो लाख तीन लाख का भेजा गया है। यह बिजली विभाग का कौन सा तरीका है?शुक्रवार के कार्यक्रम में प्रमुख रुप से आकाश चौहान, सत्यधन बिन्द, नगेन्द्र धागर, प्रमोद धागर, लाल बिहारी गोड, सत्यम पाण्डेय, सत्यम तिवारी, विजय चौहान, दिनेश चेरो, अनिल उराव, कृष्णा नन्द गोड और मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ओम प्रकाश राव बने कांग्रेस अनुसूची प्रकोष्ठ के जिला चैयरमैन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित प्रकोष्ठ के चैयरमैन तनुज पुनिया (सांसद) एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम द्वारा उत्तर प्रदेश अनुसूचित प्रकोष्ठ की जिला चैयरमैन की नियुक्ति में जनपद सोनभद्र से ओमप्रकाश राव व शहर अध्यक्ष सुशील कुमार की नियुक्ति की गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यालय पर जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गौड़ की अध्यक्षता में उनका स्वागत किया गया। रामराज गोड़ ने कहा कि ओमप्रकाश के आने पर जनपद में कांग्रेस दलितों की आवाज पहले भी रही है और आज और मजबूती के साथ हम लोग आगे की ओर बढ़ेंगे।ओमप्रकाश राव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी, भीमराव अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के सोच की पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान बनाने के लिए अंबेडकर को दायित्व दिया, वहीं भीमराव अंबेडकर ने सभी वर्गों को साथ में लेकर एक संविधान की संरचना की जिसमें लोगों के मूल अधिकारों और समानता की बात कही गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा दलितों का उत्थान किया है और उनकी हर संभव लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि जनपद सोनभद्र के अंदर हर दलित की आवाज बनेंगे और उनकी हर लड़ाई लड़ने का काम करेंगे। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष सुशील कुमार ने कहा कि शहर के अंदर दलित बस्तियों में वार्डों में जाकर सभी को जोड़ने का काम किया जाएगा। साथ ही किसी भी दलित को अगर कोई समस्या होती है तो हमसे जुड़े उनकी हर लड़ाई लड़ने का काम करेंगे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने कहा कि कांग्रेस सभी वर्गों को साथ में लेकर चलती है। उन्होंने कहा कि ओमप्रकाश जी पूर्व में यूथ कांग्रेस के लोकसभा उपाध्यक्ष और जिला उपाध्यक्ष भी रहे हैं और जनपद को भली-भांति जानते हैं। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस राबर्ट्सगंज के अध्यक्ष अमरेश देव पांडेय, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव राजेंद्र प्रसाद चौधरी, विधि के प्रदेश सचिव अखिलेश मिश्रा, विधि प्रकोष्ठ के जिला कोऑर्डिनेटर शादाब आलम, युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष अजीत खरवार, भारतीय युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा, राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता, शहर अध्यक्ष सौम्य सोनकर, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला चैयरमैन राहुल जैन, सूचना के अधिकार के जिला चैयरमैन श्रीकांत मिश्रा, कामगार व असंगठित कांग्रेस के जिला चैयरमैन तमेश्वर तिवारी, के जिला महासचिव रोहित भारती, राजू भारती, शीतल सिंह पटेल, उमेश सिंह, राकेश दुबे आदि लोग मौजूद रहें।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर साईं हॉस्पिटल में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर साईं हॉस्पिटल एंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग में छात्र/छात्राओं द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। वर्ष 2026 की थीम 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट' विज्ञान के साथ खड़े रहें' (टुगेदर फॉर हेल्थ . स्टैंड विथ साइंस) के तहत छात्र/छात्राओं ने समुदाय को स्वास्थ्य के प्रति प्रेरित किया। इस मौके पर संस्थान के प्रबंधक डायरेक्टर डॉक्टर अनुपमा सिंह ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस हर साल 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन के मार्गदर्शन में मनाया जाता है, ताकि वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दिया जा सके। डॉ अनुपमा सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य सेवा में वैज्ञानिक दृष्टिकोणों के महत्व के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना, स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में एकता को प्रोत्साहित करना, साक्ष्य-आधारित अभ्यास में नर्सों की भूमिका को उजागर करना, समुदाय को निवारक स्वास्थ्य देखभाल उपायों के बारे में शिक्षित करना है। आंदोलन के दौरान पोस्टर प्रस्तुति, सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग, टीकाकरण, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवा में वैज्ञानिक नवाचारों को उजागर करने वाले पोस्टर प्रदर्शित किए गए। इस कार्यक्रम में संस्थान प्राचार्य, संकाय सदस्य, शिक्षकगण, नर्सिंग छात्र/छात्राओं और साईं हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस मौके पर डॉ रोजी, सोल्या मौर्या, राजन सोनी, बीपी सिंह, डॉ किरन, डॉ आभा, डॉ दिब्यां, रेखा, पवन, डॉ सतीश, जूही, रिसु आदि लोग मौजूद रहें।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में पोस्टर, निबंध एवं डॉक्टर के क्रियाकलाप से संबंधित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के छात्र एवं छात्रा अभिषेक, अंकित, शिवांग, प्रियांशु एवं अंशिका, प्राजंलि ने बच्चों का इलाज करते हुए स्वास्थ्य से संबंधित सुरक्षित भविष्य के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के महत्व के बारे में जानकारी दी। उनकी इस प्रस्तुति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

इसके अलावा, छात्र काव्या ने फलों और हरी सब्जियों के लाभ तथा जंक फूड के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि संतुलित आहार ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है और हमें अपने दैनिक जीवन में पौष्टिक भोजन को प्राथमिकता देनी चाहिए।

विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन ने अपने संबोधन में कहा कि 'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है', इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

विद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पांडे ने बताया कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए संतुलित आहार लेते हुए नियमित व्यायाम करना चाहिए और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए साथ ही हमें तनाव से दूर रहकर सकारात्मक सोच अपनाना चाहिए।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अंबर उपाध्याय, उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र यादव एवं शिक्षिकाएं अनीता सोनी, नैंसी अग्रहरि, सीता पांडे, दीप्ति मिश्रा, रुचि दुबे आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के बैनर तले संविदा कर्मियों का प्रदर्शन जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को दूसरे दिन भी संविदा कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर मण्डल सचिव नितेश मौर्या के अध्यक्षता में क्रमिक अनशन चालू किया गया। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाती, तब तक वे इसी कार्यालय पर अपना विरोध जारी रखेंगे। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गई तो वे 09/04 से भूख हड़ताल करने के लिए बाध्य होंगे। धरने में जिलाध्यक्ष ज्योति कुमार, जिला सचिव अभय पाण्डेय, हेमन्त त्रिपाठी, राजनारायण, ज्ञानप्रकाश, महेन्द्र विश्वकर्मा, मोहन, तसउवर, गिरेन्द्र, उत्तम, जितेंद्र, रहमत के साथ सैकड़ों संविदा कर्मी उपस्थित रहे।

मत्स्य विभाग मंत्री ने किया रिहंद व ओबरा बांध का औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। शुक्रवार को मा0 मंत्री, मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, डॉ. संजय कुमार निषाद जी द्वारा विगत कई दिनों से जनपद सोनभद्र से प्राप्त हो रही विभागीय एवं अन्य लोगों की साँठ-गाँठ से संबंधित अनियमितताओं की खबर का संज्ञान लेते हुए जनपद सोनभद्र में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत स्थापित रिहंद बांध एवं ओबरा बांध का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान मा0 मंत्री जी के साथ निदेशक मत्स्य, उत्तर प्रदेश श्री एन.एस. रहमानी जी, संयुक्त निदेशक उत्तर प्रदेश श्री अनिल कुमार जी, उपनिदेशक (नियोजन) उत्तर प्रदेश मत्स्य विभाग श्री एजाज़ नकवी, उपनिदेशक वाराणसी मंडल श्री सुरेश कुमार, उपनिदेशक मिर्जापुर मंडल श्री धर्मेंद्र बघेल, जिला अधिकारी सोनभद्र द्वारा नामित एडीएम (न्यायिक) एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा नामित सीओ पिपरी एवं सदर, सहायक निदेशक मत्स्य सोनभद्र, जिला सूचना अधिकारी, सोनभद्र समेत संबंधित तहसीलों के एसडीएम भी मौके पर उपस्थित रहे। मा0 मंत्री जी द्वारा रिहंद एवं ओबरा केज का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी बिना किसी सुरक्षा उपकरण के केज जेटी से बनाए गए फ्लोर पर स्वयं पहुँचकर शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का संज्ञान लिया तथा मौके पर ही निदेशक मत्स्य के साथ निरीक्षण किया। निषाद जी ने रिहंद जलाशय क्षेत्र में एक शिकायतकर्ता, पूजा देवी के घर भी पहुँचकर उनकी समस्या सुनी। शिकायतकर्ता द्वारा अवगत कराया गया कि कुछ दबंग व्यक्तियों द्वारा पैसों की मांग की जाती है तथा कार्य करने से रोका जाता है। इस पर मा0 मंत्री जी ने संबंधित थाना प्रभारी को निर्देशित करते हुए स्पष्ट कहा कि शिकायतकर्ता को किसी भी प्रकार की धमकी या कार्य में बाधा नहीं दी जानी चाहिए तथा उसे हर स्तर पर न्याय दिलाना सुनिश्चित किया जाए। निषाद जी ने केज सिस्टम में पाई गई खामियों की निदेशक एवं संयुक्त निदेशक के साथ बारीकी से जांच कराते हुए आगामी तीन कार्यदिवस के भीतर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए, साथ ही दोषी कार्मिकों एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि कई दिनों से मिर्जापुर मंडल सहित अन्य स्थानों पर प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना एवं अन्य योजनाओं में घालमेल की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ कि इस मामले में कार्रवाई होगी और सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई होगी। मैं स्वयं मौके पर जाकर निरीक्षण कर रहा हूँ तथा शिकायतकर्ताओं से भी मिल रहा हूँ। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है की रिपोर्ट तैयार कर तीन कार्यदिवस में प्रेषित करे, यदि एक भी शिकायत सही पाई जाती है तो मत्स्य विभाग में ऐसी कार्रवाई की जाएगी जो नज़ीर बनेगी। हम और हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करते हैं और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा की मैं स्वयं पिछले कई दिनों से इस पर कार्य कर रहा हूँ। तथापि, इस मामले में अब तक किए गए सभी प्रयासों को मैं सार्वजनिक रूप से अधिक साझा नहीं करना चाहता, जिससे संबंधित लोग सतर्क न हो जाएँ और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Enjoy Publicity
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

ChatGPT की सलाह ने पहुंचाया अस्पताल,एआई से कभी न लें हेल्थ एडवाइज, इन तरीकों से पाएं सही हेल्थ इंफॉर्मेशन

डर, उम्मीद या झटपट इलाज का वादा। कमी रेगुलेशन की है, कोई भी कुछ भी पोस्ट कर सकता है। इको चैंबर्स में लोग सिर्फ अपनी मान्यताओं वाली पोस्ट्स देखते हैं, जिससे गलत जानकारी बढ़ती है। साइंस को समझना जटिल होता है, इसलिए लोग आसान लगने वाली गलत टिप्स पर भरोसा कर लेते हैं। सवालः किन सोर्सेस पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पर भरोसा नहीं करना चाहिए? जवाबः कई सोर्स ऐसे हो सकते हैं, जहां से गलत जानकारी मिल सकती है। जैसे-

सोशल मीडियाः फेसबुक, इंस्टाग्राम या टिकटॉक पर वायरल पोस्ट्स अक्सर बिना किसी सबूत के लिखे गए होते हैं। इनके ऊपर भरोसा न करें। पर्सनल ब्लॉग्स या अनजान वेबसाइट्सः अगर लेखक कोई एक्सपर्ट नहीं है, तो भरोसा न करें। इस बात का भी ख्याल रखें कि हर किसी की हेल्थ कंडीशन अलग होती है तो उसके लिए अलग ट्रीटमेंट की जरूरत होती है। एप्स या एआई चैटबॉट्सः ChatGPT, उेदध्आई जैसे चैटबॉट्स सेव किए गए डेटा के आधार पर सामान्य जानकारी देते हैं, ये व्यक्तिगत हेल्थ एडवाइज नहीं देते हैं। प्रोडक्ट सेलिंग साइट्सः जो कंपनियां कोई दवा या सप्लीमेंट बेच रही हैं, वे इनके फायदे बढ़ा-चढ़ाकर बताती हैं। टेस्टिमोनियल्सः किसी की पर्सनल स्टोरी मददगार हो सकती है, लेकिन सबके लिए लागू नहीं होती है। सवालः स्वास्थ्य मिसइनफॉर्मेशन कैसे पहचानें? जवाबः कुछ संकेत हैं- अगर कोई 'मिरेकल क्योर' या झटपट इलाज का वादा करे, जैसे 'यह जड़ी-बूटी सब बीमारियां ठीक कर देगी'। लेखक की क्रेडेंशियल्स चेक करें- क्या वे डॉक्टर या रिसर्चर हैं? सबूत देखें- क्या रेफरेंस हैं पीयर-रिव्यूड स्टडीज के है। डर या इमोशनल भाषा वाले कंटेंट से सावधान रहें। अगर कोई जानकारी एकतरफा है। उसमें कोई साइड इफेक्ट या रिस्क नहीं बताया गया है तो शक करें। हमेशा जानकारी को कई सोर्सेस से क्रॉस चेक करें। सवालः भरोसेमंद स्वास्थ्य जानकारी जुटाने के तरीके क्या हैं? जवाबः सही जानकारी के लिए ऑथेंटिक सोर्सेस चुनें। जैसे- गवर्नमेंट वेबसाइट्सः भारत में आयुष मंत्रालय, डब्लूएचओ या सीडीसी की साइट्स। मेडिकल ऑर्गनाइजेशंसः अपोलो, मेयो क्लिनिक या इंडियन मेडिकल एसोसिएशन। पीयर-रिव्यूड जर्नल्सः जैसे लैंसेट या एनल्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन। डॉक्टर से बात करें: हमेशा पर्सनल एडवाइज के लिए डॉक्टर से मिलें।

मेडलाइन प्लस या NIH जैसी साइट्सः वे अपडेटेड और रिसर्च बेस्ड होती हैं। डॉ. अजय नायर कहते हैं, वेबसाइट का यूआरएल चेक करें- .gov Ùee .edu वाली ज्यादा भरोसेमंद होती हैं। इस बात का ख्याल जरूर रखिए कि ये पर्सनलाइज्ड हेल्थ एडवाइज नहीं है। सवालः वेबसाइट की विश्वसनीयता कैसे चेक करें?

जवाबः देखें कि 'अबाउट अस' सेक्शन कौन चला रहा है। इसका उद्देश्य क्या है? लेखक कौन है- एक्सपर्ट या नहीं? जानकारी कब अपडेट हुई? प्राइवेसी पॉलिसी चेक करें- आपका डेटा सेफ है? अगर विज्ञापन हैं, तो क्या वे जानकारी से अलग हैं? कुकीज के बारे में पढ़ें। अगर साइट प्रोडक्ट बेच रही है, तो सावधान रहें। कॉन्टैक्ट की जानकारी होनी चाहिए- ईमेल या फोन। सवालः सोशल मीडिया या एप्स से स्वास्थ्य जानकारी लेते समय क्या सावधानियां बरतें?

जवाबः सोशल मीडिया पर पोस्ट फ्रेंड से हो तो भी चेक करें- ओरिजिनल सोर्स क्या है? फैक्ट-चेकिंग साइट्स जैसे स्नोप्स इस्तेमाल करें। एप्स डाउनलोड करने से पहले देखें- कौन बनाया है, रिव्यूज क्या हैं? अगर एप पर्सनल डेटा मांगती है, तो सोचें- जरूरी है? हमेशा डॉक्टर से कन्फर्म करें। पब्लिक वाई-फाई पर संवेदनशील जानकारी न शेयर करें।सवालः अगर स्वास्थ्य जानकारी गलत निकली तो क्या करें? जवाबः अगर कोई सलाह से नुकसान हुआ, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें। मिसइनफॉर्मेशन रिपोर्ट करें- सोशल मीडिया पर फ्लैग करें या डब्लूएचओ जैसी एजेंसी को बताएं। खुद को दोष न दें, बल्कि सीख लें। परिवार और दोस्तों को जागरूक करें। भारत में साइबर फ्रॉड के लिए हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें अगर कोई स्कैम हो। सवालः बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य संबंधी जानकारी कैसे सेफ रखें? जवाबः बुजुर्ग अक्सर ऑनलाइन स्कैम का शिकार होते हैं। उन्हें सिखाएं- अनजान लिंक्स न खोलें, स्ट्रॉन्ग पासवर्ड यूज करें, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑन रखें। हेल्थ बुक या न्यूज पढ़ते समय सोर्स चेक करें। डॉक्टर से रेगुलर चेकअप करवाएं। अगर कोई स्कैम लगे तो पुलिस की साइबर सेल में रिपोर्ट करें। सवालः हेल्थ एडवाइज लेने का सबसे अच्छा तरीका क्या है? जवाबः सबसे अच्छा है डॉक्टर या हेल्थकेयर प्रोफेशनल से मिलना। वे आपकी उम्र, हिस्ट्री और स्थिति देखकर सलाह देते हैं। ऑनलाइन जानकारी सिर्फ शुरुआत के लिए इस्तेमाल करें, फैसले के लिए नहीं। किताबें पढ़ें लेकिन अपडेटेड और रिव्यूड किताबें पढ़ें। हेल्थ एप्स यूज करें लेकिन ट्रस्टेड ऑर्गनाइजेशंस वाले ऐप यूज करें। याद रखें, कोई भी जानकारी डॉक्टर की जगह नहीं ले सकती है।हमें सीखना चाहिए कि हमारी हेल्थ कोई खेल नहीं है। AI या इंटरनेट सलाह से पहले सोचें, चेक करें और डॉक्टर से पूछें। सही जानकारी से ही स्वस्थ जीवन संभव है। अगर परिवार में कोई गलत टिप्स फॉलो कर रहा है तो उन्हें तुरंत रोकें।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप- प्रीति, प्रिया और अरुंधति फाइनल में पहुंचीं

निखत जरीन और लवलीना टूर्नामेंट से बाहर

उलानबटोर। मंगोलिया के उलानबटोर में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के लिए सोमवार का दिन मिला-जुला रहा। प्रीति पवार, प्रिया और अरुंधति चौधरी ने

अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बना ली है। अब तक भारत की चार मुक्केबाज फाइनल में पहुंच चुकी हैं। प्रीति पवार ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को एकतरफा मुकाबले में हराकर गोल्ड मेडल की उम्मीद मजबूत कर दी है। वहीं, निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा। 54 किग्रा वेट कैटगिरी में प्रीति पवार ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट कोरिया की एजी इम को 5-0 से हराया। वर्ल्ड बॉक्सिंग कप की गोल्ड मेडलिस्ट प्रीति ने तीनों राउंड में अपना नियंत्रण बनाए रखा और विपक्षी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। अब फाइनल में उनका मुकाबला चीनी ताइपे की हुवांग हिसियाओ-वेन से होगा, जो तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन और टोक्यो ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। 60 किलोग्राम वेट कैटगिरी में प्रिया ने स्थानीय खिलाड़ी मंगोलिया की नामून मोंखोर को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। अब वे फाइनल में उत्तर कोरिया की उन ग्योंग वॉन से भिड़ेंगी। वहीं, 70 किलोग्राम कैटेगरी में अरुंधति चौधरी ने उज्बेकिस्तान की ओयशा तोइरोवा को 4-1 से हराया। फाइनल में उनका सामना कजाकिस्तान की बकित सेदिश से होगा। निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन को ब्रॉन्ज मेडल से संतुष्ट होना पड़ा। उन्हें सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। 51 किग्रा वेट में निखत जरीन को मौजूदा ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट चीन की वू यू ने 5-0 से हराया। वू यू इस समय दुनिया की सबसे आक्रामक मुक्केबाजों में से एक मानी जाती हैं। वहीं,75 किलोग्राम कैटेगरी में लवलीना बोरगोहेन को उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने 5-0 से मात दी। इसके अलावा 80 किग्रा वेट में अनुभवी पूजा रानी भी कजाकिस्तान की नादेज्दा रयाबेट्स से हारकर बाहर हो गईं। बिजली कटने से अंकुशिता बोरो को अंकों के आधार पर हार मिली 65 किलोग्राम वेट में अंकुशिता बोरो और चीनी ताइपे की निएन-चिन चेन के बीच मैच के दौरान पहले राउंड के बाद बिजली गुल हो गई। काफी देर तक बाधा रहने के कारण मैच का फैसला पॉइंट्स के आधार पर किया गया, जिसमें अंकुशिता को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। आज दो कैटेगिरी का सेमीफाइनल चैंपियनशिप के अगले दौर में 7 अप्रैल को भारत की दो और मुक्केबाज (48किग्रा और 57किग्रा कैटेगरी) अपने सेमीफाइनल मुकाबले खेलेंगी।

बास्केटबॉल चैम्पियन का 'कैंडी' सीक्रेट,मिलन शॉट से पहले दिमाग में दोहराते हैं 'जेलीबीन', ओवरथिंकिंग दूर करने का मिला अचूक फॉर्मूला

आयोवा। बड़े मैचों के दबाव में अक्सर दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों का दिमाग भी सुन्न पड़ जाता है। ऐसे में वे अपने ही खेल पर शक करने लगते हैं। अमेरिका के कॉलेज बास्केटबॉल टूर्नामेंट में इस साल के

सर्वश्रेष्ठ 3-पॉइंट शूटर मिलन मोमसिलोविक भी इसी ओवरथिंकिंग का शिकार हो रहे थे। लेकिन इस 6 फीट 8 इंच लंबे स्नाइपर ने अपने दिमाग को शांत करने का एक बेहद अजीब, लेकिन 100फीसदी अचूक तरीका खोज निकाला है। यह तरीका है एक शब्द 'जेलीबीन'। आयोवा स्टेट के मिलन इस वक्त डिवीजन-1 कॉलेज बास्केटबॉल के सबसे सटीक शूटर हैं। लेकिन एक वक्त था जब हर शॉट से पहले उनका आत्मविश्वास डगमगा जाता था। मिलन बताते हैं, 'मुझे हमेशा लगता था कि मेरे शॉट में कुछ कमी है। शायद गेंद का आर्क सही नहीं है या मैं सही तरीके से थ्रो नहीं कर रहा हूं।' लगातार गिरते कॉन्फिडेंस को बचाने के लिए उन्होंने एक मशहूर स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट डॉ. मैथ्यू मायरविक से संपर्क किया। डॉ. मैथ्यू ने उन्हें एक बेहद आसान मनोवैज्ञानिक तरकीब बताई- 'थ्रो करने से ठीक पहले दिमाग में किसी एक चीज, खासकर किसी खाने की चीज का नाम सोचो।' मिलन ने इसके लिए 'जेलीबीन' शब्द चुना। वे कहते हैं, 'शायद यह शब्द बोलने में थोड़ा लंबा है, इसलिए मैंने इसे चुना। मजेदार बात यह है कि जेलीबीन मेरी फेवरेट कैंडी भी नहीं है।' मिलन यह शब्द जोर से नहीं बोलते, शॉट लेने से ठीक पहले वे इसे बस अपने दिमाग में दोहराते हैं। यह टेक्निक उनके दिमाग में आने वाले नकारात्मक ख्यालों को ब्लॉक कर देती है, जिससे उनका फोकस सिर्फ थ्रो पर रहता है। जैसे ही दिमाग ओवरथिंकिंग करना बंद करता है, शरीर की 'मसल मेमोरी' अपना काम बिल्कुल सटीक तरीके से करने लगती है। यह तकनीक खिलाड़ी का ध्यान नतीजे से हटाकर प्रोसेस पर ले आती है। आयोवा स्टेट के हेड कोच टीजे ओत्जेल्बर्गर इस बदलाव से बेहद खुश हैं। उनका कहना है, 'पहले अगर वह एक-दो शॉट मिस करता था, तो अगला शॉट लेने से डरने लगता था। लेकिन अब उसका माइंडसेट बदल गया है। अब वह सिर्फ अपनी कोशिशों पर फोकस करता है, नतीजों पर नहीं।' इस एक शब्द ने मिलन के खेल को पूरी तरह बदल दिया है। वे इस सीजन में 49.3फीसदी की सटीकता से 3-पॉइंट्स स्कोर कर रहे हैं, जो पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा है। उन्होंने अब तक 134 थ्री-पॉइंटर्स दागे हैं, जो किसी भी अन्य खिलाड़ी से अधिक है। वे 17.2 पॉइंट्स प्रति मैच के औसत के साथ अपनी टीम के टॉप स्कोरर बन गए हैं।

ललित मोदी का बीसीसीआई पर आरोप,आईपीएल में हर सीजन 2,400 करोड़ का नुकसान

नयी दिल्ली। आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ने कहा कि मौजूदा आईपीएल फॉर्मेट से बीसीसीआई और फ्रेंचाइजी को हर सीजन करीब 2,400

करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। उनके मुताबिक, कम मैच इसकी सबसे बड़ी वजह है। उन्होंने कहा, यह वो नहीं जो हमने बेचा था। उन्होंने स्पोर्ट्स स्टार के इंटरव्यू में कहा, शुरू में हर टीम को एक-दूसरे से दो बार खेलने का प्लान था। 2022 में 10 टीम होने पर 90 लीग मैच और चार नॉकआउट मैच होते। हालांकि, आईपीएल ने होम-एंड-अवे सिस्टम बदलकर 74 मैच ही रखे। इससे फ्रेंचाइजियों को नुकसान हो रहा है। यह वो नहीं जो हमने बेचा था। उन्होंने कहा, हर मैच के लिए बीसीसीआई को 50फीसदी और बाकी 50फीसदी टीमों में बांटा जाता है। इससे टीमों को 20 मैचों का नुकसान हो रहा है। होम-एंड-अवे फॉर्मेट में छिपी है असली वैल्यू उन्होंने स्पोर्ट्सस्टार से कहा, आईपीएल की असली वैल्यू होम-एंड-अवे फॉर्मेट में है। अगर कैलेंडर में मैचों की जगह नहीं थी, तो टीमों की संख्या नहीं बढ़ानी चाहिए थी। उन्होंने कहा, हमने आईपीएल इस तरह नहीं बेचा था। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सभी टीमों ने इस बदलाव पर सहमति दी थी और कहा कि ऐसा नहीं हुआ होगा। 94 मैच होते तो बढ़ती कमाई उन्होंने कहा, अगर होम-एंड-अवे फॉर्मेट में 94 मैच होते और हर मैच की कीमत 118 करोड़ रुपए होती, तो मीडिया राइट्स से 2,400 करोड़ रुपए की अतिरिक्त कमाई होती। यानी बीसीसीआई को 2,400 करोड़ रुपए का अतिरिक्त रेवेन्यू मिलता। इसमें 1,200 करोड़ रुपए 10 टीमों को मिलते, हर टीम को 120 करोड़ रुपए, और टीमों की वैल्यू बढ़ती। आईपीएल के तीसरे सीजन में सस्पेंड हुए ललित मोदी को 2010 में आईपीएल के तीसरे सीजन के फाइनल के तुरंत बाद बीसीसीआई ने सस्पेंड कर दिया। उसी साल अंडरवर्ल्ड से धमकियों का हवाला देते हुए वे भारत छोड़कर लंदन चले गए। बाद में प्रवर्तन निदेशालय ने उनके खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया और उनका पासपोर्ट भी रद्द कर दिया गया।तब से ललित मोदी लंदन में रह रहे हैं। उनके खिलाफ आईपीएल में खिलाड़ियों की बोली में हेराफेरी, मनी लॉन्ड्रिंग और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के उल्लंघन के मामले चल रहे हैं।

हाई हील्स से टेढ़े हो सकते हैं पैर,दुनिया के 23फीसदी लोगों को बूनियन डिजीज

नयी दिल्ली। बूनियन पैरों की एक कॉमन समस्या है, जिसमें पैर के अंगूठे के पास हड्डी जैसा उभार आ जाता है। अंगूठा उंगलियों की तरफ मुड़ जाता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, पूरी दुनिया में लगभग 23फीसदी एडल्ट्स को यह समस्या है। महिलाओं में यह खतरा पुरुषों की अपेक्षा 2 से 10 गुना ज्यादा होता है। टाइट और पॉइंटेड शूज, खासकर हाई हील्स पहनने से पैरों पर दबाव पड़ता है। अगर समय पर ध्यान न दिया जाए, तो यह दर्दनाक हो सकता है। चलने में तकलीफ, जूते पहनने में परेशानी और यहां तक कि आस्टियोआर्थराइटिस भी हो सकता है। बूनियन कोई नई समस्या नहीं है। यह जेनेटिक कारणों से भी हो सकता है या फिर गलत जूते-चप्पल पहनने से हो सकता है। हालांकि, सही जूते चुनकर, एक्सरसाइज करके और डॉक्टर की सलाह से इसे मैनेज किया जा सकता है। आज बूनियन डिजीज के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- बूनियन क्या है और इसे कैसे पहचानें? यह क्यों होता है और इसके खतरे क्या हैं? इसे कैसे मैनेज करें और कैसे इलाज करें? बूनियन क्या है? बूनियन पैर के बड़े अंगूठे के जोड़ पर होने वाला एक उभार है। यह हड्डी की गांठ जैसा बन जाता है, जो पैर के अंदर की तरफ बढ़ता है। मेडिसिन की भाषा में इसे हेलक्स वैल्गस भी कहते हैं। अंगूठे पर बूनियन सबसे कॉमन है। इसमें अंगूठे के आधार पर उभार हो जाता है। हालांकि, बूनियन सिर्फ अंगूठे में नहीं, छोटी उंगली में भी हो सकता है। यह जन्म से, टीनएज में या उम्र बढ़ने पर धीरे-धीरे विकसित होता है। बूनियनेटः छोटी उंगली के आधार पर, टाइट जूतों से। कॉन्जेनाइटल बूनियनः जन्म से ही बच्चों में।जुवेनाइल बूनियनः 18 साल से कम उम्र में। बूनियन को कैसे पहचानेंगे? बूनियन की शुरुआत धीमी होती है। पहले तो बस हल्का उभार नजर आता है, लेकिन धीरे-धीरे दर्द बढ़ता जाता है। अगर आपका बड़ा अंगूठा दूसरी उंगलियों की तरफ मुड़ रहा है, या जूते पहनने पर रगड़ लगती है, तो सावधान हो जाएं। कई लोग सोचते हैं कि यह बस थकान है, लेकिन असल में यह

बूनियन का संकेत हो सकता है। लक्षणों को इग्नोर न करें, क्योंकि समय के साथ यह बदतर हो जाता है। चलने में लंगड़ाहट आ सकती है, या पैर सुन्न पड़ सकते हैं। महिलाएं ज्यादा प्रभावित होती हैं, क्योंकि फैशन के चक्कर में वे असुविधाजनक जूते चुनती हैं। एक दोस्त ने बताया कि उसकी मां को हाई हील्स की वजह से इतना दर्द हुआ कि वे घर पर भी चप्पल नहीं पहन पाती थीं। बूनियन कोई एक वजह से नहीं होता। कई फैक्टर मिलकर इसे ट्रिगर करते हैं। सबसे बड़ी वजह है गलत जूते। हाई हील्स या नुकीले टिप वाले शूज पैरों पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं, जिससे अंगूठा अपनी जगह से हट जाता है। जेनेटिक्स भी रोल प्ले करता है- अगर परिवार में किसी को है, तो आपको भी हो सकता है। इसके अलावा, पैर की बनावट, जैसे फ्लैट फुट या हाई आर्च, खतरा बढ़ाते हैं। गठिया जैसी बीमारियां, चोट लगना या ज्यादा देर खड़े रहना भी कारण बन सकता है। महिलाओं में हॉर्मोनल बदलाव, जैसे प्रेग्नेंसी, इसे और खराब कर देते हैं। एक स्टडी कहती है कि 70इ से ज्यादा मामलों में फैमिली हिस्ट्री जुड़ी होती है। सो, अगर आपका वजन ज्यादा है या काम ऐसा है कि पैरों पर जोर पड़ता है, तो सतर्क रहें। अगर बूनियन का इलाज न किया जाए, तो यह सिर्फ दर्द तक सीमित नहीं रहता। यह बर्साइटिस का कारण बन सकता है, जिसमें जोड़ों के आसपास सूजन आ जाती है। हैमर-टो की समस्या हो सकती है, जहां उंगलियां मुड़ जाती हैं। लंबे समय में आस्टियोआर्थराइटिस हो सकता है, जो जोड़ों को कमजोर कर देता है। चलना-फिरना मुश्किल हो जाता है, और रोजमर्रा के काम प्रभावित होते हैं। कुछ मामलों में पैर सुन्न पड़ जाते हैं या इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, शुरू में ही डॉक्टर से मिलें। मेरी सलाह है कि दर्द को नजरअंदाज न करें, क्योंकि बाद में सर्जरी की नौबत आ सकती है। डॉक्टर पहले पैर की जांच करते हैं। वे उभार देखते हैं, दर्द पूछते हैं और चलने का तरीका चेक करते हैं। अगर जरूरी हो, तो एक्स-रे करवाते हैं, जो हड्डियों की एलाइनमेंट दिखाता है। किसी पोडियाट्रिस्ट से मिलना अच्छा रहता है। वे बताते हैं कि समस्या कितनी गंभीर है। ज्यादातर मामलों में सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। शुरू में लाइफस्टाइल बदलाव से ही कंट्रोल हो जाता है। सबसे पहले जूते बदलें- चौड़े और आरामदायक शूज चुनें, जिनमें टो बॉक्स बड़ा हो। बूनियन पैड्स या टेपिंग से दबाव कम करें। दर्द कम करने के लिए डॉक्टर से पूछकर पेन किलर ले सकते हैं। बर्फ से सिंकाई करें, इससे सूजन कम होती है। ऑर्थोटिक्स (शू इंसर्ट) पैरों को सपोर्ट देते हैं। फिजिकल थेरेपी से एक्सरसाइज सीखें, जो पैरों को मजबूत बनाती हैं। अगर दर्द बहुत ज्यादा है, तो कोर्टीकोस्टरॉयड इंजेक्शन लगवाएं। अगर ये सब काम न करें, तो सर्जरी ऑप्शन हो सकता है। इसमें हड्डी को सही जगह पर लाया जाता है। सर्जरी के बाद 2-3 महीने में नॉर्मल लाइफ पर लौट सकते हैं। लेकिन सर्जरी आखिरी विकल्प है। प्रिवेंशन इलाज से बेहतर है। सही जूते चुनें- नुकीले या टाइट वाले अवॉइड करें। दिन के अंत में जूते ट्राई करें, क्योंकि पैर थोड़े सूज जाते हैं। अगर पैरों में कोई समस्या है, जैसे फ्लैट फुट, तो ऑर्थोटिक्स यूज करें। वजन कंट्रोल में रखें, क्योंकि एक्स्ट्रा वेट पैरों पर दबाव डालता है। रोज पैरों की एक्सरसाइज करें, जैसे अंगूठे को स्ट्रेच करना। महिलाएं हाई हील्स कम पहनें, और अगर पहनें तो ज्यादा देर न रहें। बच्चों में अगर संकेत दिखें, तो जल्दी डॉक्टर दिखाएं। सवालः क्या बूनियन अपने आप ठीक हो सकता है? जवाबः नहीं, बूनियन खुद से नहीं जाता। लेकिन सही मैनेजमेंट से लक्षण कंट्रोल हो सकते हैं। डॉक्टर से मिलें। सवालः महिलाओं को यह समस्या ज्यादा क्यों होती है? जवाबः महिलाएं हाई हील्स और टाइट शूज ज्यादा पहनती हैं, जो पैरों पर दबाव डालते हैं। हॉर्मोनल बदलाव भी रोल प्ले करते हैं। सवालः सर्जरी कब जरूरी होती है? जवाबः जब दर्द बहुत ज्यादा हो, चलना मुश्किल हो या अन्य तरीके काम न करें। डॉक्टर तय करेंगे।

सवालः बूनियन से बचने के लिए क्या करें?जवाबः आरामदायक जूते पहनें, वजन कंट्रोल रखें, पैरों को रेस्ट दें और एक्सरसाइज करें। अगर फैमिली हिस्ट्री है, तो रेगुलर चेकअप करवाएं। बूनियन कोई बड़ी बीमारी नहीं, लेकिन इग्नोर करने से परेशानी बढ़ सकती है। सही जानकारी और छोटे बदलाव से इसे मैनेज कर सकते हैं। अगर लक्षण दिखें, तो डॉक्टर से बात करें। पैरों की सेहत अच्छी रखें, क्योंकि ये हमें हर कदम पर साथ देते हैं।

गर्मी से पहले एसी खरीदना हुआ महंगाःकंपनियों ने 5-15फीसदी तक बढ़ाई कीमतें; कॉपर-एल्युमीनियम के दाम बढ़ने का असर

नयी दिल्ली। गर्मी से पहले एसी खरीदना महंगा हो गया है। एसी डाइकिन, वोल्टास और ब्लू स्टार जैसी बड़ी कंपनियों ने कीमतें 15फीसदी तक बढ़ा दी हैं।

कंपनियों का कहना है कि कच्चे माल जैसे कॉपर, एल्युमीनियम की बढ़ती कीमतों और माल ढुलाई के खर्च में इजाफे की वजह से दाम बढ़ाए हैं। सवाल 1: एसी की कीमतों में कितनी बढ़ोतरी हुई है और कौन सी कंपनियां दाम बढ़ा रही हैं? जवाबः प्रमुख एसी मैन्युफैक्चर्स ने कीमतों में 5फीसदी से 15फीसदी तक का इजाफा किया है। इसमें टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास, डाइकिन, ब्लू स्टार, एलजी, हायर और मित्सुबिशी जैसे बड़े नाम शामिल हैं। सवाल 2: एसी के दाम अचानक क्यों बढ़ रहे हैं? जवाबः इसके पीछे 4 मुख्य कारण हैं- कॉपर और एल्युमीनियम जैसे कच्चे माल के दाम काफी बढ़ गए हैं। भारतीय रुपया कमजोर हुआ है, जिससे पुर्जों का आयात महंगा हो गया है। बीते कुछ दिनों में माल ढुलाई का खर्च बढ़ गया है। 1 जनवरी 2026 से लागू हुए बीईई के नए एनर्जी-एफिशिएंसी नियम।सवाल 3: क्या नए एनर्जी नियमों से ग्राहकों को कोई फायदा भी होगा? जवाबः हां, बिल्कुल। एलजी इंडिया के डायरेक्टर संजय चितकरा के अनुसार, नए नियमों के तहत आने वाले एसी पहले के मुकाबले करीब 11फीसदी ज्यादा बिजली बचाएंगे। यानी, भले ही खरीदने के समय ज्यादा पैसे देने पड़ें, लेकिन लंबे समय में बिजली बचेगी। सवाल 4: डाइकिन इंडिया के प्रमुख का इस बढ़ोतरी पर क्या कहना है? जवाबः डाइकिन इंडिया के चेयरमैन कंवलजीत जावा ने कहा कि नए एनर्जी नियमों ने प्रोडक्ट्स को पहले से बेहतर बनाया है, लेकिन ये महंगा हो गया है। कॉपर के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। डॉलर की वजह से लागत बहुत बढ़ गई है।

वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल से इंपोर्ट महंगा हुआ है, इसलिए कीमतें बढ़ाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। सवाल 5: क्या बढ़ी हुई कीमतें बाजार में तुरंत दिखने लगेंगी? जवाबः ब्लू स्टार के एमडी बी. त्यागराजन ने बताया कि उन्होंने फरवरी के मध्य में ही 8-10फीसदी की बढ़ोतरी कर दी थी। हालांकि, इसका असर बाजार में दिखने में थोड़ा समय लगेगा। डीलर्स ने पुराने रेट पर काफी स्टॉक उठा लिया था। जब तक ये पुराना स्टॉक खत्म नहीं हो जाता तब तक ग्राहकों को कुछ राहत मिल सकती है।

सवाल 6: क्या लोग महंगा एसी खरीदेंगे, कंपनियों को क्या उम्मीद है? जवाबः दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियों को उम्मीद है कि 2026 में रिकॉर्ड बिक्री होगी। मौसम विभाग के गर्मी के पूर्वानुमान को देखते हुए डाइकिन को उम्मीद है कि इस साल एसी इंडस्ट्री 15फीसदी की ग्रोथ दर्ज करेगी। कंपनियों को लगता है कि यह साल 2024 के रिकॉर्ड स्तर को भी छू सकता है।

सवाल 7: भारतीय एसी मार्केट का साइज कितना है और मुख्य कॉम्पिटिशन किसके बीच है? जवाबः भारत में रूम एयर-कंडीशनर का बाजार सालाना लगभग 1.35 करोड़ यूनिट्स का है। बाजार में अपनी वोल्टास, एलजी, डाइकिन, ब्लू स्टार, हिताची, पैनासोनिक और लॉयड जैसी कंपनियों के बीच कड़ी टक्कर रहती है। साल 2025 एसी कंपनियों के लिए काफी सुस्त रहा था। सवाल 8: क्या जीएसटी में कटौती से ग्राहकों को कोई राहत मिली है? जवाबः एलजी के अधिकारियों का कहना है कि जीएसटी को 28फीसदी से घटाकर 18फीसदी किए जाने से बढ़ी हुई लागत का असर काफी हद तक कम हुआ है। इससे कंपनियों के लिए बिजली बचाने वाले एसी ग्राहकों तक पहुंचाना थोड़ा आसान हुआ है।

नॉलेज पार्ट: क्या हैं नए बीईई स्टार रेटिंग नियम? 1 जनवरी 2026 से ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी बीईई ने एसी के लिए नए मानक लागू किए हैं। इसके तहत अब 5-स्टार एसी पुराने 5-स्टार एसी की तुलना में 10फीसदी से 11फीसदी अधिक एनर्जी एफिशिएंट हैं। आसान शब्दों में कहें तो नया एसी कम बिजली में ज्यादा कूलिंग देगा। एसी के लिए स्मार्ट बाइंग टिप्स-पुराना स्टॉक चेक करें: मार्च के अंत तक कई डीलर्स के पास पुराना स्टॉक बचा हो सकता है, जो पुराने रेट पर मिल जाएगा। ऑफ-सीजन डिस्काउंट: मार्च खत्म होने से पहले खरीदारी करना अप्रैल की पीक गर्मी से सस्ता पड़ सकता है। 5-स्टार ही चुनें: अगर आपका एसी रोजाना 6-8 घंटे चलता है, तो 5-स्टार एसी लेना ही समझदारी है, क्योंकि बिजली बिल में हुई बचत 1-2 साल में एसी की बढ़ी हुई कीमत को वसूल कर देगी।

तमिल एक्ट्रेस सुभाषिनी सुब्रमण्यम का शव मिला,पहले कॉल पर हुआ था पति से झगड़ा, दो साल पहले हुई थी शादी

चेन्नई। साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सुभाषिनी सुब्रमण्यम का शव उनके चेन्नई स्थित अपार्टमेंट में मिला है। 36 साल की एक्ट्रेस डिप्रेशन में थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, मौत से कुछ पहले उन्होंने पित बिपिन को वीडियो कॉल किया था, जिसमें दोनों का झगड़ा हुआ था। पुलिस जांच के अनुसार, झगड़े के बाद ही सुभाषिनी ने आत्महत्या की है, हालांकि अब तक मौत का सटीक कारण और वजह सामने नहीं आ सकी ही। शव बरामद होने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सुभाषिनी सुब्रमण्यम श्रीलंका की रहनेवाली थीं। वो तमिल टीवी इंडस्ट्री में काम मिलने के बाद चेन्नई आकर बस गई थीं। साल 2012 में फिल्म इनी अवन से करियर की शुरुआत करने के बाद वह कई टीवी शोज और फिल्मों में नजर आ चुकी थीं। उन्हें सबसे ज्यादा पहचान टीवी शो कायल में दीपिका का किरदार निभाने पर मिली थी। इसके अलावा वो इल्लाम मेला इरुकुरवन पाथुप्पन और वेब जैसी कई फिल्मों का हिस्सा रही हैं। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम में करीब साढ़े 4 लाख फॉलोअर्स हैं। उन्होंने 2 दिन पहले आखिरी पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने जिंदगी के सार का जिक्र किया था। वो अक्सर सोशल मीडिया पर पति बिबिन के साथ तस्वीरें भी पोस्ट किया करती थीं।

समय पहले ही उनका पति से वीडियो कॉल पर झगड़ा हुआ था। न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार, सुभाषिनी, चेन्नई के इयप्पंथंगल इलाके में किराए के फ्लैट में रह रही थीं, जहां उनका शव मिला है। उन्होंने 2 साल पहले 2024 में बिपिन चंद्रन से शादी की थी। कुछ समय से दोनों अलग रह रहे थे। 6 अप्रैल को मौत होने से

अश्लील गाने के विवाद में नोरा की मुश्किल बढ़ी-पेश न होने पर महिला आयोग भड़का

संजय दत्त को भी 8 अप्रैल को पेश होने का समन

मुंबई। केडीः द डेविल के गाने 'सरके चुनर तेरी' विवाद में सफाई के बावजूद नोरा फतेही की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। 6 अप्रैल को राष्ट्रीय महिला आयोग की सुनवाई में वह पेश नहीं हुईं, जिस पर आयोग ने नाराज होकर उन्हें आखिरी मौका दिया। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, 6 अप्रैल को राष्ट्रीय महिला आयोग की सुनवाई में सरके चुनरिया तेरी के लिरिसिस्ट रकीब आलम, फिल्म केडीःद डेविल के डायरेक्टर प्रेम और केवीएन प्रोडक्शन के रीप्रेसेंटेटिव गौतम के.एम और सुप्रिथ पेश हुए थे। इस सुनवाई की अध्यक्षता आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने की थी। समन में नोरा फतेही को भी पेश होने के लिए कहा गया था, हालांकि वो खुद नहीं आईं और सफाई देने के लिए वकील को भेजा। सुनवाई में विजया रहाटकर ने चिंता जताते हुए कहा कि गाने के बोल महिलाओं की गरिमा के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि क्रिएटिविटी के नाम पर महिलाओं की गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान मौजूद सभी ने ये स्वीकार किया कि गाना आपत्तिजनक था, जिसका नाकारात्मक प्रभाव पड़ा और सभी ने इसके लिए लिखित माफी भी दी। इसके अलावा सभी ने तीन महीनों तक महिला सशक्तिकरण के लिए काम करने और महिला आयोग को इसकी रिपोर्ट देने का आश्वासन दिया है। अश्लील गाने के विवाद पर संजय दत्त को भी समन-आयोग ने संजय दत्त को भी समन भेजकर 8 अप्रैल को होने वाली सुनवाई में पेश होने का आदेश दिया है। उनके अलावा नोरा फतेही की गैरमौजूदगी पर भड़कर आयोग ने उन्हें 27 अप्रैल को पेश होने का आखिरी मौका दिया है। नोरा फतेही दे चुकी हैं सफाई-अश्लील गाने पर विवाद बढ़ने के बाद एक्ट्रेस ने बयान जारी कर सफाई दी थी। उन्होंने कहा है कि उनसे कन्नड़ में गलत ट्रांसलेशन बताकर पूरा गाना शूट करवाया गया और फिर बिना अप्रूवल या परमिशन गाने को हिंदी में बना लिया। उन्होंने कहा कि मेकर्स ने लिरिकल गाने को बिना इजाजत लिए उनकी एआई इमेज के साथ रिलीज किया।एक्ट्रेस ने ये भी माना कि गाना वाकई अनुचित है, लेकिन इसकी जानकारी उन्हें सॉन्ग लॉन्च इवेंट में पहुंचकर मिली। हिंदी गाना देखकर एक्ट्रेस खुद शॉक में थीं।पैन इंडिया फिल्म केडीः द डेविल, 30 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली है। 14 मार्च को इस फिल्म का गाना सरके चुनर तेरी कई भाषाओं में रिलीज हुआ। ये गाना नोरा फतेही और संजय दत्त पर फिल्माया गया था। यूट्यूब पर गाना जारी होते ही सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा, जिसका कारण था, गाने के अश्लील और डबल मीनिंग बोल। इसके अलावा गाने में दिखाए गए डांस स्टेप्स और पिक्चराइजेशन भी काफी आपत्तिजनक थे। सोशल मीडिया पर गाने की जमकर आलोचना हुई, जिसके बाद इसके खिलाफ कई शिकायतें दर्ज हो रही हैं। 'सरके चुनर तेरी', जो आने वाली कन्नड़ फिल्म 'केडीः द डेविल' का हिस्सा है, अपने अश्लील बोलों के कारण यूट्यूब पर रिलीज के बाद बड़े विवाद का कारण बना। इसके बाद इस वीडियो को प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया है। 'केडीः द डेविल', जिसका निर्देशन प्रेम ने किया है और जिसमें ध्रुव सरजा मुख्य भूमिका में हैं, 30 अप्रैल को रिलीज होगी।

धुरंधर-2 देख आदित्य धर की फैन बनीं अनुष्का शर्माःरणवीर सिंह की तारीफ की

मुंबई। आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर 2 लगातार बॉक्स ऑफिस पर बड़े रिकॉर्ड कायम कर रही है, जिसे न सिर्फ आम जनता बल्कि फिल्म इंडस्ट्री की भी जमकर तारीफें मिल रही हैं। अब हाल ही में पावर कपल विराट कोहली-अनुष्का शर्मा ने फिल्म देखकर इसकी तारीफों के पुल बांध दिए हैं। विराट कोहली ने तो ये तक कहा कि उन्होंने ऐसी फिल्म भारत में पहले कभी नहीं देखी। वहीं रणवीर सिंह की पूर्व को-स्टार अनुष्का शर्मा ने उनके अभिनय की सराहना की है। अनुष्का शर्मा ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म धुरंधर-2 का रिव्यू कर लिखा है, 'आपने कितनी शानदार फिल्म बनाई है आदित्य धर। लगभग 4 घंटे लंबी फिल्म बनाने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए होती है। यह फिल्म बेहद रोचक और आपको पूरी तरह बांधे रखने वाली है। बहुत बारीकी से बनाई गई है और शुरुआत से अंत तक आपका ध्यान बनाए रखती है। आप एक बेहद मौलिक और आत्मविश्वासी फिल्ममेकर हैं।' आगे अनुष्का ने लिखा, 'रणवीर सिंह, आपने जिंदगी में एक बार मिलने वाले किरदार को पूरी तरह जी लिया और एक दमदार, बेदाग परफॉर्मेंस दी। आर.माधवन, अर्जुन रामपाल और राकेश बेदी सर और फिल्म के सभी शानदार एक्टर्स, आप सभी की परफॉर्मेंस एकदम सटीक थी। आप में से हर एक के बिना यह फिल्म अधूरी है। इससे जुड़े हर शख्स को बधाई।'अनुष्का के अलावा विराट कोहली ने भी फिल्म धुरंधर के तारीफों के पुल बांधे हैं। उन्होंने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है, 'आज मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मैंने भारत में इससे पहले कभी ऐसा सिनेमाई अनुभव नहीं देखा। इस फिल्म ने हर तरह की भावना को सतह पर ला दिया और पूरे 4 घंटे तक मैं एक बार भी पलक नहीं झपका पाया।' आगे उन्होंने लिखा, 'आदित्य धर आपका टैलेंट और आपका दृढ़ विश्वास आपके काम में साफ झलकता है। आपको सलाम। आप जीनियस हैं। भले ही सभी एक्टर्स अपने-अपने रोल में बेहतरीन थे, लेकिन रणवीर सिंह, आप इस फिल्म के बाद एक अलग लेवल पर पहुंच गए हैं और आपकी परफॉर्मेंस शानदार से भी कहीं बढ़कर थी। बिल्कुल वॉव।'बता दें कि अनुष्का शर्मा ने करियर की शुरुआती सालों में रणवीर सिंह के साथ 2 फिल्में बैंड बाजा बारात और लेडीज वर्सेस रिक्की बहल के साथ काम किया था। दोनों फिल्में हिट रही थीं। तब दोनों की डेटिंग की खबरें भी सुर्खियों में थीं। करण जौहर ने भी एआईबी में दोनों के रिलेशनशिप और ब्रेकअप पर कंफर्मेशन दी थी।19 मार्च को रिलीज हुई फिल्म धुरंधर ने 1622 करोड़ रुपए का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है। ये बॉलीवुड के इतिहास की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। फिलहाल ये आमिर खान की दंगल से पीछे है।

जीतेंद्र हुए 84 के, कभी हीरोइन के स्टंट किए,रेखा को टाइमपास कहा, सरेआम फूट-फूटकर रोईं, महमूद ने हंसाने के लिए उतारी पैंट, जानिए किस्से

मुंबई। हिंदी सिनेमा के जंपिंग जैक कहे जाने वाले जीतेंद्र आज 84 साल के हो गए हैं। कभी मुंबई की चॉल में 10 बाई 12 की खोली में रहने वाले जीतेंद्र आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। मिडिल क्लास परिवार में जन्में जीतेंद्र आर्टिफिशियल जूलरी सप्लाई करने में पिता का हाथ बंटाते थे। एक रोज वो सेट पर जूलरी पहुंचाने गए, जहां उन्हें जूनियर आर्टिस्ट का काम मिला। तनख्वाह थी 100 रुपए महीना। उस दिन जीतेंद्र का फिल्मों से ऐसा रिश्ता जुड़ा कि उन्होंने पहले जूनियर आर्टिस्ट से बतौर लीड हीरो काम किया और फिर हिंदी सिनेमा के स्टार बने। ये रिश्ता 200 से ज्यादा फिल्मों और 5 लाइफटाइम अचीवमेंट्स अवॉर्ड्स के साथ आज भी कायम है। जीतेंद्र का जन्म 7 अप्रैल 1942 में अमृतसर के एक पंजाबी परिवार में हुआ। जन्म के समय उनका नाम रवि कपूर रखा गया, जो बाद में फिल्मों में आकर जीतेंद्र हुआ। जीतेंद्र कुछ महीनों के ही थे, जब परिवार मुंबई आकर बस गया और गिरगांव की श्याम सदन चॉल में रहने लगा। 8 लोगों का पूरा परिवार 10 बाय 12 की खोली में रहता था, जिसका भाड़ा था 6 रुपए। उनके पिता अमरनाथ फिल्मों के सेट में आर्टिफिशियल जूलरी सप्लाई करने का काम करते थे। समय के साथ जब घर की आर्थिक स्थिति सुधरने लगी तो उनके घर में ट्यूबलाइट और पंखा लगा। चॉल में गरीबी का वो आलम था कि पूरे चॉल के लोग उनके घर वो पंखा और ट्यूबलाइट देखने पहुंचे थे। जिंदगी के 20 साल जीतेंद्र ने उसी चॉल में गुजारे। पंजाबी परिवार से होने के बावजूद आसपास के माहौल में घुल-मिलकर उन्होंने फर्राटेदार मराठी बोलना सीख लिया। जीतेंद्र न पढ़ाई में अच्छे थे न उनके पास कोई खास टैलेंट या रुचि थी। शुरुआती पढ़ाई जैसे-तैसे पूरी की, तो पिता ने अपने आर्टिफिशियल जूलरी के बिजनेस में लगा दिया। काम था फिल्मों के सेट पर जूलरी पहुंचाना। साल 1959 में जीतेंद्र को वी.शांताराम की फिल्म नवरंग के सेट पर जूलरी पहुंचाने का काम मिला। वो रोज बस में धक्के खाते हुए सेट पर पहुंचते थे। उम्र करीब 17 साल थी। एक रोज चकाचौंध देखकर जीतेंद्र को भी फिल्म देखने का मन किया। उन्होंने वहां खड़े लोगों से पूछा तो उन्हें साफ इनकार कर दिया गया। सबने कहा कि वी.शांताराम किसी को शूटिंग देखने की इजाजत नहीं देते। जीतेंद्र मुंह लटकाए घर पहुंचे और चाचा से शिकायत की। अगले दिन चाचा उन्हें लेकर फिर सेट पर पहुंचे और असिस्टेंट से कहा कि मेरे भतीजे को शूटिंग देखनी है। उन्होंने जवाब दिया, 'शूटिंग देखना है, तो काम भी करना पड़ेगा।' उन्होंने जीतेंद्र को देखा और कहा- 'हम तुम्हें प्रिंस का रोल देंगे।' जीतेंद्र की खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा। रोज बस से जाने वाले जीतेंद्र अगले दिन टैक्सी में सेट पर पहुंचे। वहां पहुंचते ही उन्हें प्रिंस के कपड़े पहनाए गए, लेकिन जैसे ही वो सेट पर पहुंचे उन्हें जोरदार धक्का लगा। सेट पर वो अकेले प्रिंस नहीं थे, बल्कि वहां 200 प्रिंस बने लड़के बैठे थे। उन्हें फिल्म नवरंग के गाने तू छुपी है कहां में हीरोइन के पीछे खड़े होने वाले जूनियर आर्टिस्ट का काम मिला था। नवरंग की शूटिंग के दौरान जीतेंद्र ने खुद भी फिल्मों में काम करने का मन बना लिया। जब उन्हें 1963 में फिल्म सेहरा के सेट पर जूलरी पहुंचाने का काम मिला, तो एक दिन उन्होंने मौका पाते ही डायरेक्टर वी.शांताराम से मराठी में कहा- मुझे फिल्मों में काम करना है। वी.शांताराम ने उनकी बात से ज्यादा इस बात पर गौर किया कि एक पंजाबी कपूर साहब का लड़का इतनी अच्छी मराठी कैसे बोल रहा है। इस तरह बात चल निकली। उन्होंने जाते हुए कहा, मैं गारंटी नहीं देता, लेकिन तुम ट्राय करते रहो। इस एक बात की बदौलत जीतेंद्र को फिल्म सेहरा में ही एक्स्ट्रा का काम मिल गया। उन्हें बस सेट पर मौजूद रहना होता था, जिससे अगर कोई जूनियर आर्टिस्ट न आए, तो वो उनकी जगह खड़े हो सकें। इस काम के लिए जीतेंद्र को महीने के 100 रुपए तनख्वाह मिली। एक दिन फिल्म के एक सीन के लिए एक्ट्रेस संध्या को आग के ऊपर से कूदता दिखाना था। एक्ट्रेस संध्या, डायरेक्टर वी.शांताराम की पत्नी थी। उस दौर में आम तौर पर खतरनाक सीन करने के लिए एक्टर-एक्ट्रेसेस के बॉडी डबल रखे जाते थे, जो उन्हीं की तरह तैयार होकर खतरनाक स्टंट करते थे। उस दिन भी सेट पर एक बॉडी डबल बुलाई गई थी, लेकिन आग देखकर उसने सीन करने से इनकार कर दिया। इसके लिए एक्ट्रेस की बॉडी डबल बनने के लिए एक लड़की बुलाई गई थी। आग की लपटें देख वो लड़की डर गई और वहां से चली गई। सेट पर मौजूद जब कोई लड़की वो सीन करने के लिए राजी नहीं हुई तो वी.शांताराम ने जीतेंद्र को ही ये काम दे दिया। जीतेंद्र को एक्ट्रेस संध्या की तरह तैयार किया गया, जिसके बाद उन्होंने हीरोइन बनकर सीन किया। इस एक रोल से जीतेंद्र, वी.शांताराम के दिल में घर कर गए। उन्हें इस फिल्म में एक डायलॉग भी दिया गया। उन्होंने कहना था, सरदार, दुश्मनों का दल टिड्डियों की तरह आगे बढ़ रहा है। 25 रीटेक के बावजूद जीतेंद्र डायलॉग ठीक तरह नहीं बोल पाए। खीझकर वी.शांताराम ने वो गलत डायलॉग ही फिल्म में फाइनल कर लिया। वो वी.शांताराम ही थे, जिन्होंने जीतेंद्र का हुनर परखा और उन्हें फिल्म गीत गाया पत्थरों ने में लीड रोल दिया। जीतेंद्र की बतौर हीरो पहली फिल्म गीत गाया पत्थरों ने साल 1964 में रिलीज हुई। चॉल में रहने वाले जीतेंद्र के लिए ये खास दिन था। उन्होंने चॉल के पास स्थित एक थिएटर में पिता अमरनाथ और मां कृष्णा को फिल्म दिखाने के लिए तीन टिकटें खरीदीं। थिएटर पहुंचते ही उन्होंने टिकट देखने के लिए गेट पर खड़े शख्स से पूछा, हमें कहां बैठना है। जवाब मिला, पूरा थिएटर खाली है, जहां बैठना है बैठ जाओ। ये फिल्म खास नहीं चली, लेकिन जीतेंद्र ने ठान लिया कि अब वो फिल्मों में ही करियर बनाएंगे। जीतेंद्र पहली फिल्म फ्लॉप होने के बाद प्रोड्यूसर्स के दफ्तरों के चक्कर काटते हुए फिल्में मांगा करते थे। वो संघर्ष के दिनों में कोलाबा की ऊषा सदन बिल्डिंग में रहने पहुंचे, जहां एक्टर प्रेम चोपड़ा भी रहा करते थे। उस दौर में प्रेम चोपड़ा नौकरी भी करते थे और फिल्मों में काम की तलाश में थे।फिल्मों में छोटा-मोटा काम करते हुए जीतेंद्र ने कार खरीद ली थी, प्रेम चोपड़ा के पास भी कार हुआ करती थी। दोनों एक ही समय पर घर से निकलते और प्रोड्यूसर्स के दफ्तरों के बाहर टकराते रहते थे। लेकिन एक-दूसरे के सामने खुद को रईस और व्यस्त दिखाते थे। एक रोज प्रेम चोपड़ा ने जीतेंद्र से पूछ ही लिया, हम दोनों एक साथ निकलते हैं, एक ही जगह जाते हैं, क्यों न हम ये दिखावा छोड़कर एक ही गाड़ी से आएं-जाएं, इससे पैसे भी बच जाएंगे। तंगी में गुजारा कर रहे जीतेंद्र भी झट से मान गए। तब से दोनों साथ घरों से निकलते लगे। तय हुआ कि एक दिन का खर्च एक शख्स उठाएगा और दूसरे दिन दूसरा शख्स खर्च करेगा। 1965 में एक दिन कार से जाते हुए दोनों की नजरें एक सुंदर लड़की पर पड़ी। वो अपनी सहेली के साथ कहीं जा रही थी। दोनों ने हिम्मत कर लड़की को लिफ्ट देने का पूछा और वो भी मान गई। जीतेंद्र ने चालाकी से उस सुंदर लडकी को अपने साथ पीछे की सीट पर बैठा लिया और उसकी सहेली, कार चला रहे प्रेम चोपड़ा के बाजू वाली सीट पर बैठी। ये देखकर प्रेम चोपड़ा खीज उठे और बड़बड़ाते हुए गाली देने लगे। पीछे बैठी सुंदर लड़की ने जीतेंद्र से पूछा, 'ये क्या कह रहे हैं?' जीतेंद्र तो जीतेंद्र थे, उन्होंने कहा कि प्रेम चोपड़ा आगे बैठी लड़की को पसंद करते हैं। ये सुनकर प्रेम चोपड़ा का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया, लेकिन उन लड़कियों को बुरा न लगे, इसलिए प्रेम चोपड़ा को न चाहते हुए भी हां में हां मिलाना पड़ा। लिफ्ट के चक्कर में जीतेंद्र ने दोनों लड़कियों को साथ फिल्म देखने के लिए राजी कर लिया। चारों मिलकर धर्मेंद्र की फिल्म नीला आकाश देखने थिएटर पहुंचे। वो रमजान का महीना था, दोनों लड़कियों मुस्लिम थीं और उस दिन उनका रोजा (व्रत) था। उन्होंने जीतेंद्र से कहा कि वो फिल्म देखने के बाद उनके साथ रोजा खोलेंगी और कुछ खाएंगी। इंटरवल होते ही प्रेम चोपड़ा, जीतेंद्र को बाहर लेकर गए। उन्होंने कहा, मेरे पास पैसे नहीं हैं, कैसे खिलाएंगे। जीतेंद्र ने भी कहा, मेरे पास भी पैसे नहीं हैं। दोनों ने कुछ देर सोचा और बेइज्जती से बचने के लिए दोनों इंटरवल से ही दोनों लड़कियों को थिएटर में छोड़कर भाग निकले। इस वाक्ये के 50 साल बाद आज भी प्रेम चोपड़ा और जीतेंद्र की दोस्ती कायम है। लंबी जद्दोजहद के बाद जीतेंद्र को वी.शांताराम की अगली फिल्म बूंद जो बन गई मोती में काम मिला। इस फिल्म में वी.शांताराम अपनी बेटी राजश्री को जीतेंद्र के साथ कास्ट कर रहे थे, लेकिन शादी के चलते आखिरी समय में राजश्री को फिल्म छोड़नी पड़ी। तब वी.शांताराम ने फिल्म में मुमताज को कास्ट किया, जो कुछ बी-ग्रेड फिल्मों में आने के बाद मैनस्ट्रीम सिनेमा में जगह बनाने की कोशिश कर रही थीं। इससे पहले वो वी.शांताराम की फिल्मों स्त्री (1961) और सेहरा (1963) में छोटी सी भूमिका निभा चुकी थीं। जैसे ही ये बात जीतेंद्र को पता चली उन्होंने डायरेक्टर से साफ कहा कि वो मुमताज के साथ फिल्म नहीं करेंगे। जीतेंद्र ने खबर मिलते ही वी.शांताराम से कहा- आप मुमताज को क्यों ले रहे हैं।वी.शांताराम ने कहा, क्यों नहीं। उसमें हीरोइन बनने की सारी क्वालिटी हैं। वो सुंदर हैं, अच्छा डांस करती हैं, अच्छी एक्ट्रेस हैं। ये सुनकर जीतेंद्र ने फिर कहा, नहीं, क्या आप किसी और को कास्ट नहीं कर सकते। इस पर जवाब मिला, नहीं, मैं मुमताज को ही लूंगा, तुम्हें नहीं पसंद तो फिल्म छोड़ दो। एक दिन जीतेंद्र अरुणा ईरानी के साथ एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। शॉट के मुताबिक उन्हें जोर-जोर से हंसना था, लेकिन बार-बार कोशिश करने के बावजूद उन्हें हंसी नहीं आ सकी। ये देखकर कॉमेडियन महमूद उनके पास पहुंचे और कहा कि जैसे ही शॉट शुरू हो, बस मेरी तरफ देख लेना। ये कहते ही महमूद साहब पास बने एक दरवाजे के पीछे खड़े हो गए। जैसे ही शॉट शुरू हुआ, जीतेंद्र की नजर दरवाजे पर पड़ी और वो जोर से हंस पड़े। महमूद साहब वहां पैंट उतारकर खड़े थे। ये किस्सा जीतेंद्र ने कपिल शर्मा शो में सुनाया था। साल 1967 में जीतेंद्र की तीन फिल्में बंद जो बन गई मोती, गुनाहों का देवता और फर्ज। गुनाहों का देवता मई 1967 में रिलीज हुई और कुछ खास नहीं चली। इसके बाद अक्टूबर 1967 में उनकी दूसरी फिल्म फर्ज आई। जीतेंद्र पहले ही इस फिल्म को साइन करने में झिझक रहे थे। वजह ये थी कि इस फिल्म के डायरेक्टर रविकांत नगाइच थे। वो साउथ फिल्मों के सिनेमैटोग्राफर थे और फिल्म फर्ज से वो बतौर डायरेक्टर बॉलीवुड में कदम रखने वाले थे। नए डायरेक्टर के साथ काम करने के लिए एक्टर्स इनकार कर चुके थे, जिसके बाद फिल्म जीतेंद्र को मिली थी।जब फिल्म रिलीज हुई तो कुछ दिनों तक सिनेमाघर खाली पड़े थे। जीतेंद्र डर गए कि अभी तो करियर शुरू हुआ है, अगर फिल्म इंडस्ट्री में खबर फैल गई कि जीतेंद्र की ये फिल्म भी फ्लॉप हो गई, तो कोई उन्हें आगे साइन नहीं करेगा। उस दौर में जब टिकट के दाम 60 पैसे तक हुआ करते थे, तब जीतेंद्र ने 5 हजार रुपए लगाकर अपनी फिल्म की सारी टिकटें खरीद लीं। जिससे लोगों को लगे कि सिनेमाघरों में टिकट नहीं मिल रहीं। वाकई यही हुआ। जब लोगों को पता चला कि फिल्म हाउसफुल है, तो उनमें भी फिल्म देखने का क्रेज बढ़ने लगा और लोग बढ़-चढ़कर फिल्म देखने जाने लगे। कुछ समय बाद वाकई फिल्म हाउसफुल होने लगी। इस फिल्म से जीतेंद्र को रातोंरात पहचान मिल गई। वजह थी, फिल्म के सुपरहिट गाने और जीतेंद्र का नया स्टाइल। फिल्म का गाना मस्त बहारों का मैं आशिक जबरदस्त हिट रहा। फिल्म में उनके पहने गए कपड़े और जूते भी नया ट्रेंड लाए। 1971 में रेखा को फिल्म एक बेचारा में जीतेंद्र के साथ साइन किया गया। जीतेंद्र उस वक्त कुंवारे थे और अपनी लोकप्रियता के चरम पर थे। साथ काम करते हुए दोनों के अफेयर की खबरें सामने आईं। शिमला में शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और मुंबई लौटने के बाद यह रिश्ता और गहरा गया। फिल्म एक बेचारा की कामयाबी के बाद दोनों ने फिल्म अनोखी अदा भी साइन की, लेकिन कहानी में मोड़ तब आया जब रेखा को पता चला कि जीतेंद्र की पहले से एक गर्लफ्रेंड शोभा हैं। रेखा के लिए यह झटका था। फिर एक दिन रेखा ने शूटिंग के सेट में जीतेंद्र को जूनियर आर्टिस्ट से ये कहते हुए सुना कि रेखा उनके लिए सिर्फ टाइमपास हैं। ये सुनकर रेखा सरेआम रो पड़ीं। सेट पर हर कोई इसका गवाह रहा। इसके बाद से ही रेखा ने जीतेंद्र से बातचीत बंद कर दी और रिश्ता खत्म कर लिया। एक दौर में एक्टर संजीव कुमार, ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी को पसंद करते थे। तब वो पहले ही धर्मेंद्र के साथ रिलेशनशिप में थीं। परिवार के ऐतराज के चलते हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र से दूरी बना ली थी, तब संजीव कुमार ने प्यार का इजहार करने के लिए हेमा मालिनी को लव लेटर लिखा था। लेटर पहुंचाने में झिझक महसूस हुई, तो उन्होंने ये जिम्मेदारी दोस्त जीतेंद्र को सौंप दी। जीतेंद्र जैसे ही लेटर लेकर पहुंचे, तो उनका हेमा को देखकर मन बदल गया। उन्होंने मौका देखकर लव लेटर से संजीव कुमार का नाम हटा दिया और अपना नाम लिख दिया। वो लेटर देकर लौट गए। जब ये बात हेमा मालिनी के घरवालों को पता चली, तो उन्होंने जीतेंद्र के साथ उनकी शादी की बात चलाना शुरू कर दी। वजह ये रही कि हेमा का परिवार नहीं चाहता था कि उनकी शादी धर्मेंद्र से हो, संजीव कुमार भी परिवार को पसंद नहीं थे, लेकिन हेमा का दोनों से ध्यान भटकाने के लिए परिवार ने उनकी शादी जीतेंद्र से पक्की कर दी। जबकि उस समय जीतेंद्र भी एयरहोस्टेस शोभा कपूर से सगाई कर चुके थे। एक रोज हेमा-जीतेंद्र की शादी के लिए पंडित बुलाया गया, जैसे ही बात धर्मेंद्र तक पहुंची, वो शोभा कपूर के साथ वहां पहुंच गए और शादी रुकवा दी। जीतेंद्र ने 1974 में एयरहोस्टेस शोभा कपूर से लव मैरिज की थी। शादी से पहले दोनों कई सालों तक रिलेशनशिप में भी रहे थे। कहा जाता है दोनों की मुलाकात सालों पहले मरीन ड्राइव पर हुई थी, जब शोभा महज़ 14 साल की थीं। दोनों की दोस्ती हुई और दोनों की अक्सर मुलाकातें होने लगीं। कपल के दो बच्चे एकता कपूर और तुषार कपूर हैं। 1975 की बात है जब शोभा ने जीतेंद्र की लंबी आयु के लिए करवाचौथ का व्रत रखा। उसी दिन जीतेंद्र को शूटिंग के लिए फ्लाइट से निकलना था। फ्लाइट लेट हुई तो जीतेंद्र शोभा का व्रत खुलवाने घर आ गए। फ्लाइट का टाइम होने लगा तो जीतेंद्र निकलने को हुए, लेकिन शोभा ने जिद कर उन्हें घर पर ही रोक लिया। पत्नी की जिद देखकर जीतेंद्र ने अपने मेकअप आर्टिस्ट को भी वापस बुला लिया और कहा अगले दिन निकलेंगे। कुछ समय बाद जीतेंद्र की नजर एयरपोर्ट की तरफ गई, जो पाली हिल इलाके से दिखता था। उन्हें उस तरफ आग लगी नजर आई। कुछ समय बाद खबर मिली कि जिस इंडियन एयरलाइन की फ्लाइट से वो जाने वाले थे वो क्रैश हो गई है। ये किस्सा जीतेंद्र ने कपिल शर्मा शो में सुनाया था। जीतेंद्र हर साल अपने बच्चों तुषार और एकता को एक महीने के लिए देश से बाहर घुमाने ले जाते थे। एक बार की बात है जब फैमिली जिम्बाब्वे गया। जैसे ही जीतेंद्र एयरपोर्ट से बाहर निकले, तो कुछ बच्चे उनका ऑटोग्राफ लेने दौड़े चले आए। ये देखते ही बेटी एकता ने जूता उतारकर उनकी पिटाई करना शुरू कर दिया। जीतेंद्र ने 6 दशकों के फिल्मी सफर में करीब 200 फिल्मों में काम किया है। कारवां, बिदाई, धरम वीर, स्वर्ग नर्क, जानी दुष्मन, फर्ज, हिम्मतवाला, तोहफा, स्वर्ग से सुंदर, खुदगर्ज और थानेदार जैसी फिल्में की हैं।

1972-74 के बीच जीतेंद्र को फिल्मों में काम मिलना कम हो गया था, जिससे वो जॉबलेस हो गए। जीतेंद्र ने अपनी सालों की कमाई लगाकर 1982 में दीदार-ए-यार फिल्म बनाई जो बुरी तरह फ्लॉप हो गई। जीतेंद्र को 2.5 करोड़ का नुकसान हुआ और वो कंगाल हो गए। इस नुकसान से उभरने के लिए जीतेंद्र ने बैक-टू-बैक 60 फिल्में कीं, जिनमें से ज्यादातर रीमेक थीं। 2002 से लेकर 2012 तक जीतेंद्र को 5 बार लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। जीतेंद्र का 22 फिल्मों में नाम विजय रखा गया है और 26 फिल्मों में रवि। रवि, जीतेंद्र का असली नाम भी है। 2014 में जीतेंद्र को दादा साहेब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।